वार्षिक प्रतिवेदन
2014 - 15

NIEPMD

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान
(एनआईईपीएमडी)
(अशक्तता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)
ईसीआर, मुट्टुक्काडु, कोवळम् (पीओ), चेन्नै - 603 112
दूरभाष : 044-27472113 / 2046, फैक्स : 044-27472389
ई मेल : niepmd@gmail.com वेबसाइट : www.niepmd.tn.nic.in

विषय सूची

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
	2014–2015 के दौरान एनआईईपीएमडी के कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण	
1	प्रस्तावना	1
2	संगठनात्मक संरचना	5
3	मानव संसाधन विकास 3.1 दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 3.2 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम 3.3 कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों शिक्षकगणों/अधिकारियों की सहभागिता	8
4	सेवाएँ	16
5	सहायक उपकरणों की खरीद/फिटिंग हेतु निःशक्तजनों की सहायता (एडिप) सेवाएँ	55
6	अनुसंधान और विकास	57
7	महत्वपूर्ण घटनाएँ	66
8	प्रशासन	84
9	उत्तर पूर्वी राज्यों के कार्यक्रम	90
10	विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र	103
11	ऑडिट रिपोर्ट तथा वार्षिक खाता	109
	संलग्नक 1 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण 2 कार्यशालाओं/सम्मेलनों/समारोहों में प्रतिभाग करने वाले फैकल्टी सदस्यों/अधिकारियों की सूची	i xiii

2014–2015 के दौरान एनआईईपीएमडी के क्रियाकलापों का संक्षिप्त विवरण

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, की स्थापना 2005 में ईसीआर, मुट्टुक्काडु, चेन्नई, तमिलनाडु में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य बहुविकलांग व्यक्तियों के रिसोर्स केन्द्र के रूप में कार्य करना था। विकलांगजन अधिनियम 2005 के अन्तर्गत अल्पदृष्टि, अंधता, चलन विकलांगता, श्रवण बाधिता, मानसिक मंदता, मानसिक रूग्णता तथा कुष्ठ रोग मुक्त व्यक्ति आते हैं। इसी प्रकार राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 के अन्तर्गत प्रमस्तिष्किय पक्षाघात, स्वलीनता, मंदता तथा बहुविकलांगता आते हैं। 2014–2015 के दौरान एनआईईपीएमडी ने अनेक कार्य किये। कुछ का वर्णन निम्नवत है।

प्रमुख भ्रमण

श्रीमती स्तुति कक्कड़, सचिव भारत सरकार, विकलांगता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के एनआईईपीएमडी मे 23 अप्रैल 2014 को भ्रमण किया और बहुविकलांग व्यक्तियों को दिये जानेवाले विभिन्न सेवा कार्यकलापों का पुनरीक्षण किया।

प्रो. सुदेष मुखोपाद्याय, अध्यक्ष, आरसीआई ने 7 अप्रैल 2014 को एनआईईपीएमडी में भ्रमण किया। उस समय डा. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी ने उनको विभिन्न विभागीय कार्यकलापार्पे का विवरण दिया। आरसीआई के अध्यक्ष ने भारत सरकार की केन्द्र खण्ड छात्रवृत्ति योजना के अधीन योग्य अनुसूचित जाति के छात्रों को 'लेपटॉप' वितरित किये।

माननीय मंत्री श्रीमती उमा देवी, महिला और बाल विकास, उड़ीसा सरकार और श्रीमती कस्तूरी मोठपात्रा, राज्य निःषक्तता आयुक्त, उड़ीसा सरकार ने एनआईईपीएमडी में 25 अगस्त 2014 को भ्रमण किया।

29 जनवरी 2015 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता पर संसद की स्टेंडिंग समिति ने श्री रमेश की अध्यक्षमता में अन्य राज्यसभा एवं लोकसभा सदस्यों के साथ एन.आई.इ.पी.एम.डी. का भ्रमण किया तथा बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा की।

प्रमुख महोत्सव / जागरूकता अभियान

एनआईईपीएमडी ने 2 अप्रैल 2014 को स्वलीनता जागरूकता दिवस मनाया। उक्त अवसर पर एनआईईपीएमडी ने स्वलीन व्यक्तियों के लिए 1 अप्रैल 2014 को चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की। चेन्नई में और निकटस्थ स्थानों पर स्वलीन दिवस के बैनर लगाये गये। स्वलीनता जागरूकता पर पैम्फलेट दिये और दैनिक समाचार पत्रों में भी छपवाये। 2 अप्रैल 2014 को स्वलीनता के और अन्य विकलांगों तथा प्रशिक्षणार्थी छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. अन्बुदुरै, मनोवैज्ञानिक, हिन्दू मेडिकल मिशन, चेन्नई मुख्य अतिथि रहे। चित्रांकन प्रतियोगिता विजेताओं के मुख्य अतिथि ने पुरस्कार वितरित किये।

- एनआईईपीएमडी ने डॉ. हेलन केलर का 134वाँ जन्मदिवस 27 जून 2014 को मनाया। इस अवसर पर एनआईईपीएमडी ने बधिरांधता (आँखों पर पट्टी बाँधने और कान में टेंठी लगाने का कार्यकलाप) पता लगाने के अनुरूपण कार्यक्रमों का आयोजन किया। डॉ. हेलन केलर (मिरकिल वर्कर) की फिल्म दिखायी गयी और 20 सीडी प्लेयर और 20 श्रवण यन्त्र विकलांग व्यक्तियों को वितरित किये गये। प्रो. जयचन्द्रन, निदेशक, विजय ह्यूमन सर्विसेस, चेन्नई उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि रहे।

- महात्मा गाँधी का जन्म दिवस स्मरणोत्सव 2 अक्टूबर 2014 को मनाने के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत अनुपालन की शपथ लेने के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार एनआईईपीएमडी ने स्वच्छ भारत रैली का आयोजन किया। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक ने एनआईईपीएमडी के कर्मचारियों को स्वच्छ भारत की शपथ दिलायी और कर्मचारियों द्वारा एनआईईपीएमडी परिसर के अन्दर और निकटस्थ स्थानों पर स्वच्छता कार्य भी चलाया गया।

- एनआईईपीएमडी ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। इस अवसर पर स्मरणोत्सव में एनआईईपीएमडी ने 10 से 16 अक्टूबर 2014 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। 10 व 14 अक्टूबर 2014 को एनआईईपीएमडी के आदर्श विद्यालय के बच्चों, व्यावसायिक प्रशिक्षण के छात्रों और सामान्य विद्यालय के बच्चों के लिए पुतली का नाच और तंत्र प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अतिथि शिक्षकों, सहायक कर्मचारियों, गृह रक्षा और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए एक भाषण प्रदर्शन आयोजित किया गया। "विकलांग पुनर्वास में संज्ञानात्मक मूल्यांकन" पर एक कार्यशाला मनोविज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 14–15 अक्टूबर 2014 को चलायी गयी।

- एनआईईपीएमडी द्वारा विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस विभिन्न कल्याण कार्यकलापों और कार्यक्रमों द्वारा मनाया गया। समारोह के क अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों, अभिभावकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए 24 से 28 नवम्बर 2014 तक खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया। सेन्ट जोसफ हायर सैकण्डरी स्कूल, कोवलम, चेन्नई के छात्रों के लिए 1 दिसम्बर 2014 को चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गयी और कोवलन, चेन्नई के एमटीसी बस ड्राइवरों के लिए विकलांग का बोध कार्यक्रम चलाया गया। 2 दिसम्बर 2014 को पद्दूर से केलम्बाक्कम तक बोध रैली आयोजित की गयी। दिसम्बर 2014 को एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों का सम्मान किया। डा. विरुदगिरिनाथन, शिक्षा तान्त्रिक मनोवैज्ञानिक, चेन्नई उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। छात्रों और विकलांग व्यक्तियों के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये गये। विजेताओं को पुरस्कार दिये गये।

- स्वच्छ भारत मिषन के अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने 19 फरवरी, 2015 को एनआईईपीएमडी के परिसर के पीछे स्वच्छता कार्यक्रम चलाया।

मुख्य आयोजित कॉन्फरेंसेज/वर्कशाप/खेल मिलान

विकलांगता मामलों के विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एनआईईपीएमडी, मणिपुर के स्पास्टिक सोसायटी और वी केयर फिल्म फेस्ट संयुक्त तत्वाधान में 20 मई, 2014 को जी.एम. हाल, मणिपुर में विकलांगता आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। रूपचन्द्र, संयुक्त सचिव, समाज कल्याण, मणिपुर सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री रमेश चन्द्रा, विधि सचिव, मणिपुर सरकार और विभिन्न विभागों से जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। विभिन्न विकलांगता उन्मुख मुद्दों के बारे में 12 राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन हुआ तथा 500 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया।

एन.आई.ई.पी.एम.डी. तथा भारतीय उद्योग संघ के संयुक्त तत्वाधान में 22 अगस्त, 2014 को "सहायक पुनर्वास तकनीकि : विकसित गुणवत्तापरक जीवन हेतु समावेषी तकनीकि" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने इस अवसर पर स्टाल लगाया। इसमें टी.एल.एम. तथा अन्य सहायक उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

9–10 अक्टूबर, 2014 को बहुविकलांग व्यक्तियों के समशक्तीकरण विषय पर गोवा में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एन.आई.ई.पी.एम.डी., विकलांगता मामलों में विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने "बहुविकलांग व्यक्तियों का सशक्तीकरण : बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए सुगम शिक्षा" विषय पर 29–30 अक्टूबर, 2014 को एक अंतर्राश्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत द्वारा किया गया है।

भारतीय शिषु कल्याण परिषद्, तमिलनाडु और एनआईईपीएमडी ने मिलकर एनआईईपीएमडी सम्मेलन कक्ष मे 19 नवंबर 2014 को "विकलांग बच्चों की सुरक्षा वृद्धि पर राज्य स्तर की परिचर्या" पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

एनआईईपीएमडी ने उदयपुर, त्रिपुरा में 3–4 जनवरी, 2015 को बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता और बुद्धिमता क्षति का आयोजन किया। लगभग 200 प्रतिभागियों ने खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

एनआईईपीएमडी ने विशेष शिक्षा के प्रशिक्षणार्थियों के लिए द्वितीय राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता 16 से 18 जनवरी, 2015 तक एनआईईपीएमडी में और तमिलनाडु भौतिक शिक्षा और खेलकूद विष्वविद्यालय चेन्नई में आयोजित की। श्री डब्ल्यू.आई. देवारम, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष–तमिलनाडु अथेलिटिक एसोसिएषन, मुख्य अतिथि रहे और डॉ. एम.एस. नागराजन, वरिष्ठ प्रबन्धक, विशेष ओलम्पिक्स एषिया पैसिफिक रीजन विशेष अतिथि थे।

- एनआईईपीएमडी ने ''विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मिलन के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 6–7 फरवरी, 2015 को आयोजित की। विकलांग प्रबन्धन और विशेष शिक्षा के शिक्षक, रामकृष्ण मिषन विवेकानन्द विश्वविद्यालय, कायेम्बटूर ने सहयोग दिया। एनआईईपीएमडी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्टाल भी लगाया।

- एनआईईपीएमडी ने ''बहुविकलांग व्यक्ति का प्रबन्धन'' विषय पर 11 से 20 मार्च, 2015 तक गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट, तेजपुर और मोरीगाँव में कार्यशाला का आयोजन किया।

- एनआईईपीएमडी ने सामाजिक न्याय और जनजाति मामलों का विभाग, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग के साथ 19 मार्च, 2015 को जूबिली बैंक्वेट हाल, ईटानगर में ''बहुविकलांगों पर क्षेत्रीय सम्मेलन'' का आयोजन किया। उक्त सम्मेलन में कुल 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वे प्रतिभागी सर्व शिक्षा अभियान, रामकृष्णमिशन अस्पताल, अरुणाचलप्रदेश अंगहीन कल्याण समाज, प्रान्तीय अस्पताल के नर्स और डाक्टर थे।

- एन.आई.ई.पी.एम.डी. तथा स्पाष्टिक सोसाइटी, सिक्किम के संयुक्त तत्वाधान में 23–24 मार्च, 2015 को विकलांग जन हेतु राज्यस्तरीय खेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री टिका गुरूंग, सिक्किम सरकार के मुख्य सलाहकार थे। लगभग 150 विकलांगजनों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

- एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने बेथानि सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में ''बहुविकलांगता की पहचान प्रबंधन'' विषय पर 27–28 मार्च, 2015 को षिलांग, मेघालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 183 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रम

- बी.एड विशेष शिक्षा (एमडी) का द्वितीय उपाधिग्रहण उत्सव 16 अप्रैल 2014 को एनआईईपीएमडी में हुआ। सुश्री किरण पुरी, आईएएस, जेएस व एफए, एमएसजे व ई, भारत सरकार, मुख्य अतिथि रहीं और प्रो. वी.एस. सुन्दर, इंस्टिट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइन्सेस, चेन्नई उक्त अवसर पर विशेष अतिथि थे। लगभग 25 स्नातकों ने डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त किये। एनआईईपीएमडी के पुराने छात्रों का मिलन भी 16 अगस्त 2014 को आयोजित किया गया।

उदघाटन समारोह

- एनआईईपीएमडी में 26 सितम्बर 2014 को जल चिकित्सा पूल और एथलेटिक ट्रैक की आधारशिला स्थापना समारोह 26 सितम्बर 2014 को मनाया गया। माननीय मंत्री श्री थावर चंद गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार ने माननीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत, एमएसजे व ई, भारत सरकार की उपस्थिति में आधारशिला रखी। विकलांग व्यक्तियों को दी जानेवाली विभिन्न सेवाओं का मंत्रियों ने भ्रमण कर अवलोकन किया तथा उक्त समारोह में मंत्रियों ने ''बधिरांधता'' शीर्षक पर एक पुस्तक का विमोचन किया।

एनआईईपीएमडी ने अपने विस्तार केन्द्र 3 दिसम्बर 2014 और 6 दिसम्बर 2014 को शिक्षा वातावरण सामाजिक और स्वास्थ्य कार्य की समिति (सीषा) और अश्विनी सोसाइटी और रोटरी क्लब ऑफ गुडलूर, क्रमशः वानगरम, चेन्नई और गूडलूर में शुरू किये।

विकलांग व्यक्तियों के रेस्पाइट केयर सेन्टर एनआईईपीएमडी का 19 दिसम्बर 2014 को उद्घाटन किया गया। कलैमामणि एच. रामकृष्णन, वायोलिन वादक और भूतपूर्व निदेशक (नयी इकाई), दूरदर्शन, चेन्नई ने उद्घाटन किया। प्रो. पी. रामचन्द्रन, निदेशक, विजय ह्यूमन सर्विसेज चेन्नई विशेष अतिथि थे।

एनआईईपीएमडी ने स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, गैंगटॉक के सहयोग के साथ मिलकर गैंगटॉक में विस्तार केन्द्र शुरू किया। विस्तार केन्द्र का उद्घाटन समारोह 20 जनवरी 2015 को स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, गैंगटॉक में सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर श्रीमती इन्द्रा प्रधान, अध्यक्षा, प्रान्तीय आयोग, समाज कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार मुख्य अतिथि थीं।

एडिप शिविर

एनआईईपीएमडी ने एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरूपति में 27 सितम्बर 2014 को विकलांग व्यक्तियों के साधनों और सहयोगशील उपकरणों का वितरण शिविर का आयोजन किया। माननीय मंत्री श्री थावर चंद गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार व माननीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत, एमएसजे व ई, भारत सरकार ने लाभार्थियों को सामग्रियों और उपकरणों का वितरण किया। मंत्रियों ने एनएलएल, अलिमको, और अन्य विभागों द्वारा लगाये प्रदर्शनी स्टालों का भी उद्घाटन किया।

एनआईईपीएमडी ने एनटीआर स्टेडियम, अनाकापल्ली, आँध्रप्रदेश में 14 फरवरी 2015 को साधन और उपकरणों के मुफ्त वितरण के लिए आयोजित कम्पोसिट शिविर में भाग लिया और स्टाल भी लगाया। श्री थावर चन्द गहलोत, माननीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने उस समारोह की अध्यक्षता की।

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 24 मार्च, 2015 को एम आर ग्राउंड, इम्फाल (मणिपुर) में विकलांगजनों ने सहायक उपकरणों के वितरण हेतु एक विशाल कैम्प का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओ.आई. बॉबी सिंह, माननीय मुख्यमंत्री, मणिपुर थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री थावरचंद गहलोत, माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने की। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री एम.आर्केन्द्रो, माननीय शिक्षामंत्री मणिपुर तथा कु. ए.के. मीराबाई देवी, माननीय समाज कल्याण मंत्री मणिपुर थे। करीब 971 लाभार्थियों को 2055 से ज्यादा उपकर्ण वितरित किए गये।

प्रमुख प्रदर्शनियाँ

12–13 अप्रैल, 2014 को विद्यासागर, चेन्नई द्वारा आयोजित प्रदर्शनी तथा बिक्री मेले में एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने प्रतिभाग किया।

- 17–19 नवंबर, 2014 को प्रेस इनफोर्मेशन ब्यूरो द्वारा आयोजित, भारत निर्माण पब्लिक इनफोर्मेशन कैम्पेन में एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने प्रतिभाग किया। श्री एन. रंगासामी, माननीय मुख्यमंत्री, पुदुच्चेरी ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

सामान्य परिषद् की बैठक

- एनआईईपीएमडी की सामान्य परिषद् (जीसी) की आठवीं बैठक 15 दिसम्बर 2014 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में अध्यक्षा श्रीमती स्तुति कक्कड़, आईएएस, सचिव विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। परिषद् के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

अध्याय - 1

प्रस्तावना

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार निःशक्तजनों कें सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहा है। मंत्रालय देष के विभिन्न भागों में स्थित राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से निःशक्त जनों के लिए सेवाएँ प्रदान कर रहा है। जिनमें सेवा प्रदान करने के मॉडल विकसित करना, जागरूकता फैलाना, मानव संसाधन विकास कार्यक्रम चलाना, शोध एवं विकास कार्य करना, सहायक उपकरण प्रदान करना तथा निःशक्तजनों को रोजगार प्रदान करना आदि कार्य शामिल है। सन् 1980 में संयुक्त राष्ट्र ने विकलांगता दषक (1982–1992) घोषित किया, इसी दौरान अधिकतर राष्ट्रीय संस्थानों की शुरूआत की गई। शुरूआत में स्थापित ये राष्ट्रीय संस्थान एकल विकलांगता वर्ग में कार्य कर रहे थे। 1993 से 2002 के दशक को विकलांगजनों का एशिया पेसेफिक दशक घोषित किया गया। जिसका विस्तार कर के 2003 से 2013 के दशक को भी विकलांगजनों का एशिया पेसेफिक दषक घोषित किया गया।

इन दशकों में, भारत में निःशक्तजन अधिनियम, 1995 तथा राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 का क्रियान्वयन हुआ। राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के क्रियान्वयन के पश्चात् बहुविकलांगता पर ध्यान दिया जाने लगा। जिसके फलस्वरूप बहुविकलांगजनों के सशक्तिकरण के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय संस्थान की शुरूआत करने की आवश्यकता महसूस हुई। उपरोक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सन् 2005 में राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एन.आई.इ.पी.एम.डी.) की स्थापना की गई। यह संस्थान मुट्टुक्काडु, चेन्नई स्थित एवम् प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पूर्वी समुद्रतर मार्ग (इ.सी.आर.) पर स्थित है जो कि चेन्नई सैंट्रल रेलवे स्टेशन से 35 कि.मी. की दूरी पर है। 2005 में शुरूआत के बाद से ही संस्थान एकल तथा बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए अपनी बहुआयामी टीम मॉडल के माध्यम से वाह्य-दिवसीय-देख-रेख आधारित सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इसके अलावा कुटीर (कॉटेज) तथा विस्तार सेवाओं के माध्यम से भी सेवाएँ दी जा रही हैं।

भारत की जनगणना, 2011 से आठ तरह की विकलांगताओं को शामिल कर आंकड़े तैयार किए गए। जिनमें पहली बार बहुविकलांगता को स्थान दिया गया। इन आंकड़ों से देष में बहुविकलांगता की

व्यापकता का पता चला तथा एन.आई.इ.पी.एम.डी. को भी समाज के इस वर्ग के लिए पुनर्वास सेवाओं के योजना निर्माण में एक सकारात्मक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विकलांगता पर जनगणना 2011 के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि भारत में 2.68 करोड़ व्यक्ति विकलांगता से प्रभावित हैं जो कि कुल जनसंख्या का 2.21 प्रतिशत है, इनमें से 21.16 लाख व्यक्ति बहुविकलांगता से प्रभावित है। हमारा उद्देश्य विकलांगजनों के समस्त मानवाधिकारों को संरक्षित करना है। विशेषकर उन्हें जिनको गहन सहायता की आवश्यकता हो, उदाहरणत् बहुविकलांग व्यक्ति।

स्न 2014–2015 में इनचियोन कार्यनीति (अधिकारों को साकार करना) को ध्यान में रखकर बहुविकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक कार्यों की शुरूआत की गई। इनचियोन कार्यनीति में वर्णित सभी दस उद्देश्यों को सिद्धांतिक दिशा–निर्देश मानते हुए पूरे वर्ष अनेकों तरह के कार्यक्रम चलाए गए।

मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों के अतंर्गत डिप्लोमा से लेकर एम.फिल. तक के छह अलग–अलग कोर्सेज में 109 विद्यार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। 16 से 18 जनवरी, 2015 के बीच डिप्लोमा विशेष शिक्षा प्रशिक्षणार्थियों के लिए द्वितीय राष्ट्र स्तरीय खेलों का आयोजन एन.आइ.इ.पी.एम. डी. तथा तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय, चेन्नई में आयोजित किए गए। श्री डब्लू. आई. देवाराम, आई.पी.एस., सेवानिवृत डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस तथा अध्यक्ष तमिलनाडु एथलेटिक संघ इस राष्ट्रीय खेल आयोजन के मुख्य अतिथि थे।

सन् 2014–15 में देष के विभिन्न दूर दराज के भागों में विकलांगजनों के लिए सेवाएँ प्रदान करने हेतु विशेष प्रयास किए गए। इसी के तहत लक्षद्वीप प्रशासन के कर्मचारियों के लिए त्रैमासिक क्षमता वर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी वर्ष में संस्थान द्वारा छहः शोध प्रोजेक्ट्स पूरे किए गए।

एक विशेष पहल के तहत अनेक सेवाप्रदाता एर्जेसियों के साथ सहयोगपूर्ण कार्यों की शुरूआत की गई। डा. निशिथ राय, कुलपति, डा. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय ने 2 मई 2014 को एन. आई.इ.पी.एम.डी. का भ्रमण किया तथा संस्थान को उत्कृष्ट केन्द्र घोषित किए जाने का समर्थन किया। 25 अगस्त 2014 को श्रीमती उमादेवी, माननीय मंत्री महिला एवं बाल विकास, उड़ीसा सरकार तथा श्रीमती कस्थुई महापात्रा, राज्य निशक्ता आयुक्त, उड़ीसा सरकार ने क्षेत्रिय पुनर्वास केन्द्र, भुवनेश्वर की स्थापना के लिए एन.आई.इ.पी.एम.डी. का भ्रमण किया।

बहुविकलांगता पर अधिकतम सूचना प्रसार के लिए किताबों, जागरूकता सामग्रियों तथा विवरणीकाओं आदि का विकास किया गया इसके तहत –

1. बधिरांधता विषय पर पुस्तक
2. बहुविकलांगता विषय पर स्मारिका
3. श्रवणयंत्र पर आधारित पुस्तिका
4. आसामीस भाषा में बहुविकलांगता विषय पर पुस्तिका आदि शामिल हैं

चिह्नित निशक्त जनों (जनगणना 2011) में से बहुविकलांग जनसंख्या के विस्तार को देखते हुए पूरे देश में दुर्गम स्थानों पर रह रहे लाभार्थियों के लिए विशेष अभियान चलाए गए। संस्थान के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित स्थानों पर एक्सटेंशन केन्द्रों की स्थापना की गई।

1. वानगरम, तमिलनाडु
2. अन्नानगर, तमिलनाडु
3. आई.सी.एफ., तमिलनाडु
4. मेहत्व, तमिलनाडु
5. गूड्लूर, तमिलनाडु
6. बद्राचलम, तेलुङ्गाना
7. त्रिपुरा, अगरतला
8. गंगटोक, सिक्किम
9. इम्फाल, मणिपुर

सन् 2014 के अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र की थीम ''सतत् विकास : तकनीकि की प्रतिबद्धता'' को साकार करने के लिए कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीयल (CII), टी. एन.पी.सी., चेन्नई के संयुक्त तत्वाधान में सहायक तथा पुनर्वास तकनीकि पर 22 अगस्त, 2014 को

एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी प्रकार रामकृष्ण मिशन विश्वविद्यालय कोयम्बटूर के संयुक्त तत्वाधान में 6 एवं 7 फरवरी 2015 को ''निशक्तजनों के पूर्ण समावेशन के लिए शिक्षा एवं खेल में सहायक तकनीकि'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

29 जनवरी 2015 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता पर संसद की स्टेंडिंग समिति ने श्री रमेश की अध्यक्षमता में अन्य राज्यसभा एवं लोकसभा सदस्यों के साथ एन.आई.इ.पी.एम.डी. का भ्रमण किया तथा बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा की। इसी प्रकार प्रस्तावित निःशक्त जन अधिकार बिल (Rights of Persons with Disability Bill) में संशोधनों की आवश्यकता पर चेन्नई में विभिन्न सेवा प्रदाताओं के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बहुविकलांग व्यक्तियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के क्रम में एन.आई.इ.पी.एम.डी. के प्रांगण में एक हाइड्रोथैरेपी पूल तथा एथलेटिक ट्रेक का शिलान्यास माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री थावरचंद गहलोत के करकमलों द्वारा किया गया। स्वच्छ भारत अभियान को सशक्त करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तर पूर्वी राज्यों में निशक्तजनों के लिए सेवाओं को पहुंचाने के क्रम में एन.आई.इ.पी.एम.डी. ने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जैसे निशक्तजनों के लिए खेल समारोह, कार्यशालाएँ, एडिप कैम्प, जागरूकता कार्यक्रम, पुनर्वास व्यवसायिकों के लिए व्यवसायिक कार्यक्रम, सिक्किम, आसाम, मेघालय, त्रिपुरा, अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर तथा मिज़ोरम में फिल्म समारोह का आयोजन एवं सिक्किम तथा मणिपुर में विस्तार केन्द्रों की स्थापना की गई।

अध्याय – 2

संगठनात्मक संरचना

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान एक स्वायत्त संस्था है जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजे एवं ई), भारत सरकार के अधीन तमिलनाडु संस्था पंजीकरण अधिनियम 1975 (1975 का तमिलनाडु अधिनियम 27) के अन्तर्गत पंजीकृत है जिसकी पंजीकरण संख्या : 59/2006 दिनांक 23 अक्टूबर, 2006 है।

सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की आम परिषद् (जीसी) के अध्यक्ष हैं और संयुक्त सचिव (विकलांगता प्रभाग) कार्यकारिणी समिति (ईसी) के अध्यक्ष हैं। निदेशक, एनआईईपीएमडी, जी सी और ई सी के मार्गदर्शन के अधीन संस्थान के कार्यकलापों को कार्यान्वित करते हैं।

2.1 आम परिषद् : यह परिषद् इस संस्थान के समूचे प्रबन्धन का मार्गदर्शन करती है और मॉनिटर करती है। इस प्रतिवेदित कालावधि के दौरान यह परिषद् सम्मेलन कक्ष, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, में 15 दिसंबर 2014 को मिली। सदस्यों का विवरण निम्नलिखित है।

सारणी 1 : जी सी सदस्यों की सूची

क्र. स.	नाम
01	सचिव, भारत सरकार, डीडीए, एमएसजे & ई (अध्यक्ष)
02	संयुक्त सचिव भारत सरकार, डीडीए, एमएसजे & ई (सदस्य)
03	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,एमएसजे & ई (सदस्य)
04	निदेशक, आईएफडी (सदस्य)
05	महानिदेशक, नियुक्ति & प्रशिक्षण, श्रम मंत्रालय
06	अध्यक्ष, आरसीई (सदस्य)
07	अध्यक्ष, राष्ट्रीय ट्रस्ट (सदस्य)
08	श्री अमिताभ मेहरोत्रा (सदस्य)
09	डॉ. एस.एस. बद्रीनाथ, शंकर नेत्रालय (सदस्य)
10	श्री ए. बालराज (सदस्य)
11	सुश्री नन्दिता गुर्जार, इन्फोसिस (सदस्य)
12	श्री एन. थामस निगुलि (सदस्य)
13	श्री राजेन्द्रन, तिरूच्चिराप्पल्ली (सदस्य)
14	श्रीमती वत्सला ईश्वर, बंगूलर (अध्यक्ष)
15	श्री ए महेन्द्रन, चैन्ने (सदस्य)
16	डॉ. कल्याण कृष्णन,आईआईटी, चेन्नै (सदस्य)
17	महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, एमहेचएफडब्ल्यू (सदस्य)
18	प्रधान सचिव, समाज कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार (सदस्य)
19	प्रधान सचिव & निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएँ, तमिलनाडु सरकार (सदस्य)
20	संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (सदस्य)
21	निदेशक, एओईजेएनआईहेचहेच (सदस्य)
22	निदेशक, एनआईएमहेच (सदस्य)
23	निदेशक, एनआईवीहेच (सदस्य)
24	निदेशक, एनआईओहेच (सदस्य)
25	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी (सदस्य सचिव)

आम परिषद् की भूमिका और क्रियाकलापः

i. वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार करना।

ii. पिछले वर्ष की तुलनात्मक और लेखापरीक्षित लेखा पर विचार करना।

iii. अनुवर्ती वर्ष के वार्षिक प्रस्तावों की प्राप्ति और विचार।

iv. ऐसे अन्य मामले या वे मामले जिनका निर्देश अध्यक्ष करें।

v. आम परिषद् के अध्यक्ष सभी बैठकों की अध्यक्षकता ग्रहण करेंगें और अन्य मामलों के संदर्भ में अपने विचार पर ध्यान देने हेतु कार्यकारिणी समिति को प्रस्तावित करेंगें; जिनपर विचार करना आवश्यक हो।

2.2 कार्यकारिणी परिषद् :

कार्यकारिणी परिषद् संस्थान के मामलों के प्रबन्धन और प्रशासन का उत्तरदायित्व रखती है जो आम परिषद् के सामान्य नियंत्रण और निर्देशन के अधीन आती है। उसको दिये गये अन्य कार्य हैं।

i. संस्थान के प्रयोजन के लिए विस्तृत नीति बनाकर उसका कार्यान्वयन करना।

ii. बजट आकलन का पुनरीक्षण करके उस पर संस्तुति देना।

iii. वित्तीय उपविधियों में निर्धारित व्यय का अनुमोदन करना।

iv. अनुमोदित नियम व शर्तों पर विचार करना

v. नये पदों को बनाना और कर्मचारियों को भर्ती करना तथा नियुक्त करना।

इस प्रतिवेदित काल के परिषद् 15.07.14, 16.10.14 और 21.12.14 को मिली। सदस्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः–

सारणी 2 : ई सी सदस्यों की सूची

क्र. स.	नाम
01	संयुक्त सचिव, भारत सरकार, डीडीए, एमएसजे & ई (अध्यक्ष)
02	संयुक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, (सदस्य)
03	उप सचिव (एनआईएस & डीडी–I) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (सदस्य)
04	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी (सदस्य सचिव)

2.3 शैक्षिक समिति :

शैक्षिक समिति; संस्थान द्वारा लिये जानेवाले प्रशिक्षण, अनुसंधान और पुनर्वास कार्यक्रमों पर सलाह और मार्गदर्शन देती है। समिति के अध्यक्ष डॉ. रत्ना, भूतपूर्व निदेशक, ए.आई.आई.एस.एच हैं और पुनर्वास के क्षेत्र के अन्य विशेषज्ञ भी हैं। समिति के सदस्यों की बनावट नीचे दी गयी है।

सारणी 3 : शैक्षिक समिति के सदस्यों की सूची

क्र. स.	नाम
01	डॉ. रत्ना, भूतपूर्व निदेशक, एआईआईएसएचच (अध्यक्ष)
02	डॉ. ए.के. मित्तल, भूतपूर्व क्षेत्रीय निदेशक, एनआईवीहेच (सदस्य)
03	प्रो. पी. जयचन्द्रन, निदेशक, विजय मानव सेवाएँ (सदस्य)
04	डॉ. विजयलक्ष्मी रेड्डी, प्रवक्ता, विशेष शिक्षा, एनआईएमहेच (सदस्य)
05	श्री अखिल पाल निदेशक, सेन्स इन्टरनेशनल (सदस्य)
06	सिस्टर (डॉ.) रीटा मेरी, गाइडन्स होम फॉर दि अडल्ट डेफ गर्ल्स (सदस्य)
07	डॉ. करूणानिधि, विभागाध्यक्ष (मनोविज्ञान), मद्रास विश्वविद्यालय (सदस्य)
08	प्रो. रूपा नागराजा, विभागाध्यक्षा, वाणी व श्रवण विभाग रामचन्द्र मेडिकल कॉलेज (सदस्य)
09	डॉ. पुरूषोत्तम, फ्रीलन्स साईकोलिंग्विस्टिक्स (सदस्य)
10	प्रो रंगस्वामी, प्राचार्य और समन्वयक, स्वीकार – उपकार पुनर्वास संस्थान (सदस्य)
11	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी (सदस्य)

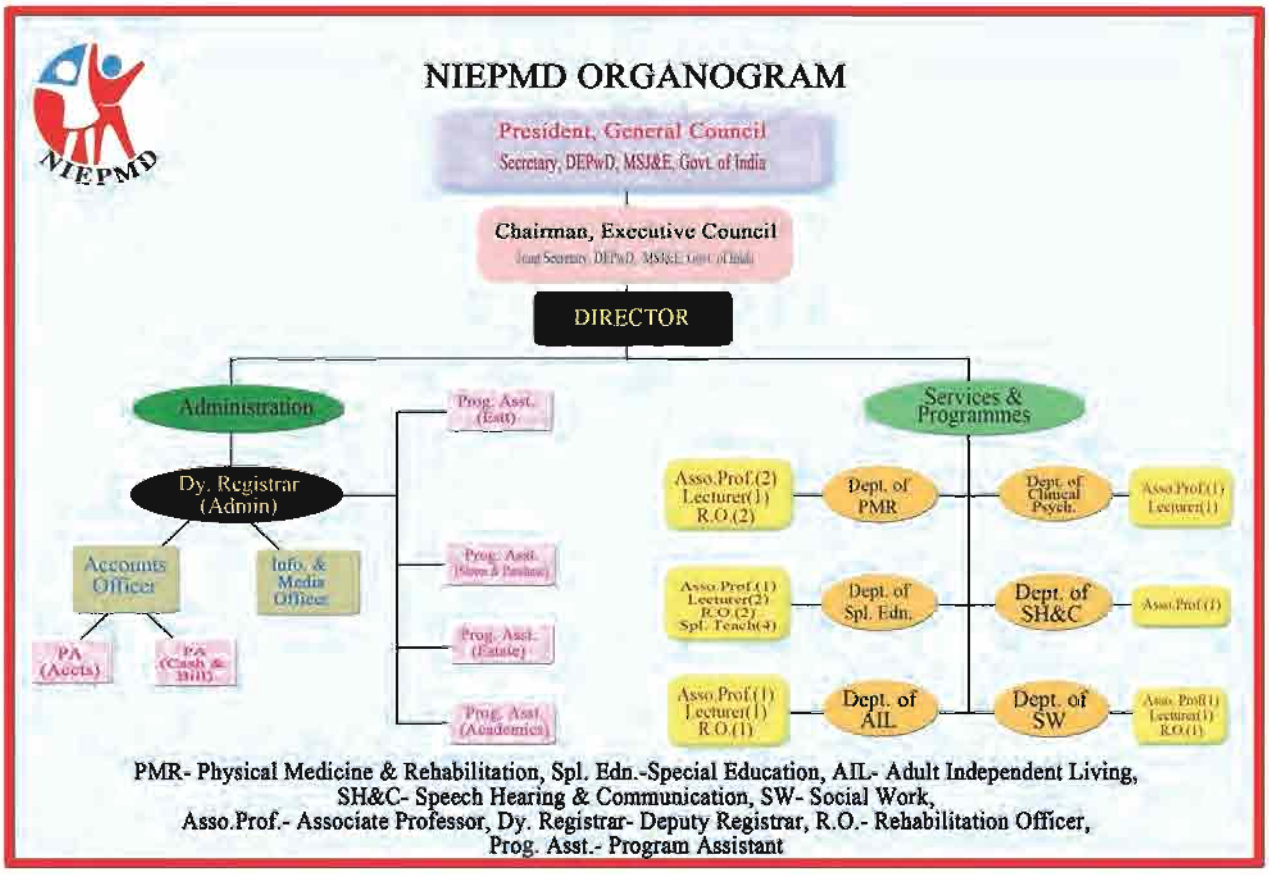

PMR- Physical Medicine & Rehabilitation, Spl. Edn.-Special Education, AIL- Adult Independent Living,
SH&C- Speech Hearing & Communication, SW- Social Work,
Asso.Prof.- Associate Professor, Dy. Registrar- Deputy Registrar, R.O.- Rehabilitation Officer,
Prog. Asst.- Program Assistant

अध्याय – 3

मानव संसाधन विकास

एनआईईपीएमडी बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए काम करनेवाला एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र है, जो निःशक्तजनों के सशक्तीकरण एवं विकास पर कार्य कर सकने वाली मानव संसाधनों के विकास पर अधिक ध्यान देती है। 2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान एक एम.फिल., एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एक डिग्री और तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम एनआईईपीएमडी में संचालित किये गये।

मानव संसाधनों के विकास का स्तर बढ़ाने के लिए एनआईईपीएमडी ने 2015–16 शैक्षिक वर्ष से 4) वर्ष की स्नातक डिग्री चलाने का प्रस्ताव दिया है और निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए तमिलनाडु डॉ. एमजीआर विश्वविद्यालय की संबद्धता के लिए आवेदन प्रस्तुत कर दिया है।

सारणी 4 : 2015–16 वर्श के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	कालावधि	अन्तर्ग्रहण
1.	व्यावसायिक चिकित्सा स्नातक (बीओटी)	4½ वर्ष	25
2.	शारीरिक चिकित्सा स्नातक (बीपीटी)	4½ वर्ष	25
3.	श्रव्य विज्ञान और वाणी भाषा रोगी विज्ञान (बीएएसएलपी) का स्नातक	4 वर्ष	25

3.1 दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :

बहुविकलांग व्यक्तियों की आवष्यकताओं की पूर्ति करने के लिए, 2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान एनआईईपीएमडी में निम्नलिखित दीर्घकालीन पाठ्यक्रम दिये गये।

सारणी 5 : दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कालावधि	संस्वीकृत अन्दर्ग्रहण	प्राप्त आवेदनों की संख्या	भर्ती किये गये छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या/सफलता %
1.	एम.फिल. (चिकित्सात्मक मनोविज्ञान)	02 वर्ष	04	27	04	अगस्त 2015 में प्रथम वर्ष की परीक्षा देंगें
2.	शीघ्र हस्तक्षेप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	01 वर्ष	25	11	04	जून 2015 में अन्तिम वर्ष की परीक्षा देंगें।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कालावधि	संस्वीकृत अन्दर्ग्रहण	प्राप्त आवेदनों की संख्या	भर्ती किये गये छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या/सफलता %
मद्रास विश्वविद्यालय से संबंद्ध						
3.	विशेष शिक्षा में स्नातक डिग्री (बहुविकलांग)	1 वर्ष	20	45	20	परिणाम की प्रतीक्षा है
तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय से संबंद्ध						
4.	शिक्षा में डिप्लोमा – विशेष शिक्षा (आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था)	02 वर्ष	31	98	29	जून 2015 में अन्तिम वर्ष की परीक्षा देंगे।
5.	शिक्षा में डिप्लोमा – विशेष शिक्षा (प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात)	2 वर्ष	31		09	जून 2015 में अन्तिम वर्ष की परीक्षा देंगे।
6.	शिक्षा में डिप्लोमा – विशेष शिक्षा (बधिरांध)	2 वर्ष	31		08	जून 2015 में अन्तिम वर्ष की परीक्षा देंगे।

प्रवेश प्रक्रिया:

अभ्यास सत्र के समय लाभार्थियों के साथ प्रशिणार्थी

2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान, एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान), पीजीडीईआई, बी.एड. विशेष शिक्षा (एम.डी.) और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की अधिसूचना दैनिक समाचार पत्रों (जैसे दि हिन्दु व दिनत्तन्दि) में 18 मई 2015 को प्रवेश के लिए दी गयी। प्रवेश की अधिसूचना एनआईई पीएमडी की वेबसाइट में भी दी गयी। डिप्लोमा के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गयी और योग्य छात्रों को 10 जुलाई 2014 को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया और अस्थाई रूप से चयनित छात्रों को 14 जुलाई 2014 के दिन या पहले प्रवेश पाने का अनुदेश दिया गया।

बी.एड. विशेष शिक्षा के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गयी और चयनित छात्रों को लिखित परीक्षा/साक्षात्कार के लिए 22.07.2014 को बुलाया गया। लिखित परीक्षा में आये बारह छात्रों में से छः विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। समिति ने 2014–16 शैक्षिक वर्ष के लिए एम.फिल. चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रवेश के लिए चार विद्यार्थियों को चुना। अस्थाई रूप से चयनित छात्रों को 28 जुलाई 2014 के दिन या उससे पूर्व प्रवेश पाने का अनुदेश दिया गया।

विशेश पाठशाला में लाभार्थियों को प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित करते हुए

सारणी 6 : डिग्री, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश मापदण्ड

प्रवेश मापदण्ड	बी.एड. विशेष शिक्षा (एम.डी.)	एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान व पीजी डिप्लोमा)	डिप्लोमा
योग्यता परीक्षा में प्राप्तांक	60 अंक	60 अंक	50 अंक
ग्राम्य	05 अंक	05 अंक	05 अंक
उच्चतर योग्यता	05 अंक	05 अंक	10 अंक
अनुभव (न्यूनतम 2 वर्ष)	05 अंक	05 अंक	05 अंक
निःशक्तजनों के अभिभावक/सहोदर/संतानें	05 अंक	05 अंक	10 अंक
साक्षात्कार	20 अंक	20 अंक	20 अंक
कुल	100 अंक	100 अंक	100 अंक

एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान) के लिए : स्नातकोत्तर डिग्री में, प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त औसत अंक।

सीट आरक्षण :

भारत सरकार की नीति के अनुसार हर संवर्ग के सीटों का आरक्षण डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में अपनाया गया और एम.फिल. (चिकित्सा विज्ञान), बी.एड. विशेष शिक्षा (एम.डी.) और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में मद्रास विश्वविद्यालय के मानदण्ड अपनाये गये।

छात्रों के चयन के लिए नामित सदस्य :

एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान), पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा पाठ्यक्रम :

1. डॉ. (श्रीमती) नीरदा चन्द्रमोहन – निदेशक, एनआईईपीएमडी
2. श्री एस. शंकर नारायणन, उप कुल सचिव (प्रशासन)
3. प्रो. गीता मेनन, क्षेत्र विशेषज्ञ – चिकित्सा मनोविज्ञान
4. डॉ. सी.एन. रामगोपाल, परामर्शदाता – चिकित्सा मनोविज्ञान
5. डॉ. (श्रीमती) सेल्वी, सहायक प्राध्यापक, आईएएसई क्षेत्र विशेषज्ञ (विशेष शिक्षा)
6. सुश्री कलुशा, क्षेत्र विशेषज्ञ – एएसडी
7. प्रो. विमला, क्षेत्र विशेषज्ञ – सीपी
8. प्रो. (सिस्टर) रीटा मेरी, क्षेत्र विशेषज्ञ – बधिरांध
9. डॉ. जे विजयलक्ष्मी, प्रवक्ता (एमएस)
10. डॉ. विजय शंकर शर्मा, सह आचार्य (विशेष शिक्षा)
11. श्री पी. कामराज, प्रवक्ता, विशेष शिक्षा
12. श्री राजेश रामचन्द्रन; आरओ (एस व पी)
13. श्रीमती आई.जी. अनुसूया, आर.ओ. (विशेष शिक्षा)
14. श्री एस. कार्तिकेयन, प्रवक्ता (चिकित्सा मनोविज्ञान)
15. श्री बी.एस. सन्तोष कन्ना, प्रवक्ता, एनआईईपीएमडी

भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली ने प्रत्येक डिप्लोमा में 25 छात्रों को प्रवेश देने की स्वीकृति दी है। केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2008 के अनुसार मौजूदा अनारक्षित सीटों में परिवर्तन न करके सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त 6 सीटें 2011–12 वर्ष से जोड़ी गयी हैं।

सारणी 7 : भर्ती वितरण

क्रम स.	पाठ्यक्रम	डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में संस्वीकृत भर्ती	भर्ती वितरण						भरी गयी सीटें
			एससी	एसटी	पीएच	एमबीसी	बीसी / ओबीसी	अनारक्षित	
1.	डी.एड्. विशेष शिक्षा (सीपी)	25+6	04	02	01	—	6+6	12	09
2.	डी.एड्. विशेष शिक्षा (डीबी)	25+6	04	02	01	—	6+6	12	08
3.	डी.एड्. विशेष शिक्षा (एएसडी)	25+6	04	02	01	—	6+6	12	29
4.	एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान	04	01	—	—	01	01	01	04
5.	बी.एड्. विशेष शिक्षा (एमडी)	20	03	01	—	04	06	06	20
6.	पीजीडीईआई	15	01	01	—	02	03	03	04

सारणी 8 : 2014–15 वर्श के लिए शुल्क और अन्य अमानतें

विवरण	एम.फिल. (चिकित्सा मनोविज्ञान)		बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	पीजी डिप्लोमा	डीएड विशेष शिक्षा (एएसडी/सीपी/डीबी) रूपये	
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
शिक्षण शुल्क	20000	20000	10000	10000	5000	5000
प्रयोगशाला शुल्क	30000	30000	12600	5500	0	0
छात्रों के कार्यकलाप/ सांस्कृतिक मनोरंजन	0	0	2500	1000	2500	2500
अवधान जमानत (प्रत्यर्पणीय)	2000	0	500	2000	500	0
हैण्डआउट/सामग्रियाँ/पंचांग शुल्क	8000	8000	11600	1000	500	1000
सत्र मध्य/लेखन सामग्री शुल्क	1000	1000	500	200	200	250
चिकित्सा परीक्षण शुल्क	250	250	250	250	250	250
पहचान पत्र शुल्क	50	0	50	50	50	0
पुस्तकालय	4000	4000	2000	0	1000	1000
कुल	65300	63250	40000	20000	10000	10000

एनआईईपीएमडी में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम दिये गये। विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए विभिन्न उपकरण और अलग सहायता का प्रावधान किया गया है। 2014–15 वर्ष में निम्नलिखित विशेष आवश्यकता वाले छात्र भर्ती किये गयेः

सारणी 9 : 2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान दीर्घ कालीन पाठ्यक्रमों में भर्ती हुए विशेष आवष्यकता वाले छात्र

क्रम सं.	छात्र का नाम	पढ़ा गया पाठ्यक्रम	संवर्ग
1.	अमीर खालिद	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	विकलांग अक्षमता
2.	मेरी क्रिस्टीन	डी.एड. विशेष शिक्षा (डीबी)	विकलांग अक्षमता
3.	वेलू के.	डी.एड. विशेष शिक्षा (डीबी)	दृष्टि विकृति
4.	प्रियंका वी.	डी.एड. विशेष शिक्षा (डीबी)	विकलांग अक्षमता

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों की दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों में भर्ती होने का मौका दिया गया ताकि अपनी संतान की सेवा करने पर ध्यान रखें। 2014–15 में दीर्घकालीन पाठ्यक्रम के लाभार्थी अभिभावकों का विवरण निम्न प्रकार से हैः

सारणी 10 : 2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान
दीर्घ कालीन पाठ्यक्रमों में भर्ती हुए अभिभावक/संतानें

क्रम सं.	छात्र का नाम	पढ़ा गया पाठ्यक्रम	संवर्ग
1.	स्मिता एन.	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	आत्म विमोह का बच्चा है।
2.	सत्यभामा बी.	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	आत्मविमोह के दो बच्चे है।
3.	देविका के.	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	विकलांग अक्षम माता है।
4.	वानबैत टँग	डी.एड. विशेष शिक्षा (सीपी)	निम्न दृष्टि का एक भाई और एक बहन है।

सारणी 11 : बहुविकलांग व्यक्तियों के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सैक्टर योजना के अधीन अनुसूचितजाति के छात्रों के लिए उच्च वर्ग शिक्षा देने की सिफारिश प्राप्त छात्रों की सूची

क्रम सं.	छात्र का नाम	पढ़ा गया पाठ्यक्रम	संवर्ग
1.	प्रभाकरन टी.	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	जनजाति के लिए उच्च वर्ग शिक्षा के छात्र केन्द्रीय सेक्टार योजना
2.	श्यामला एस.	बी.एड. विशेष शिक्षा (एमडी)	
3.	रम्या वी.	डी.एड. विशेष शिक्षा (एएसडी)	

3.2 अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमः

एनआईईपीएमडी अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जिसमें सतत पुनर्वास कार्यक्रम (सीआरई), कार्यशालाएँ सम्मेलन, दिग्विन्यास व सुग्राहीकरण कार्यक्रम आदि शामिल हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों के अधिकारियों को दिग्विन्यास कराने के रूप में बनाये गये हैं और देश भर में पुनर्वास तथा संबंधित पेशेवरों को ज्ञान का आधुनिकीकरण दिलाने के लिए बनाये गये हैं। सारे अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिशद्, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

दृष्टिबाधित छात्राओं में व्यक्तित्व विकास और गहन क्षमता पर कार्यशाला

2014–15 वर्ष के दौरान इस संस्थान ने 348 कार्यक्रम आयोजित किये हैं, जिनमें पुनर्वास क्षेत्र में पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, अभिभावकों, शिक्षकों तथा छात्रों (साधारण छात्रों) के लिए दिग्विन्यास और बोध कार्यक्रम शामिल हैं। कुल 15207 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

सारणी 12 : 2014–15 वर्ष के दौरान चलाये गये अल्पकालीन/दिग्विन्यास/अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या	
		2013–14	2014–15
1.	अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	6930	8145
2.	दिग्विन्यास एवं बोध कार्यक्रम	2344	5634
3.	अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	586	1428
	कुल	9860	15207

उपरलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट–1 (पृष्ठ सं 1) में दिये गये हैं।

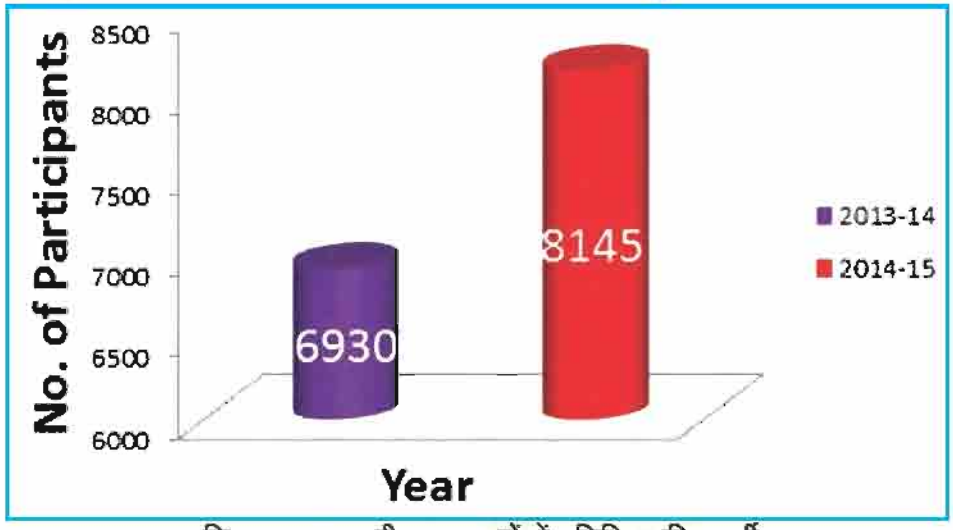

चित्र 1 : अल्पकालीन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थी

एनआईईपीएमडी, चेन्नै में विकलांग बच्चों की बढ़ती सुरक्षा पर प्रान्तीय स्तर का परामर्श

कोलकाता में बहुविकासशील विकलांगों और स्वलीनता के लिए अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.3 कार्यशालाओं / सम्मेलनों / संगोष्ठियों में शिक्षकगणों / अधिकारियों की सहभागिता

पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाने के अलावा यह संस्थान एनआईईपीएमडी के अपने शिक्षकों को अपने ज्ञान के आधुनिकीकरण के लिए देश के विभिन्न भागों में चलाये जानेवाले विभिन्न सम्मेलनों / कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का बढ़ावा भी देता है और सहयोग करता है। शिक्षक सदस्यों की सूची जिन्होंने कार्यशालाओं / सम्मेलनों / संगोष्ठियों में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किये, वह परिशिष्ट–2 (पृष्ठ सं. xiii) में दी गयी है

सहायक और पुनर्वास तकनीकियों पर सम्मेलन के दौरान डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी, विषय प्रवेश का भाषण दे रही हैं।

कोयम्बटूर में विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण समावेश के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

अध्याय – 4

सेवाएँ

सेवाएँ:

बहुविकलांग तथा एकल विकलांग दोनों व्यक्तियों को और क्षति के साथ आनेवाले आश्रित व्यक्तियों को उचित पुनर्वास सेवाओं का प्रावधान करना एनआईईपीएमडी के प्रधान कार्यों में एक है। पुनर्वास सेवा, समाज कल्याण विभाग की ओर से सेवा एवं कार्यक्रम अनुभाग द्वारा समन्वित की जाती है। सेवा एवं कार्यक्रम अनुभाग के दो सहायक अनुभाग हैं – पंजीकरण और व्यक्तिवृत्त लेनेवाली इकाई। पंजीकरण इकाई लाभार्थियों का पंजीकरण करती है और लाभार्थियों तथा आगन्तुकों को संस्थान के बारे में आवश्यक सूचनाएँ देती है। पंजीकरण इकाई बाहर से आनेवाले फोन–काल प्राप्त करती है और आम जनता को फोन द्वारा समय परियुक्ति देती है अन्य सूचनाएँ भी प्रदान करती हैं।

स्वागत कक्ष में लाभार्थी का पंजीकरण

व्यक्तिवृत्त लेना

व्यक्तिवृत्त लेनेवाली इकाई का प्रबन्ध पेशेवर सेवी द्वारा किया जाता है जहाँ समाजसेवी रोगियों को तथा उनके परिवार की विस्तृत प्रथम सूचना लेता है, जिसमें प्रसवपूर्व देखरेख, प्रसवोत्तर देखरेख, परिवार का इतिहास, विकासशील इतिहास, लिया गया प्रतिरक्षण, पाठशाला इतिहास और परिवार का गतिविज्ञान शामिल रहते हैं। यह इकाई एनआईईपीएमडी का शुलक रचना के अनुसार पंजीकरण शुल्क और अन्य सेवा शुल्क लेती है। एक बार व्यक्तिवृत्त लेने की प्रक्रिया पूरी हो जाए तो लाभार्थी को विशिष्ट निर्धारण और हस्तक्षेप के लिए अन्य विभागों में भेजा जाता है। सामान्य सेवाओं के अलावा, एनआईईपीएमडी हर महीने तंत्रिका संबंधी, मनोविज्ञान संबंधी तथा दन्त देखरेख की विशेष चिकित्साशालाएँ भी चलाता है। यह संस्था विकलांग व्यक्तियों को तंत्रिका संबंधी तथा मनोविकृति संबंधी औषधि भी देता है।

समाजसेवी द्वारा लाभार्थी का व्यक्तिवृत्त लिया जाना

2014–15 वर्ष में एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्र में 7979 लाभार्थियों का पंजीकरण हुआ। उनमें 2648 लोग बहुविकलांग थे औा 5331 लोग विभिन्न प्रकार के एकल विकलांग व्यक्ति पंजीकृत हुए। और 56556 लाभार्थियों ने एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्र में विभिन्न पुनर्वास सेवाएँ (अनुवर्ती) प्राप्त कीं। उन लाभार्थियों में 37820 बहुविकलांग व्यक्ति थे और 18736 एकल विकलांग व्यक्ति थे। चूंकि एनआईईपीएमडी बहुविकलांग व्यक्तियों के पंजीकरण में किसी को भी न नकारने की नीति अपनाता है, सभी प्रकार के विकलांग व्यक्तियों को पूंजीकृत करा लेता है।

सारणी 13 : 2014–15 के दौरान एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों में पंजीकृत नये लाभार्थी

क्रम स.	प्रकार	लाभार्थियों की संख्या					
		2013–14			2014–15		
		यूडी	एमडी	कुल	यूडी	एमडी	कुल
1.	केन्द्र	1029	382	1411	1977	534	2511
2.	विस्तार केन्द्र	2224	1526	3750	1617	930	2547
3.	मोबाइल सेवाएँ	2155	232	2387	1737	1184	2921
	कुल	5408	2140	7548	5331	2648	7979

चित्र 2 : पंजीकृत नये लाभार्थी

सारणी 14 : 2014–15 के दौरान एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों म अनुवर्ती सत्र

क्रम स.	प्रकार	लाभार्थियों की संख्या					
		2013–14			2014–15		
		यूडी	एमडी	कुल	यूडी	एमडी	कुल
1.	केन्द्र	10951	24490	35441	13404	34794	48198
2.	विस्तार केन्द्र	3950	2695	6645	5332	3026	8358
	कुल	14901	27185	42086	18736	37820	56556

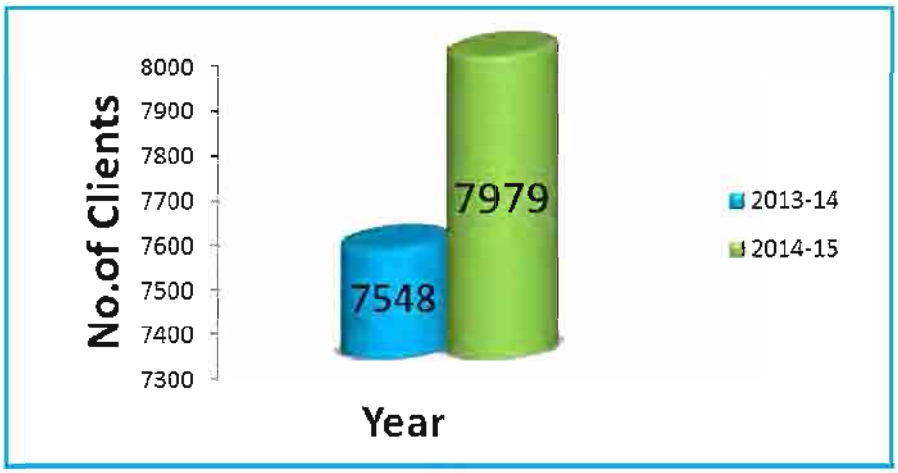

चित्र 2 : पंजीकृत नये लाभार्थी

सारणी 14 : 2014–15 के दौरान एनआईईपीएमडी और उसके विस्तार केन्द्रों में अनुवर्ती सत्र

क्रम स.	प्रकार	लाभार्थियों की संख्या					
		2013–14			2014–15		
		यूडी	एमडी	कुल	यूडी	एमडी	कुल
1.	केन्द्र	10951	24490	35441	13404	34794	48198
2.	विस्तार केन्द्र	3950	2695	6645	5332	3026	8358
	कुल	14901	27185	42086	18736	37820	56556

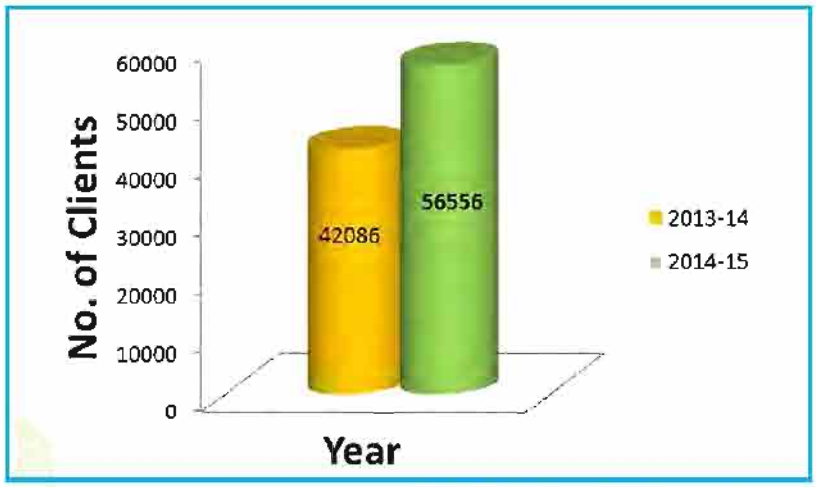

चित्र 3 : अनुवर्ती सत्र

सारणी 15 : एनआईईपीएमडी में पंजीकृत बहुविकलांगों का मिश्रण

01	सीपी + एमआर + वीआई + एचआई	26	एमआर + वीआई
02	सीपी + एमआर + एलवी + एसडी	27	एमआर + एचआई
03	सीपी + एमआर + एलवी + एचआई	28	एलडी + एचआई
04	सीपी + एचआई + वीआई + डीडी	29	एमआई + एचआई
05	सीपी + एमआर + एलवी	30	एमआई + सीपी
06	सीपी + एमआर + वीआई	31	सीपी + ओएच
07	सीपी + एमआर + एमआई	32	सीपी + वीआई
08	सीपी + एमआर + एचआई	33	सीपी + एलवी
09	सीपी + एचआई + एलवी	34	सीपी + एएसडी
10	सीपी + एलवी + डीडी	35	सीपी + एचआई
11	सीपी + वीआई + एचआई	36	सीपी + डीडी
12	एमआर + एएसडी + सीपी	37	एलवी + एमआई
13	एमआर + एलवी + एचआई	38	एलवी + एचआई
14	एमआर + एलवी + एएसडी	39	एलवी + पीडीडी
15	एमआर + एलवी + एचआई	40	एलवी + एएसडी
16	एमआर + एचआई + एमआई	41	एलवी + एलडी
17	एमआर + एचआई + एलवी	42	डीडी + एएसडी
18	एमआर + एलडी + डीडी	43	डीडी + वीआई
19	एमआर + एमआई + एचआई	44	डीडी + एलवी
20	एमआर + एलडी + एलवी	45	डीडी + एचआई
21	एमआर + एएसडी	46	वीआई + एचआई
22	एमआर + एमआई	47	एलडी + एमआई
23	एमआर + सीपी	48	एलडी + एचआई
24	एमआर + एलडी	49	एलडी + वीआई
25	एमआर + एलवी	50	डीबी

नोट : सीपी – प्रमिस्तिष्कीय पक्षाघात, एमआर – मानसिक मन्दता, वीआई – दृष्टि बाधिता, एचआई – श्रवण क्षति, एलवी – क्षीण दृष्टि, एएसडी – स्वलीन वर्णक्रम विकृति, एलडी – चलन अशक्तता, डीबी – बधिरांधता, एमआई – मानसिक रोग, पीडीडी – व्यापक विकासशील विकृति।

4.1 शारीरिक चिकित्सा पुनर्वास विभाग :

शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग बहुविकलांग व्यक्तियों में देखी जानेवाली विभिन्न अवस्थाओं का निदान करने का लक्ष्य रखता है। जब एकल विकलांग व्यक्तियों की परीक्षा की जाती है तब अन्य संबंधित अवस्थाएँ पायी जाती हैं। विचित्र प्रकार के संलक्षण आदि पहचानी गयी हैं। यह देखा गया है कि बहुविकलांग का कारण गुणसूत्रात्मक असामान्यताएँ और जननिक अनियमितताएँ हैं। बहुविकलांगता का एक कारण चयापचय का स्वाभाविक दोश भी है। फाब्रिस बीमारी, ग्लूकोरोनिक एसिडुरिया, ग्लू–टी की कमी इस वर्ष में आयी अनियमितता विरले रूप में देखी गयी है। जैसे मनोविज्ञान–चिकित्सा, तंत्रिका चिकित्सा नेत्र विज्ञान और दन्तन चिकित्सा जैसी विशेषज्ञता चिकित्साएँ हर महीने लगातार दी जा रही हैं। ये चिकित्सालय लाभार्थियों को अपनी समस्या सुलझा लेने में सहायता करते हैं। दो लाभार्थियों को अपने मूत्रीय अवरोधन और सीने में सूजन के लिए सरकारी अस्पतालों में शल्य चिकित्सा के लिए भेजा गया। एक लाभार्थी ने शंकर नेत्रालय में तुरन्त

निर्देशित किये जाने पर अपनी आँखों में रोशनी पायी, जो रोशनी एक घाव के कारण चली गयी थी। तंत्रिका कोशिकाप्रद का एक लाभार्थी ने सरकारी आम अस्पताल में मुफ्त जाँच पायी।

इस विभाग में निम्नलिखित इकाइयाँ आती हैं जैसे शीघ्र हस्तक्षेप, भौतिक चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, कृत्रिम अंग और ऋजु संबंधी इकाई। आवश्यक लाभार्थियों को प्रतिअपस्मारी और प्रतिमनोवैश्लेषित दवाइयाँ दी जाती हैं। दवाइयों का 10 प्रतिशत मूल्य वसूल किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित करें कि लाभार्थी नियमित रूप से दवाइयाँ लेते हैं। 2014–15 वर्ष के दौरान लाभ प्राप्त लाभार्थियों का विवरण निम्नलिखित है

सारणी 16 : नये लाभार्थी व अनुवर्ती लाभार्थी (पीएमआर)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
633	351	984	471	254	1709

सारणी 17 : 2014–15 वर्ष में विशेष चिकित्सा सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

विशेषता	नये लाभार्थी		कुल	अनुवर्ती सत्र		कुल	अवस्थाएँ
	पुरूष	स्त्री		पुरूष	स्त्री		
मनोविकृति विज्ञान	49	30	79	273	100	373	मंद तंत्रिका रोग, शियोफरेनिया और मनोग्रस्तीय बाध्यता अनियमितता
तंत्रिका विज्ञान	50	40	90	260	167	427	अपस्मार, मस्तिष्क अर्बुद, चयापचय का स्वाभाविक दोष और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात
दन्तन	27	30	57	122	77	199	केरीस और मसूड़ों में संदूषण
नेत्र चिकित्सा	20	20	40	26	35	61	मोतियाबिन्द, कार्निया में फूली, मंददृष्टिता, अपवर्तक दोष और प्रान्तस्था दृष्टि क्षति
औषधालय (दवाईयाँ देना)	67	17	84	2544	1105	3649	प्रति अपस्मार और मनोविकृति की दवाइयाँ
कुल	213	137	350	3225	1484	4709	

4.1.1 शीघ्र हस्तक्षेप इकाई:

शीघ्र हस्तक्षेप इकाई में निर्धारण के दौरान विकलांग बच्चों के अभिभावक

शीघ्र हस्तक्षेप इकाई तीन वर्ष की आयु से कम बहुविकलांग लाभार्थी की सेवायें करती है। बच्चों को विशेष कार्यकलाप दिये जाते हैं ताकि संज्ञानात्मकता, संवेदिक ज्ञान, भावात्मक और सामाजिक विकास और प्रेरक विकास आदि हो। संवेदिक ज्ञान उत्तेजन दृष्टि प्रशिक्षण से कम उमर के बच्चों की नेत्र–दृष्टि का विकास हुआ। तंत्रिका विकासात्मक चिकित्सा ने कई बच्चों को उनका प्रेरक लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता की। अभिभावकों को उनके बच्चों की रूद्धता के बिना खिलाने का प्रशिक्षण दिया गया। घर पर बच्चों के साथ काम करने के लिए अभिभावकों को टीएलएम की वस्तुएँ दी गयीं। इस इकाई में काम करनेवाला शीघ्र हस्तक्षेपकर्ता विभिन्न क्षमताएँ देकर अन्तर्विभागीय व्यक्ति का काम करता है। यह इकाई पीजीडीईआई के छात्रों के लिए एक अच्छी प्रयोगशाला भी है। 2014–15 वर्ष के लाभार्थियों का विवरण निम्नलिखित है:

सारणी 18 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (शीघ्र हस्तक्षेप)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
22	120	142	150	2159	2309

4.1.2 भौतिक चिकित्सा इकाई :

भौतिक चिकित्सा; विज्ञान में एक आधुनिक शाखा है। इस उपचार में निम्नलिखित तकनीकें शामिल हैं:

- उष्ण चिकित्सा : उष्ण के आधार पर उपचार
- जल चिकित्सा : जल के आधार पर उपचार
- शीत चिकित्सा : हिमांक के आधार पर उपचार
- बिजली चिकित्सा : बिजली के रूपों के आधार पर उपचार
- अभ्यास चिकित्सा : अभ्यास के आधार पर चिकित्सा जिसमें परिचालन और संग्रहण शामिल हैं

• हमारे संस्थान (एनआईईपीएमडी) में विकलांग लाभार्थियों को उपरलिखित चिकित्साएँ दी जाती हैं।

एनआईईपीएमडी में भौतिक चिकित्सा विभाग में मुख्य सेवा इकाइयाँ निम्नलिखित हैं:

1. तन्त्रिका विकासात्मक चिकित्सा
2. बिजली की चिकित्सा और चाल प्रशिक्षण
3. वास्तविक प्रशिक्षण
4. फुप्फुसीय पुनर्वास

तन्त्रिका विकासात्मक चिकित्सा : इस इकाई में लाभार्थियों को तन्त्रिका विकासात्मक उपगमन, वज़न उठाने का अभ्यास और खड़े होने का अभ्यास आदि उपचार दिये जाते हैं। यहाँ मस्तिष्क क्षतिवाले लाभार्थी को विशेष चिकित्सा कार्यक्रम प्रदान किया जाता है और उनकी प्रेरक क्रियाओं को पुनर्वास दिया जाता है।

बिजली की चिकित्सा और चाल : यहाँ पुनर्वास और दर्द प्रबन्धन के लिए चिकित्सीय रूपात्मकताएँ प्रयुक्त होती हैं। हस्तक्षेप के लिए विभिन्न आवृत्ति के उपकरण के क्रम विन्यास शामिल हैं। गेइट पुनर्वास भी चालू प्रशिक्षण क्षेत्र के साथ प्रदान किया जाता है जिसमें समानान्तर दण्ड, मुद्रा आइना, ट्रेडमील, स्थिर पैरगाड़ी और एर्गोमीटर आदि शामिल हैं।

वास्तविक प्रशिक्षण : वास्तविक प्रशिक्षण वास्तविक वातावरण के साथ प्रदान किया जाता है जिसमें वास्तविक माध्यम में लाभार्थी एक प्रतिभागी होता है। ऐसे कार्यक्रम द्वारा पुनर्वास के लक्ष्य तक पहुँचा जाता है।

फुप्फुसीय पुनर्वास : श्वसन समस्याओं के लाभार्थियों के लिए फुप्फुसीय पुनर्वास का प्रावधान किया जाता है। लाभार्थियों को पुनर्वास कार्यक्रमों का प्रावधान इसलिए किया जाता है जिससे वे अपनी संवातक क्रिया बढ़ा सके। कुछ प्रकार की स्थितियों में भौतिक चिकित्सा भी विशेष परीक्षाओं के साथ अपना निजी निदान करने का तरीका रखती है। हम भी उनकी उवस्थाओं के अनुसार लाभार्थियों को उनके आवश्यक अपनाने योग्य उपकरणों और गृह कार्यक्रमों का सुझाव देते हैं। भौतिक चिकित्सा विभाग बहुविकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भौतिक चिकित्सा इकाई में एक लाभार्थी चिकित्सा पाता है।

सारणी 19 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (भौतिक चिकित्सा इकाई)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
309	348	657	934	4456	5390

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात (गतिविभ्रम) लाभार्थी को भौतिक चिकित्सा इकाई में तन्त्रिका – विकासात्मक सुविधा उपागमन दिया जाता है।

4.1.3 व्यावसायिक चिकित्सा इकाई :

पुनर्वास व्यवस्था में व्यावसायिक चिकित्सा एक अनिवार्य इकाई है जिससे प्रयोजनमूलक तथा उत्पादक कार्यकलापों द्वारा दैनिक जीवन के कार्यों में लाभार्थी की स्वतंत्रता बढ़ाने और अधिकतम क्रियात्मक क्षमता प्रदान की जा सके।

संवेदिक एकीकरण चिकित्सा सत्र

व्यावसायिक चिकित्सा का मुख्य ध्यान है लाभार्थी की क्रियात्मक क्षमता की वृद्धि करने का लक्ष्य किया जाए। इसमें स्थूल चलन और बारीक चलन दोनों शामिल होंगे, विकासशील विशिष्टताएँ प्राप्त की जायेंगी, और संज्ञानात्मक – बोधात्मक शक्ति बढ़ाना तथा दैनिक जीवन कार्यों की शक्ति बढ़ाना भी शामिल हैं।

व्यवसायिक चिकित्सा सेवाओं में आनेवाले लाभार्थियों की पूर्व–परीक्षा की जाती है, फिर लक्ष्य निर्धारित किया जाता है और चिकित्सा का कार्यान्वयन होता है। लाभार्थियों की प्रगति का नियमित अनुश्रवण होता है और प्रलेख कर लिया जाता है।

एनआईईपीएमडी में व्यावसायिक चिकित्सा सेवा द्वारा बहुविकलांग लाभार्थी प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, मानसिक मंदन, आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था, ध्यान अभाव अतिक्रियाशीलता अव्यवस्था, शिक्षण अशक्तता, हस्थि संबंधी एवं तन्त्रिका संबंधी अव्यवस्थाएँ, जरा चिकित्सा अवस्थाएँ, मनोविकृति की अवस्थाएँ और अन्य विकासशील अशक्तताएँ आदि का इलाज पाकर लाभान्वित हुए हैं।

हर महीने औसतन 925 लाभार्थी व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं द्वारा लाभान्वित हुए हैं जो 3 विशेषज्ञ पेशेवरों द्वारा किये जाते गये।

व्यावसायिक चिकित्सा इकाई ने मनोविकृति, चिकित्सा, हस्त खपची, दैनिक जीवन इकाई के कार्यकलाप मनोरंजन कार्य इकाई आदि को अपनी सेवाओं में निर्मित करने कर प्रस्ताव दिया है। निकट भविष्य में नई इकाइयाँ निर्मित करने के बाद, लाभार्थियों की संख्या हर महीने 1600 तक बढ़ सकती है।

इसके अतिरिक्त, हमारे पेशेवरों ने एडीआईपी योजना के अधीन विस्तार केन्द्र सेवाओं, पहचान तथा सामग्री वितरण शिविरों में भाग लिया है।

तन्त्रिका संबंधी क्षति के लाभार्थियों को खप ची का नुस्खा और अनुकूल उपकरण भी दिये जाते हैं उनको खपची बाँधना, पहनने की पद्धति और खपची का अनुरक्षण आदि सिखाये जाते हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं द्वारा हर लाभार्थी का यथार्थवादी लक्ष्य प्राप्त किया जाता है।

विकासशील चिकित्सा सत्र

संवेदिक उत्तेजन चिकित्सा सत्र

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग के शिक्षक विभिन्न मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों, दीर्घकालीन और अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान भी देते हैं।

विकासशील चिकित्सा सत्र

संवेदिक उत्तेजन चिकित्सा सत्र

इसके अतिरिक्त, एनआईईपीएमडी में व्यावसायिक चिकित्सा इकाई ने व्यावसायिक चिकित्सा का स्नातक डिग्री शुरू करने का प्रस्ताव किया है। इन प्रक्रियाओं के एक अंग के रूप में, चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) पेशेवर दल ने हमारे संस्थान के अंतः संरचना और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। अतः 2015–16 शैक्षिक वर्श में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने का मौका संभव है। 2014–15 वर्ष के दौरान लाभान्वित हुए लाभार्थियों की संख्या निम्नलिखित हैः

सारणी 20 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (व्यावसायिक चिकित्सा)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
248	606	854	3100	8021	11121

4.1.4 कृत्रिम अंग और विकलांग इकाई :

कृत्रिम अंग वह विज्ञान है जिसमें शरीर में खोया हुआ अंग बिठाया जाता है। जो जन्मजात हो या दुर्घटना के कारण अंग विच्छेद जैसे सारे अवयव, उँगलियाँ, हाथ का अंश, पैर का टुकड़ा, आँख, नाक, कान आदि हुआ हो।

विकलांग का मतलब विज्ञान जिसमें अंगों की विकृतियों को भौतिक रूप से ठीक करना, अंग विच्छेदन, और शरीर में शक्ति कार्य को सुधारना, कमजारे अंगों का अवलंब देना, अनावश्यक गति को रोकना कृत्रिम अंग और विकलांग को नापना, कृत्रिक अंगों और विकलांगों को गढ़ना आदि आते हैं। लाभार्थियों का विकलांग बिठाकर, उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है।

एक लाभार्थी को निचला कृत्रिम अंग बिठाया जा रहा है।

कृत्रिम अंग और विकलांग एक पुनर्वासात्मक तरीका है जो लोगों के विकलांग और तान्त्रिक माँसपेशीय अव्यवस्थाओं जन्मजात की हानियाँ और अभिघातक अंग विच्छेदनों की कमियों को ठीक करने का काम करता है। विकलांग व्यक्तियों का सम्मान, प्रतिष्ठा और स्वपूर्ति में सहायता करता है। हर व्यक्ति को, फिर से इस दुनिया को नयी मिली स्वतंत्रता के साथ सकारात्मक गुण के साथ देखने देता है।

सारणी 21 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (कृत्रिम अंग और विकलांग)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
134	243	377	187	306	493

कृत्रिम अंग और विकलांग तकनीशियन एक लाभार्थी का परिणाम लेता है।

4.2 नैदानिक मनोविज्ञान विभाग :

मनोविज्ञान मूल्यांकन करके और मनोविज्ञान सिद्धान्तों पर आधारित हस्तक्षेप का प्रावधान करके यह विभाग पुनर्वास सेवाएँ निष्पादित करता है। मानक मूल्यांकन उपकरणों का प्रयोग करके हर व्यक्ति के विकास/बौद्धिक क्रियाशीलता का मूल्यांकन किया जाता है। इससे लाभार्थियों की शिक्षा और चिकित्सीय कार्यक्रम की योजना बनाने में सहायता मिलती है। इनके अलावा, हर व्यक्ति की विभिन्न मनोवैज्ञानिक रूपरेखा का निर्धारण अन्य संज्ञानात्मक क्रियाशीलता, विशिष्ट अधिगम अशक्तता मूल्यांकन, व्यक्तित्व परीक्षाएँ, तन्त्रिका मनोविज्ञान और मनोवैज्ञानिक नैदानिक मूल्यांकन करता है।

हस्तक्षेपों के अंग के रूप में, उन लभार्थियों के लिए, उनका आचरण कम करने तथा अनुकूली आचरण की वृद्धि करने के उद्देश्य से आचरण प्रबन्धन का प्रावधान किया जाता है। आगे, विकलांग व्यक्तियों की संज्ञात्मक क्रियाशीलता तीव्र करने के लिए संज्ञानात्मक वृद्धि तकनीक का प्रावधान किया जाता है। यह विभाग चिकित्सीय सत्रों के समय परिवार के सदस्यों का सम्मिलन भी सुनिश्चित करता है ताकि घर पर भी उन

तकनीकों को देखकर, सीखकर और उन्हें घर में कार्यान्वित करें। बहुविकलांग व्यक्तियों को तथा उनके परिवार के सदस्यों को विभिन्न आचरण संबंधी और भावुकतापूर्ण समस्याओं के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास और सिर पर हुए घाव का इलाज भी दिया जाता है।

एक प्रतिभागी का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन

यह विभाग मनोविकार व्यक्तियों की चिकित्सा – आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए पाक्षिक मनोविकार चिकित्साशाला भी चलाता है। विकलांग व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य और जीवन स्तर बढ़ाने के लिए पूर्ण हस्तक्षेपों का प्रावधान करने एक बहुविमितीय अभिगम अपनाया जाता है।

एनआईईपीएमडी के उद्देश्य की उपलब्धि के लिए, नैदानिक मनोविज्ञान विकलांग के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास करने के लक्ष्य के साथ काम करता है, वह लाभार्थियों को पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है तथा इस क्षेत्र से संबंधित अनुसंधान परियोजनाएँ चलाता है। इसके अंग के रूप में एम.फिल. नैदानिक मनोविज्ञान, दो वर्षीय विशेष कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसमें आठ प्रशिक्षणार्थी भर्ती हुए हैं, हर वर्ष चार प्रशिक्षणार्थी निकलेंगे। इन प्रशिक्षणार्थियों को एक पर्यवेक्षक के अधीन नैदानिक पर्यवेक्षण और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन तथा हस्तक्षेपों में प्रशिक्षण दिया जाता है। नियमित व्याख्यान के अलावा, शीर्ष चर्चा, लाभार्थी सम्मेलन, पत्रिका क्लब, सामान्य संगोष्ठियाँ और फिल्म क्लब आदि विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम विभाग में चलाये जाते हैं जिनसे प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण–स्तर सुनिश्चित किया जा सके। आगे, प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, स्कार्फ और दि बानियन जैसे अन्य संस्थानों में भेजा जाता है ताकि मनोविकृति स्थितियों की ओर ज्ञान बढ़ाने का अतिरिक्त विशय मिले। द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों को स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवाओं में तीन महीनों के लिए भेजा जाता है जहाँ उन्हें सामान्य चिकित्सा स्थितियों से संबंधित लाभार्थियों कें मनोवैज्ञानिक मामलों में प्रशिक्षण प्राप्त हो।

इसके अलावा, यह विभाग डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और बी.एड. पाठ्क्रमों के सैद्धान्तिक और प्रयोगात्मक शिक्षण भी आयोजित करता है। साथ ही, अन्य महाविद्यालयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को भी प्रशिक्षण दिया गया जो एक सप्ताह से एक महीने का स्थानबद्धता कार्यक्रम का था। पुनर्वास पेशेवरों के ज्ञान की वृद्धि हेतु विभिन्न अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये गये।

इस विभाग ने एक सप्ताह का कार्यक्रम "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" के भाग के रूप में 10 से 16 अक्टूबर 2014 तक चलाया। उसमें निम्नलिखित कार्यक्रम शामिल थे।

- विकलांग बच्चों के साथ साधारण बच्चों के लिए पुतली का नाच और तंत्र प्रदर्शन।

- एनआईईपीएमडी के गृह–रक्षा कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य बोध कार्यक्रम।
- एनआईईपीएमडी के अतिथि वक्ताओं औ सहयोगी कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य मामलों पर आमंत्रित भाशण।
- स्नातकोत्तरों के लिए महाविद्यालयों से बढ़ते मनोविज्ञान के लिए विकलांग पुनर्वास के संज्ञानात्मक मूल्यांकन पर द्विदिवसीय कार्यशाला।
- आम श्रोतागणों के लिए ''मानसिक स्वास्थ्य को चित्रित करने और बढ़ावा देने में सामाजिक माध्यम की भूमिका'' पर एक पैनल चर्चा। नाम सूची में एक मनोवैज्ञानिक, व्यावहारिक उत्प्रेरक, लेखक और एक फिल्म निर्माता थे। 2014–15 वर्ष के दौरान लाभान्वित लाभार्थियों का विवरण निम्नलिखित है।

मूल्यांकन के दौरान लाभार्थी को कार्यकलाप दिया जा रहा है।

सारणी 22 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (नैदानिक मनोविज्ञान)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
368	499	867	760	2745	3505

4.3 विशेष शिक्षा विभाग :

विशेष शिक्षा विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण विकास के लिए पुनर्वास प्रावधान करने का अंग है। इस विभाग के कार्यकलाप बहुविकलांग व्यक्ति जो सेवाएँ प्राप्त करते हैं उनके उपयुक्त विशेष रूप से बने सारे क्षेत्रों को आत्मसात करके चल रहे हैं। आरंभ का मूल्यांकन और उससे संबंधित सेवाएँ क्रमानुसार दी जाती हैं। अन्तर्विभागीय सेवा जो व्यवहार में है, उससे हर बच्चा व्यापक शैक्षिक कार्यक्रम जो अनुवर्ती सत्र के लिए या

स्कूल में दिया जाता है। जो अनुसंधान भर्ती होता है उसके परियोजनाओं की और मानव संसाधन की उत्पत्ति भी की जाती है जो प्रशिक्षण में एक निरूपण पर आधारित पार विकलांग अभिगम है। केन्द्र में प्रशिक्षण को सहयोग देने के लिए सहयोगी तकनीकियों और उचित देशज शिक्षण–अधिगम सामग्रियों पर आधारित अभिवन परिवर्तित तकनीकियाँ तैयार की जाती हैं। और ये घरेलू आधारित कार्यक्रमों के लिए उपयोगी हैं। सम्मिलित शिक्षा का प्रावधान करने की हमारी योजना में उपचारी शिक्षा भी अत्यावश्यक भूमिका निभाती है। नियमित पाठशाला के शिक्षकों को भी उचित प्रशिक्षण के लिए पुनर्वास दल में जोड़ लिया जाता है।

विशेष विद्यालय में विकलांग बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सारणी 23 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (विशेश शिक्षा)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
190	726	916	704	1721	2425

सारणी 24 : 2014–15 के दौरान पाठशाला में आनेवाले विशेष पाठशाला के बच्चों की संख्या

इकाई	2014 - 15
शीघ्र बाल्यावस्था	31
स्वलीनता	35
प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात	31
बधिरांधता	17
गंभीर तथा अतिगंभीर विकलांगों	18
कुल	132

बहुविकलांग बच्चों के लिए आदर्श विद्यालय

बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए पाठशाला वातावरण में विभिन्न शैक्षिक तथा अन्य पुनर्वास सेवाओं का प्रावधान करने के लिए आदर्श विद्यालय सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है। आदर्श विद्यालय में पंजीकृत लाभार्थी विभिन्न सम्मिश्रण के विकलांगों से युक्त बच्चे होते हैं। विद्यालय में हरेक बच्चे का कार्यक्रम अभिभावक को नियमित शिक्षक–अभिभावक बैठक चलाकर खूब सूचित कर दिया जाता है, दैनिक पारस्परिक क्रिया द्वारा भी उनको सिखाया जाता है, क्योंकि जब भी विकलांग बच्चे आदर्श विद्यालय में आते हैं, तब माता–पिताओं, पोषकों को साथ में आना अनिवार्य है।

आदर्श विद्यालय विकलांग इलाकों के क्षेत्र में प्रशिक्षणार्थी–शिक्षकों को प्रयोगात्मक अनावृत्ति का प्रावधान करने का स्थान है। मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षणार्थी शिक्षक अपनी पाठ्यचर्या के अंग के रूप में आदर्श विद्यालय की विभिन्न इकाइयों में बहुविकलांगों के क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यभार संभालते हैं और अनुसंधान भी करते हैं। मध्यम चुनौतीपूर्ण दल में शिक्षक – छात्र का अनुपात 1:8 रहता है और कम तथा संभीर चुनौतीपूर्ण दल के लिए 1:4 तक सीमित है। और इस कड़े दल के वातावरण के लिए अधिक विशेष ध्यान और सुविधाएँ देना आवश्यक है। 2014–15 वर्ष के दौरान आदर्श विद्यालय में लगभग 132 बहुविकलांग बच्चे भर्ती हुए हैं।

4.3.1 शीघ्र बाल्यावस्था विशेष शिक्षा इकाई :

आदर्श विद्यालय की शीघ्र बचपन विशेष शिक्षा इकाई 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों पर केन्द्रित करती है। सभी संभव बहुविकलांग सम्मिश्रण के बच्चों पर ईसीएसई इकाई ध्यान देती है। इस इकाई में पूरा पाठशाला शिक्षा कार्यक्रम संपन्न होता है जिससे पेशेवर लोग बच्चों को स्कूल जाने की तैयारी (पाठशाला तैयार कार्यक्रम) करते हैं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, यह इकाई बच्चों को नियमित पाठशाला में पढ़ने की सिफारिश करती है, जैसे सम्मिलित शिक्षा वर्ग (2014–15) शैक्षिक वर्ष के लिये ईसीएसई इकाई में 22 बच्चों ने पढ़ाई की।

लाभार्थी शीघ्र बचपन विशेष इकाई में कार्यकलापों में लगे हैं।

सारणी 25 : ईसीएसई में बहुविकलांग के बच्चे

क्रम सं.	बहुविकलांग का सम्मिश्रण	पुरूष	स्त्री	कुल
1.	एएसडी + एमआर	10	03	13
2.	एएसडी + विल्लियम सिन्ड्रोम	01	—	01
3.	एमआर + एचआई	.	01	01
4	सीपी + एमआर	01	—	01
कुल		12	04	16

सारणी 26 : ईसीएसई में एकल विकलांग बच्चे

क्रम स.	एकल विकलांग	पुरूष	स्त्री	कुल
1	एमआर	03	01	04
2	एएसडी	01	—	01
3.	सीपी	01	—	01
कुल		05	01	06

सारणी 27 : 2014–15 शैक्षिक वर्ष में सम्मिलित शिक्षा में भर्ती हुए बच्चे

क्रम स.	नाम	भर्ती की तारीख	पंजीकरण सं.	लिंग	जन्म की तारीख	अन्तरीय निदान	पाठशाला का नाम और पता	कक्षा
1.	रोहित	15.07. 2013	384 / 12	पुरूष	01.07. 2009	सीमारेखा विकासात्मक क्रिया व आत्म विमोह गुण	चिल्ड्रन पैरडेस, नेताजी नगर, तिरूवान्मियूर	एलकेजी
2.	के. जयसुदन	12.06. 2004	572 / 13	पुरूष	31.01. 2009	एएसडी व नरम डीडी	विद्याक्षरा, ईसीआर, पणयूर	एलकेजी
3.	सी.दीपनराज	05.06. 2014	600 / 13	पुरूष	13.09. 2010	मंद एमआर व एडीएचडी	मनोन्मणि स्कूल, पालवाक्कम	एलकेजी
4.	जय प्रदाप	02.07. 2014	441 / 14	पुरूष	11.12. 2010	मंद डीडी	वेल्डन मेट्रिकुलेशन स्कूल, तागम्तीर्तपुरम विल्लमुपुरम जिला	एलकेजी
5.	अमीम अहमद	08.09. 2014	404 / 14	पुरूष	22.07. 2011	सीपी व मंद डीडी	सरकारी पाठशाला पालवाक्कम	एलकेजी
6.	जे. शोभिका	17.07. 2014	471 / 14	स्त्री	09.12. 2008	एएसडी+एमआर+ मंद डीडी	सरकारी प्राइमरी स्कूल, उत्तंगुडी	पहली कक्षा
7.	एम. जमाल मुहम्मद	18.12. 2014	626 / 14	पुरूष	19.09. 2009	एमआर+एडीएचडी+ सीमारेखा डीडी	मैजिकलैंड, वेट्टुवनकेणी	एलकेजी
8.	निखिलेश	28.04. 2014	121 / 14	पुरूष	14.07. 2008	एएसडी+मंद एमआर	पेन्गुविन प्राइमरी स्कूल, ओरत्तनाडु, तंजाउर	एलकेजी

सारणी 28 : 2013–14 शैक्षिक वर्ष में समावेशी शिक्षा में भर्ती हुए बच्चे और 2014–15 शैक्षिक वर्ष में अगली कक्षा में उत्तीर्ण हुए बच्चे

क्रम स.	नाम	भर्ती की तारीख	पंजीकरण सं.	लिंग	जन्म की तारीख	अन्तरीय निदान	पाठशाला का नाम और पता	कक्षा
1.	सन्तोष	17.12.2012	560/12	पुरूष	05.12.2008	एएसडी + एमआर	मणि नर्सरी और प्राइमरी स्कूल, 60/63 मल्लन पोन्नप्पन गली, ट्रिप्लिकेन, चेन्नई–5	दूसरी
2.	दिनेश	12.09.2011	438/11	पुरूष	01.03.2007	मंद एमआर (डाउन सिन्ड्रोम)	ऊराट्ची ओन्ड्रीय तोडक्कप्पली चेन्नई	दूसरी
3.	दीपक	17.06.2013	564/12	पुरूष	08.03.2009	एएसडी + एमआर	चेन्नई कारपोरेशन प्राइमरी स्कूल, चेन्नई	दूसरी
4.	राजेश	17.07.2013	220/11	पुरूष	31.03.2010	सीपी	फिलिप्स मैट्रीकुलेशन स्कूल, ईसीआर, वेट्टुवानकेणी चेन्नई	यूकेजी
5.	विष्णु कार्तिक	19.06.2013	139/12	पुरूष	21.03.2010	सीपी+एलटी कोहनी के नीचे विच्छेदन	भुवनकृष्णन मैट्रिकुलेशन स्कूल, मुरूगन कोविल गली तिरूपोरूर	यूकेजी
6.	तमिलसेल्वम	13.07.2013	454/13	पुरूष	13.05.2009	सीमारेखा डीडी+ एडीएचडी	सरकारी आरंभपल्ली, तिरूप्पोरूर	दूसरी
7.	दोशिनी	06.07.2010	105/10	स्त्री	26.12.2008	मंद एमआर+ दृष्टि क्षति	सरकारी आरंभपल्ली, कानात्तुर रेड्डीकुप्पम चेन्नई	दूसरी
8.	हरिदा	13.08.2012	361/12	स्त्री	18.08.2009	एएसडी + एमआर	अण्णामलै नडुनिलैप्पल्ली, तिरूकल्लुकुन्ड्रम, कांजीपुरम जिला	दूसरी

सारणी 29 : ईसीएसई इकाई से गृहान्तर का विवरण

क्रम सं	नाम	इकाई	स्तर
1.	सन्तान भारती	एएसडी	प्राइमरी
2.	श्रीनिवासन	एएसडी	प्राइमरी
3.	अरिवुसेल्वम	एएसडी	प्राइमरी

सारणी 30 : ईसीएसई इकाई में उत्सव

क्रम सं	दिनों का नाम	इकाई
1.	वर्ण सप्ताह	7 से 11 जुलाई, 2014 तक
2.	मित्रता दिवस	1 अगस्त, 2014
3.	फल दिवस	3 सितम्बर, 2014
4.	तरकारी दिवस	12 दिसंबर, 2014
5.	पुष्प दिवस	9 जनवरी, 2015
6.	दस्तकारी दिवस–पत्ते, फूल, बीज, तरकारियाँ	6 फरवरी, 2015

4.3.2 प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के साथ अतिरिक्त विकलांगों की इकाई

प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात की इकाई में सीपी और अतिरिक्त विकलांगों के लाभार्थियों को प्रशिक्षणार्थी शिक्षा कार्यकलाप

2014–15 शैक्षिक वर्ष के दौरान इस इकाई में 30 बच्चे भर्ती हुए हैं। इन बच्चों का मूल्यांकन उनके वर्तमान क्रिया–स्तर का पता लगाने के लिए भर्ती के समय एफएसीपी परीक्षण सूची, कारोलिना, एडीएल मूल्यांकन द्वारा किया गया। इस मूल्यांकन के आधार पर, दीर्घ कालीन और अल्पकालीन लक्ष्य नियत किये गये और उचित शिक्षण–अधिगम सामग्रियों के साथ कक्षा में पाठ योजना कार्यान्वित की गयी तब गति, संचार, पिलाना, स्व–सहयोग और शैक्षिक क्षमताओं के लिए अनुकूल उपकरणों और साधनों का उपयोग किया गया। इस इकाई में प्रमस्तिश्कीय पक्षाघात के विभिन्न सम्मिश्रणों के बच्चे भर्ती हुए। पाठ्यचर्या के कार्यकलापों के अतिरिक्त सह–पाठ्यचर्या कार्यकलापों में भी विगोपन दिया गया। ये बच्चे खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यकलापों में हुई प्रतियोगिताओं में अवश्य भाग लेते हैं।

सारणी 31 : सीपी इकाई में बच्चों में विकलांगों का सम्मिश्रण

क्रम स.	विकलांग का वर्गीकरण	पुरुष	स्त्री	कुल
1.	सीपी+एमआर	15	11	16
2.	सीपी+एमआर+एलवी	01	01	02
3.	सीपी+एमआर+एसडी	01	—	01
4	सीपी+एमआर+एचआई	01	—	01
कुल		18	12	30

4.3.3. बधिराँधता के साथ अतिरिक्त विकलांगों की इकाई :

बधिराँधता इकाई एक बड़ी विलक्षण इकाई है क्योंकि श्रवण क्षति–नेत्र क्षति का हर व्यक्ति अन्य लोगों से भिन्न होता है, चूँकि दृश्य और श्रवण क्षति का स्तर बदलता है और विकास के समय सहचारी समस्या बाधा डालती है। इसमें महत्वपूर्ण मुख्य क्षेत्र है – संचार, सूचना, वृत्तिमूलक शिक्षा, संक्रमण और व्यावसायिक कार्यकलाप। संचार के विकास के लिए सहक्रियात्मक इशारे, स्पृथ्य संकेत जैसे विशेष कौशल अपनाये जाते हैं। कक्षा कार्यकलापों में स्पर्श विधि और अवशिष्ट संवेदिक क्षमताएँ खोजने और सीखने में मदद करती हैं। यथार्थ जीवनानुभव, यथार्थ पदार्थों आदि का शीघ्र शिक्षा स्तर के बच्चों में धारणाएँ विकसित करने में उपयोग किया जाता है। 2014–15 के दौरान इस इकाई में 20 बच्चे भर्ती किये गये। पाठ्यचर्या कार्यकलापों के अलावा सह पाठ्यचर्या कार्यकलापों में भी विगोपन दिये गये। बधिराँध बच्चों को विशेश रूप से बने इद्रिय बाधक बाग में भी विगोपन दिया जाता है। बच्चे, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में अवश्य भाग लेते हैं।

सारणी 32 : डीबी इकाई के छात्रों में विकलांगों का सम्मिश्रण

क्रम स.	विकलांग का सम्मिश्रण	पुरुष	स्त्री	लाभार्थियों की संख्या
1.	सीपी+एमआर	06	02	08
2.	सीपी+एचआई+एमआर	–	01	01
3.	एलवी+एचआई+सीपी	–	01	01
4.	एचआई+एएसडी+एमआर	01	01	02
5.	एलवी+सीपी+एमआर	01	–	01
6.	वीआई+एमआर	02	–	02
7.	एचआई+एमआर	01	–	01
8.	एलवी+डौन का संलक्षण	01	–	01
9.	एलवी+एमआर+मंद एएसडी	–	01	01
10.	एलवी+एचआई+सीपी+एमआर	01	–	01
11.	एलवी	01	–	01
कुल		14	06	20

4.3.4 स्वलीनता के साथ अतिरिक्त विकलांगों की इकाई :

एसडी इकाई ने स्वलीनता के साथ अतिरिक्त विकलांगों के 38 बच्चों को भर्ती कराया है। यह इकाई तीन और अनुभागों में बाँटी गयी है – जैसे प्राथमिक, मध्यम और संक्रमण। प्राथमिक के लिए उम्र की सीमा 6–10 वर्ष की है, मध्यम के लिए 10–14 वर्ष की है और संक्रमण के लिए 14–18 वर्ष की है। हमारे अनुभाग में 8 से 10 बच्चे पढ़ रहे हैं। प्रवेश के दौरान, बचपन स्वलीनता माप निर्धारण (सीएआरएस) मनोविकृति शिक्षित रूपरेखा (पीईपी) और कार्यक्रम की बनावट के उपकरण के लिए वृत्तिमूलक निर्धारण परीक्षण सूची के साथ बच्चे मूल्यांकित किये गये ताकि उनका वर्तमान स्तर के कार्यकलाप का पता चले और वैयक्तिक शैक्षिक कार्यक्रम का कार्यान्वयन हो।

सारणी 33 : एएसडी इकाई के छात्रों में विकलांगों का सम्मिश्रण

क्रम स.	विकलांग का सम्मिश्रण	पुरुष	स्त्री	बच्चों की संख्या
1.	एएसडी+एमआर	30	04	34
2.	एएसडी	01	02	03
3.	एएसडी+एमआर+सीपी	01	–	01
	कुल	32	06	38

4.3.5 गंभीर तथा अतिगंभीर विकलांगों की इकाई:

इस इकाई में 10 बच्चे भर्ती हुए जहाँ सारे प्रमस्तिश्कीय पक्षाघात के साथ अतिरिक्त विकलांगों जैसे मानसिक मंदन के साथ अधिग्रहण और निम्न दृष्टि का निदान कर दिये गये। और इस प्रकार वे कड़े और गंभी बहु अशक्त बच्चे करार कर दिये गये। ये बच्चे एफएसीपी ध्यानदल द्वारा मूल्यांकित किये गये और तब गंभीर कड़े कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षण सूची भी अपनायी गयी। उनकी भर्ती के समय उनके कार्यकलापों का स्तर

देखा गया। उस मूल्यांकन के आधार पर, दीर्घकालीन और अल्पकालीन लक्ष्यों की योजना बनायी गयी और कार्यान्वित भी की गयी। जब बच्चे इकाई में आये तब बच्चों पर वैयक्तिक ध्यान दिया गया और आईईपी का कार्यान्वयन किया गया। हर बच्चे को संचार संचिकाएँ दी गयीं ताकि वे वृत्तिमूलक संचार करें और माता–पिताओं को गृह कार्यक्रम दिये गये ताकि वे अपने बच्चों के वृत्तिमूलक शिक्षितता, संचार विकास चाल चलन, स्व–सहयोग क्षमताएँ, स्थापन और चीज़ें उठाने में ध्यान दें। इस इकाई में बहुविकलांग में विभिन्न सम्मिश्रण के बच्चे भर्ती किये गये।

गंभीर बहुविकलांग इकाई में बहुविकलांग का एक बच्चा प्रशिक्षण पा रहा है।

सारणी 34 : एसपीएमडी इकाई के छात्रों में विकलांगों का सम्मिश्रण

क्रम स.	विकलांगों का सम्मिश्रण	पुरुष	स्त्री	लाभार्थियों की संख्या
1.	सीपी+एमआर + अभिग्रहण अव्यवस्था	01	01	02
2.	सीपी+एमआर	02	01	03
3.	सीपी+एमआर(कड़ा)+वीआई+एचआई+अभिग्रहण अव्यवस्था	02	–	02
4.	सीपी+एमआर+एलवी+सूक्ष्म शीर्षता	–	01	01
5.	सीपी+एमआर+एलवी	–	01	01
6	सीपी+एमआर+वीआई	–	01	01
कुल		05	05	10

4.4 वाणी, श्रवण और संप्रेषण विभाग:

वाणी, श्रवण और संप्रेषण विभाग श्रवणशक्ति और संप्रेषण क्षमताओं में बाधा रखनेवाले बच्चों और वयस्क को पुनर्वास और योग्यता का प्रावधान करता है। विभागीय कार्यकलाप बच्चों, वयस्कों और परीक्षा न करने योग्य लोगों में पूर्ण श्रवण शक्तिपूर्ण परीक्षा बैटरी संलेख, संपूर्ण संचार मूल्यांकन, निरूपण आधारित हस्तक्षेप और श्रवण यन्त्र की परीक्षा और बिठाना आदि का प्रावधान करता है।

विभाग में प्रदान किया जानेवाला हस्तक्षेप मूलतः अन्तर्विभागीय अभिगम पर केन्द्रित करता है जहाँ यह चिकित्सा मुख्यतः बच्चे केन्द्रित है। वाणी विकृतिवैज्ञानिक अन्य संबंधित पेशेवरों के साथ काम करता है और तीन वर्ष से कम बच्चों को सम्मिलित शीघ्र हस्तक्षेप चिकित्सा का प्रावधान करता है। बाद में, वाणी चिकित्साक विशेश शिक्षक, संचार अनुदेशक और अन्य पुनर्वास पेशेवर सब मिलकर काम करते हैं और बहुविकलांग बच्चों को अकेले या दल के रूप में चिकित्सा देते हैं। वाणी चिकित्सा सेवाएँ आदर्श विद्यालय तक विस्तारित होती हैं जहाँ विद्यालय में वाणी चिकित्सक विशेष शिक्षकों के साथ काम करता है और कक्षा स्थिति में संचार बढ़ाते हैं। यह विभाग विभिन्न बचपन के संचार अव्यवस्थाओं वाले बच्चों को निरूपण आधारित चिकित्सा देता है और लार टपकाना तथा पिलाने की कठिनाइयों को संभालने में सहायता करता है। यह विभाग गह आधारित चिकित्सा सेवाएँ भी प्रदान करता है जिसमें घरेलू वातावरण तक विस्तार करके सह कार्य नित्यक्रम द्वारा बच्चों में संचार की क्षमता बढ़ाने के लिए कार्यकलापों का निर्देशन दिया जाता है। आगे भी, यह विभाग अपनी सेवाएँ साधारण तथा सम्मिलित पाठशालाओं तक विस्तार करता है जिसमें भाषा अव्यवस्थाओं के विकास का दायित्व लेकर, भाषा सीखने की कठिनाई, प्रवाह और वाणी अव्यवस्थाओं को भी ध्यान में लेकर बच्चों को पहचाना जाता है।

A client with cochlear implant being provided therapy in the unisensory approach.
The child is auditorily discriminating between long vowel /ae/ and /ae/.

This will in turn help the child discriminiting minimal pairs having the vowels.

School screening programmes : School children are being screened for the presence of speech, language and literacy problems by speech therapist.

यह विभाग श्रवण क्षति के बच्चों के लिए वाक–वाणी चिकित्सा मात्र नहीं देता, साथ ही वयस्क और बच्चों के लिए भारतीय संकेत भाषा भी सिखाता है जिनको संप्रेषण के वैकल्पित प्रकार की आवश्यकता और पसन्द है। यह विभाग वाचिक संबंधी पुनर्वास दक्षिण भारत के इलाकों में मात्र नहीं, बल्कि उत्तर और पूर्वी भारत में भी इसकी सेवाएँ विस्तृत की गयी हैं। यह विभाग श्रवण युक्त वयस्कों और बच्चों के लिए एडीआईपी योजना के

अधीन पहचान शिविर चलाता है और बीटीई श्रवण यन्त्रों का वितरण भी करता है। यह विभाग एडीआईपी योजना के अधीन बीटीई श्रवण यन्त्र का वितरण शुरू करके प्रथम राष्ट्रीय संस्थान का श्रेय प्राप्त है। श्रवण यन्त्र देने का प्रयोजन भी सफल बनाता है और घर पर अभिभावकों द्वारा वाचिक वाणी चिकित्सा का प्रावधान करता है। और आगे के निर्देश के लिए श्रवण यन्त्र के साथ हस्त पुस्तिकाएँ भी वितरित करता है और उसकी कार्य–प्रणाली को स्पष्ट रूप से सिखाता भी है।

An orientation about different disabilities | Use of larger than life models to explain speech & hearing disabilities | Practical demonstration of activities and parent empowerment

वयस्कों और बच्चों की चिकित्सात्मक सेवाओं के अलावा यह विभाग मानव संसाधन विकास कार्यक्रम भी देता है जिनमें संस्थान में संबंधी पेशेवरों के लिए भारतीय संकेत भाषा कक्षाएँ चलाना वाणी चिकित्सा और वाणी भाषा विकृति विज्ञान में स्नातक डिग्री तथा पुनर्वास विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के विभिन्न अन्य संस्थानों से आये छात्रों के लिए कार्यक्रम चलाता है।

सारणी 35 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (वाणी, श्रवण और संप्रेषण)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
651	668	1319	1315	7288	8603

चेन्नई के अन्दर और निकटस्थ विभिन्न पाठशालाओं में भाषा अधिगम कठिनाइयों के खतरे के बच्चों की पहचानः

सारणी 36 : भाशा अधिगम कठिनाइयों के बच्चों की संख्या

विद्यालय का नाम	पुरुष	स्त्री	कुल मूल्यांकन	खतरे के बच्चे
सेन्ट लूईस विद्यालय, मुत्तुक्काडु	74	124	198	95
पोन विद्याश्रम, ईंजम्बाक्कम	393	306	399	61

4.5 समाज कार्य विभागः

समाज कार्य विभाग संस्थान के विभिन्न विभागों और विभिन्न सेवाओं के लिए आनेवाले लाभार्थियों के बीच सेतु का काम करता है। विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकृत सभी लाभार्थी इस विभाग द्वारा पूर्ण रूप से निरीक्षित किये जाते हैं। आवश्यक सेवाएँ प्राप्त करने के लिए यह विभाग लाभार्थियों को विभिन्न विभागों में जाने का परामर्श और निर्देशन भी देता है। यह विभाग लाभार्थियों को पूर्ण ध्यान और सेवाएँ प्रदान करे के लिए एनआईईपीएमडी के उचित अन्य विभागों में एनआईईपीएमडी के बाहर के विभिन्न संगठनों में भेजता है। बहुविकलांग व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के लिए दी जानेवाली विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को प्राप्त करने की कार्यविधि भी यह विभाग अभिभावकों को ज्ञान प्रदान करता है और अभिभावकों को परिवार की अधिकारिता प्राप्त करने के लिए योजनाएँ और कार्यक्रम प्राप्त करने की कार्यविधि भी सिखाता है। अभिभावकों द्वारा बतायी गयी परिवार में समस्याएँ उत्पन्न करने वाले 34 विकलांगों से संबंधित मामलों को भी समाज सेवक द्वारा उचित ढंग से हस्तक्षेप किया जाता है और समाज कार्य तरीकों का प्रयोग करके उन्हें समस्याओां का अधिक सफलतापूर्वक सामना करने में सहायता करता है। यह विभाग परिवार के विकलांगयुक्त सदस्य के बारे में एक व्यापक निदान प्रतिवेदन भी देता है और समस्या को प्रभावी ढंग से संभालने के तरीके भी बताता है।

एमटीसी के ड्राइवरों और कंडक्टरों को विकलांगता विषय पर दिग्विन्यास

4.5.2 विस्तार केन्द्र:

एनआईईपीएमडी के लाभार्थियों की माँगों की पूर्ति के लिए राज्य संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र (एसआरटीसी), एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, अरिवगम् – मयिलाडुदुरै, उम्मीद–तामबरम, अश्विनी–गूडलूर, आईसीएफ पेरम्बूर, शीशा–वानगरम, महत्व–कल्पाक्कम, भद्राचलम, जयम् अस्पताल – तमिलनाडु, मनोचेतना – वारांगल, आन्ध्र प्रदेश के सहयोग से संबंधित जिलों में विस्तार केन्द्रों का निर्माण किया है। एनआईईपीएमडी केन्द्र में उचित

विस्तार केन्द्र में विशेष शिक्षिका द्वारा (शीशा, वानगरम, चेन्नई) एक लाभार्थी का मूल्यांकन किया जा रहा है।

सारणी 39 : 2014–15 के दौरान एनआईईपीएमडी के विस्तार केन्द्रों में पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त लाभार्थी

	नये लाभार्थी 2014–15		कुल	अनुवर्ती सत्र 2014–15		कुल
	यूडी	एमडी		यूडी	एमडी	
एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई	81	57	138	1302	1275	2577
अन्बगम, मयिलाडुदुरै	179	92	271	3286	1134	4420
सहयोगशील मूल्यांकन सेवाएँ तमिलनाडु सरकार को विकलांग प्रमाणन प्रदान करने के लिए (एसआरटीसी)	687	472	1159	–	–	0
मनोचेतना, चेरियल, वारांगल (ए.पी)	302	210	512	383	341	724
उम्मीद, तामबरम	61	14	75	27	2	29
गूडलूर	58	8	66	106	7	113
आईसीएफ, पेरम्बूर	41	42	83	9	1	10
शीशा, वानगरम	36	1	37	7	–	7
जयम् अस्पताल	13	0	13	10	–	10
भद्राचलम, तेलुंगाना	105	0	105	60	–	60
महत्व	20	19	39	83	–	83
मणिपुर	30	1	31	15	4	19
सिक्किम	4	14	18	44	262	306
कुल	1617	930	2547	5332	3026	8358

4.5.3 योजनाएँ और रियायतें :

यह विभाग लाभार्थियों तथा उनके परिवारों को राज्य सरकार, राश्ट्रीय न्यास और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय आदि की योजनाओं तथा कार्यक्रमों को प्राप्त करने में सहायता करता है।

सारणी 40 : विभिन्न योजनाएँ और रियायतें प्राप्त लाभार्थियों का विवरण

योजनाएँ और रियायतों के प्रकार	स्थानीय बस पास	बाह्य बस पास	रेलवे रियायत	परिवार कुटीर	शहत ध्यान	कुल
लाभार्थियों की संख्या	363	75	102	94	16	650

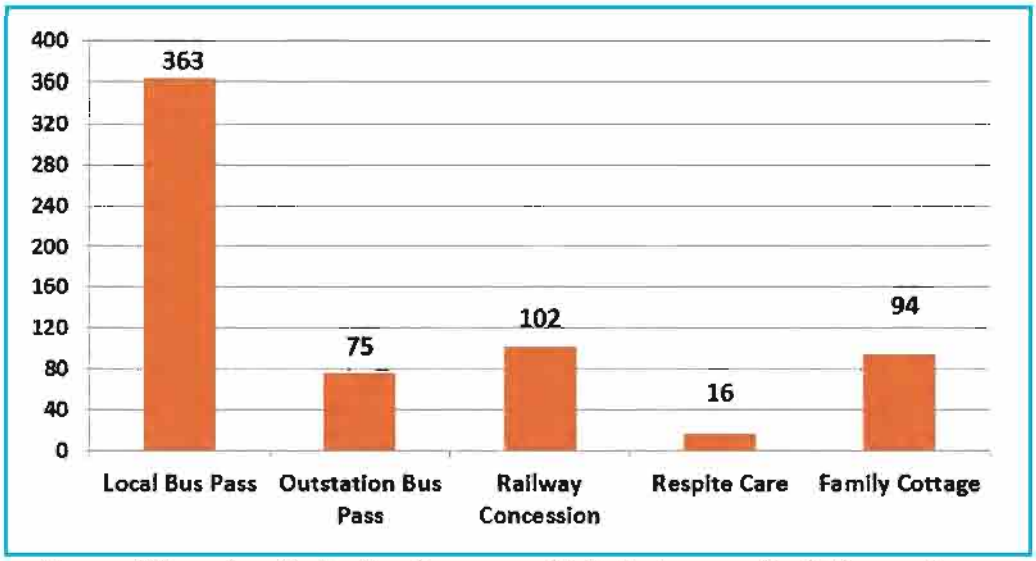

चित्र 4 : विभिन्न योजनाएँ और रियायतें प्राप्त लाभार्थियों की संख्या का लेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण

4.5.4 परिवार कुटीर सेवा :

परिवार कुटीर सेवा बाहर के गाँवों से आनेवाले लाभार्थियों को दी जाती है जो एनआईईपीएमडी की सेवाएँ चाहते हैं। यह सुविधा नियोजन के आधार पर दी जाती है और लाभार्थियों को 7 से 10 दिन की अवधि के लिए दी जाती है। यह प्रावधान लाभार्थियों तथा उनके परिवार के लिए अल्प अवधि के लिए एनआईईपीएमडी के परिसर में ठहरने का मौका देता है जो लाभार्थियों का मूल्यांकन करने, परामर्श प्राप्त करने और पेशेवरों द्वारा दी गयी सिफारिशों के अनुसार गृह आधारित कार्यक्रमों की योजना बनाने में सहायक होती है। 2014–15 वर्ष के दौरान कुल 94 बहुविकलांग व्यक्तियों ने अपने परिवार के साथ यह परिवार कुटीर सेवा प्राप्त की है और एनआईईपीएमडी के मानदण्ड के अनुसार प्रभार प्राप्त किये गये हैं

4.5.5 राहत ध्यान केन्द्र :

राहत ध्यान अल्पकालीन, अस्थायी राहत का प्रावधान है जिनको परिवार के सदस्यों का ध्यान है, नही तो उनको घर से बाहर सुविधा का एक स्थायी स्थान की आवश्यकता होगी।

राहत ध्यान केन्द्र परिवारों को योजनाबद्ध अल्पकालीन और सया की सीमा के अन्दर राहत देता है और विकासात्मक विलम्ब के बच्चों पर ध्यान न देनेवालों को राहत देता है और बुद्धिमत्ता की अशक्तता के वयस्कों को प्राथमिक ध्यान देने का संबंध स्थापित करता है और सहयोग देता है। राहत ध्यान उस व्यक्ति को ध्यान प्राप्त करने का अनुभव मिलता है।

एनआईईपीएमडी राहत ध्यान केन्द्र की सुविधाएँ

- शुरू में राहत ध्यान सबेरे 09.00 बजे से शाम को 5.30 बजे तक
- सोमवार से शुक्रवार तक
- राहत ध्यान केन्द्र का प्रभार रू. 75 प्रति दिन
- निम्नलिखित कर्मचारी मिलेंगें

  विशेश शिक्षक

  नर्सिंग

  देखरेखकर्ता

- राहत ध्यान केन्द्र में अपने बच्चों को छोड़कर जाने के लिए अभिभावक या पोशक को लिखित रूप में एक प्रार्थना पत्र देना है।
- अभिभावक खाना और अन्य जलपान पदार्थ का प्रावधान करेंगें।

एक लाभार्थी को राहत ध्यान केन्द्र में कार्यकलाप दिया जा रहा है।

4.6 वयस्क आत्मनिर्भर जीवन विभाग :

इस विभाग के कार्यकलाप वर्ष भर में प्रावस्था ढंग से योजनाबद्ध हैं। इन कार्यकलापों में मूल्यांकन व्यावसायिक मार्गदर्शन, क्षमता प्रशिक्षण, नौकरी नियोजन, चिकित्सीय अनुसंधान, वयस्क महिलाओं को घरेलू क्षमताओं में प्रशिक्षण और परिवार के सदस्यों को आय उत्पादन कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

सारणी 41 : नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी (डीएआईएल)

नये लाभार्थी			अनुवर्ती सत्र		
एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल	एकल विकलांग	बहुविकलांग	कुल
101	61	162	5737	6343	12080

वयस्क बहुविकलांगों के लिए क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम (सकल विकास क्षमता)

वयस्क बहुविकलांगों के लिए क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्क्रीन प्रिन्टिंग)

घरेलू क्षमता प्रशिक्षण कार्यकलाप

वयस्क बहुविकलांगों के लिए क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्पैरल बैन्डिंग)

परिवार के सदस्यों को ध्यान में रखकर, इस वर्ष एक नयी सेवा "घरेलू क्षमता प्रशिक्षण" के नाम से विशेष आवश्यकताओं की वयस्क महिलाओं के लिए आयोजित की गयी। इस इकाई में 18 से लेकर 35 वर्ष तक की उम्र की 25 वयस्क महिलाएँ हैं। हर व्यक्ति के पूर्ण विकास पर अधिक ज़ोर दिया गया जैसे व्यक्तिगत स्वास्थ्य, घरेलू काम, लिंग शिक्षा, स्वसमर्थन, कार्य व्यवहार, सुरक्षा क्षमताएँ और बुनियादी वृत्तिमूलक शैक्षितता आदि।

इस शैक्षिक वर्ष में बहुविकलांग व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए सह पाठ्यचर्या कार्यकलाप के रूप में 27 से 30 मार्च 2015 तक एक प्रदर्शन भ्रमण का आयोजन किया गया।

बहुविकलांग वयस्कों का अम्यूसमैंट पार्क "एमजीएम" का भ्रमण

कुल 22 छात्रों, 19 अभिभावकों और 5 कर्मचारियों ने उस प्रदर्शन भ्रमण में भाग लिया। विभिन्न प्रकार के छात्रों ने नये स्थानों में भ्रमण करने का नया अनुभव प्राप्त किया जैसे पद्मनाभ महल मंडैक्काडु मंदिर, मुट्टम समुद्र तट, मधुरतोट्टिपालम, कन्याकुमारी सूर्योदय और सूर्यास्त दृश्य स्थल आदि।

बहुविकलांग वयस्क प्रदर्शन भ्रमण के समय

विशेष उपलब्धि :

श्री मिराण्डा डी.एड. विशेष शिक्षा प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगात्मक वर्ग संभाल रहे हैं।

यह सूचित करते हुए खुशी होती है कि श्री मिराण्डा टाम्किन्सन, जो 36 वर्ष के हैं, बहुविकलांग (श्रवण क्षति व अल्प दृष्टि) हैं। उनकी पंजीकरण संख्याः 284/09, वे हमारे संस्थान में प्रशिक्षण पा रहे हैं। उन्होंने समाज विज्ञान और लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री पास कर ली है। हाल में उन्होंने ब्रेल प्रश्नावली के सहयोग से यूजीसी नेट की परीक्षा पास की है। अब वे राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एनआईईपीएमडी) में विधि कक्ष इकाई में काम कर रहे हैं।

CITY

THE NEW INDIAN EXPRESS

STYLISING SANTA WEAR

STRESS ON SEAR

MIRANDA TOMKINSON'S BRAILLE QUESTION PAPERS ARRIVED HERE BY FLIGHT FROM NEW DELHI ON SATURDAY

VISUALLY CHALLENGED CANDIDATE MAKES UGC HISTORY

आय जनित कार्यक्रम (आईजीपी) :

सिलाई और एम्ब्राइडरी

अंगहीनों का व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, गिण्डी के समन्वय के साथ 6 महीने के सिलाई और इम्ब्राइडरी कार्यक्रम का चौथा बैच पूर्ण हुआ। यह केन्द्र श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन आता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य (1) परिवारों की आर्थिक स्थिति की उन्नति करना, और (2) "माँ–बच्चा संकल्पना" के अधीन परिवारों की क्षमता का निर्माण करना। कुल 21 अभिभावकों ने यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा किया।

बहुविकलांग वयस्कों और उनके परिवारों का आय उत्पादन विभिन्न प्रकार के स्वसेवा दलों के निर्माण द्वारा वर्ष भर चलता रहा। विभिन्न इकाईयों द्वारा उत्पादित आय का विवरण सारणी 42 में चित्रित है।

सारणी 42 : विभिन्न इकाइयों द्वारा उत्पादित आय

क्रम सं.	इकाईयाँ	श्रकम
1.	आय उत्पादन इकाई (अभिभावक)	रू. 18,766
2.	उत्पादन इकाई (लड़के)	रू. 41,671
3.	घरेलू क्षमता इकाई (लड़कियाँ)	रू. 53,360
	कुल	रू. 1,13,797

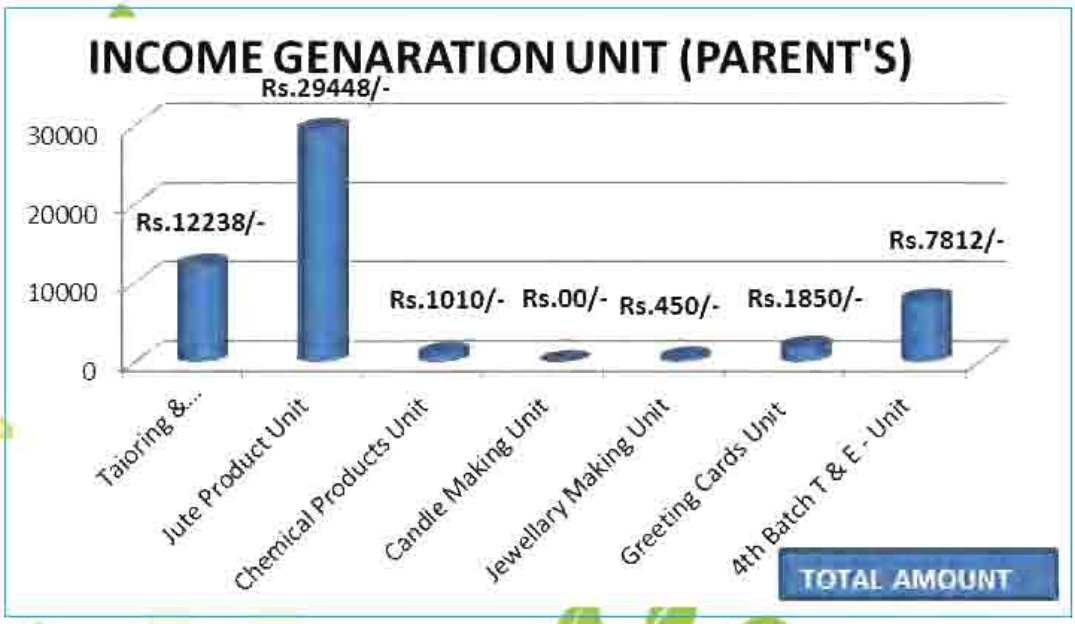

चित्र 5 : आय उत्पादन इकाई

आभूषण उत्पादन

सिलाई और एम्ब्राइडरिंग

मोम बत्ति की तैयारी

रसायनिक उत्पादन

कौशल विकास कार्यक्रम :

कौशल विकास कार्यक्रम हर व्यक्ति के अधिकार की विकसित क्षमताओं, ज्ञान और संतोषजनक रोज़गार आमदनी से प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है। बेहतर जीवन स्तर (क्यूओएल) के लिए कौशल प्राप्त करने का उद्देश्य ही कौशल प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य है।

एनआईईपीएमडी को देश भर में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करने का काम सौंपा गया है। इस कार्यक्रम के परिणाम के रूप में बहुविकलांग व्यक्ति एक अर्थपूर्ण जीवन कमा सकते हैं। अबतक एनआईईपीएमडी ने विभिन्न राज्यों में क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया है। लाभभोगियों, व्यापार, खर्च, प्रेस रिपोर्ट और कार्यक्रम फोटो आदि दिये गये हैं।

चित्र 6 : पीएम के कौशल विकास कार्यक्रम 2014–15 के अधीन विकलांगवार लाभार्थियों का वितरण

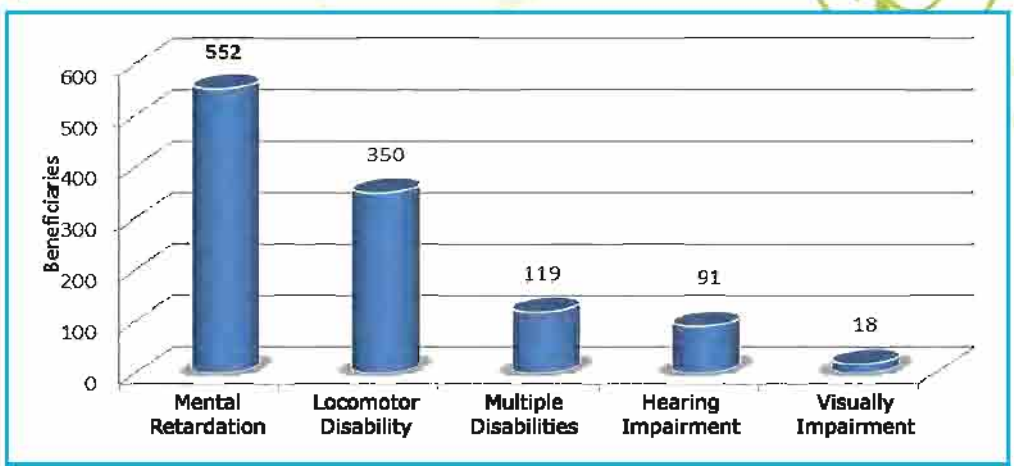

Catagory wise Total Benificiaries -1130

चित्र 7 : पीएम के कौशल विकास कार्यक्रम के अधीन लाभार्थियों का विवरण – 2014–15 राज्यवार

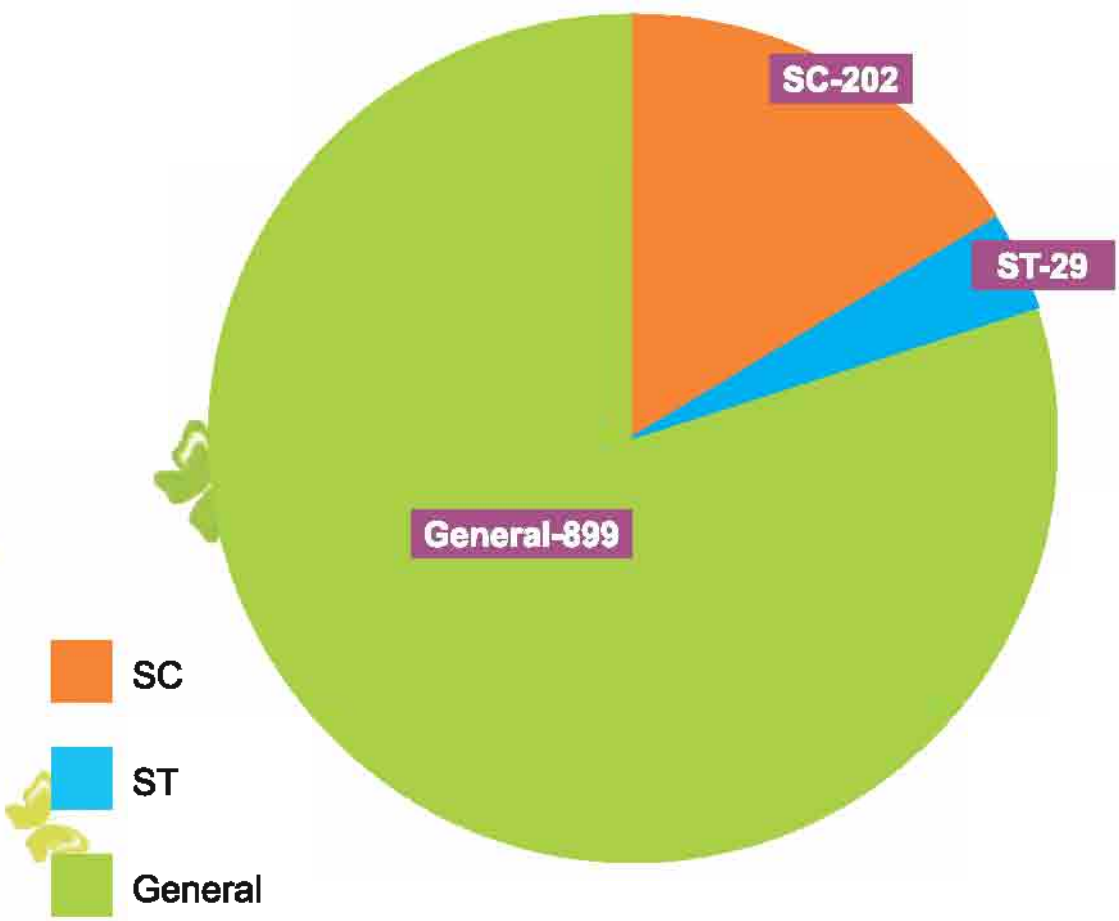

Total - 1130

चित्र 8 : पीएम के कौशल विकास कार्यक्रम के अधीन लाभार्थियों का विवरण – 2014–15 संवर्गवार

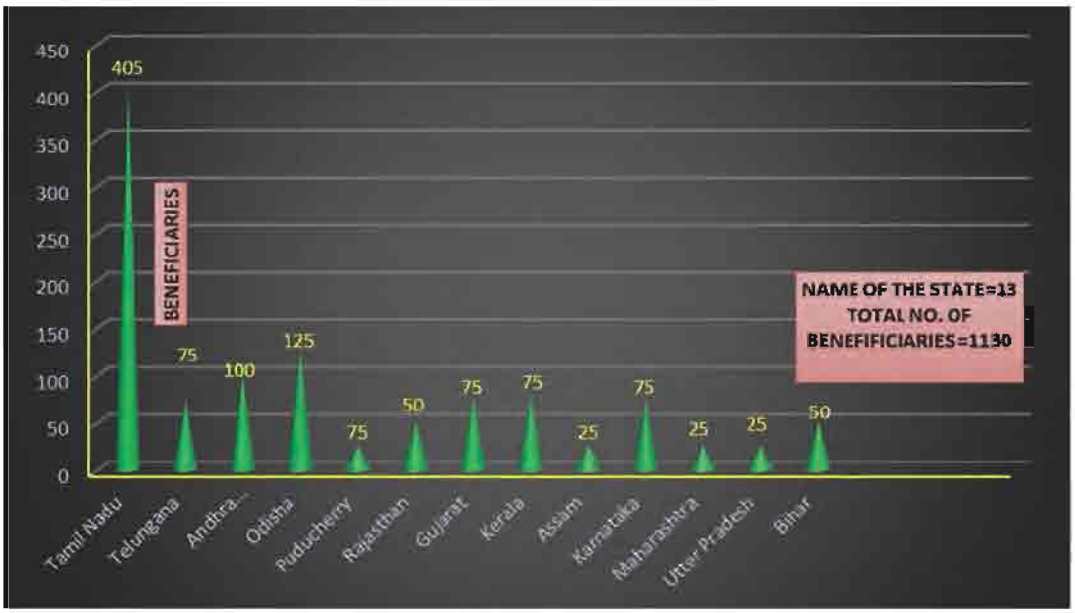

सिलाई – नागप्पट्टिणम

मोम बत्ति की तैयारी – कांजीपुरम

कागज थाली की तैयारी – गुजरात

डेरी फार्म – मयिलाडुदुरै

सारणी 43 : प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम – 2014–15 कार्यान्वयक संगठनों की सूची – राज्यवार / व्यापार

क्रम सं.	राज्य	व्यापार
1.	तमिलनाडु	गोशाला परियोजना
2.		सिलाई
3.		लिफाफा बनाना
4.		घरेलू सामग्रियों को ठीक करना
5.		सिलाई
6.		सिलाई व एम्ब्राइडरी
7.		गेहूँ का आटा पैकिंग
8.		सिलाई
9.		मोमबत्ती बनाना
10.		सिलाई
11.		डेरीफार्म
12.		आभूषण बनाना
13.		सीयी माला बनाना
14.		सिलाई
15.		कागज़ी प्लेट
16.		सीयी माला बनाना
17	तेलिंगाना	कम्यूटर प्रशिक्षण
18.		नर्सरी और कृषि
19.		स्पाइरल बाइण्डिंग
20	आँध्र प्रदेश	बुटिक और एम्ब्राइडरी प्रशिक्षण
21.		भोजन तैयार करना
22.		भोजन तैयार करना
23.		भेंट सामग्रियाँ
24.	उड़ीसा	नर्सरी
25.		अलंकार करना और त्वचा ध्यान प्रशिक्षण
26.		कृषि
27.		मोबाइल मरम्मत
28.		रस्सा बनाना
29.	पुदुच्चेरी	नर्सरी
30.	राजस्थान	बुनियादी मशीन सिलाई
31.		कम्प्यूटर प्रशिक्षण
32.	गुजरात	कागजी कप बनाना
33.		फर खिलौने बनाना
34.		कागजी कप
35.	केरल	फैशन डिज़ाइनिंग
36.		सुपारी (पत्ता) प्लेट बनाना
37.		बेडशीट डिज़ाइनिंग
38.	आसाम	मिसिल बनाना और स्क्रीन प्रिंटिंग
39.	कर्नाटक	सिलाई
40.		जूट उत्पाद
41.		सिलाई
42.	महाराष्ट्र	आभूषण बनाना

सफलता की कहानी – 1

सफलता की कहानी – 1

बेबी लक्षणा, 4 साल की बच्ची एनआईईपीएमडी में भौतिक चिकित्सा इकाई में मूल्यांकन के लिए माइलस्टोन में विकासात्मक देरी से पीड़ित हुई आयी। वह दस मिनट से अधिक तक रेंग सकती है और घुटने के बल बैठ सकती है। वह सीधे खड़े हो सकती है, पर शरीर को आधा घुटने की अवस्था में खड़ी नहीं हो सकती, रीढ़ मोड़कर काम नहीं कर सकती और उसमें श्रोणीय अस्थिरता तथा समन्वय की समस्या भी है।

हस्तक्षेप योजनाएँ:

- भौतिक चिकित्सा इकाई (एनडीटी इकाई) में एनडीटी अधिगम अपनाया गया।
- आरंभिक काल में नरम टीसू गूँथना, ढंग से शरीर को खींचकर खड़ा करना, जोड़ में दबाव और निकटता।
- विभिन्न अवस्थाएँ की गयीं और माँसपेशीयों को सुविधा देकर, बच्ची को अधिक क्रियाशील रहने का उत्साह बढ़ाकर और व्यायाम में खेल चिकित्सा तरीके अपनाये गये।
- खड़े होने का ढंग सुधारना, चाल प्रशिक्षण, संतुलित खड़े रहने का प्रशिक्षण, ट्रेडमील प्रशिक्षण और साइकिल चलाने का अभ्यास दिया गया।

उन्नतियाँ:

उसको 18–12–2013 से सप्ताह में दो बार 45 मिनट की अवधि की चिकित्सा दी गयी। खड़े होने में लगना, अर्द्ध घुटना खड़े होना, रीढ़ को खड़ा करके काम करना, आधा घुटने टेककर सीधे खड़े होना, एक पैर के सहारे खड़े होना, पालथी मार कर बैठकर फिर उठना – बैठना, और चाल प्रशिक्षण ट्रेडमील में दिये गये। चाल की गति बढ़ाने का क्रम अपनाया गया। अब वह अर्द्ध घुटने टेक सकती है, किसी की सहायता के बिना पालथी की अवस्था से खड़ी हो सकता है और निम्नतम सहायता के साथ वह स्वतंत्र रूप से चल सकती है।

सफलता की कहानी – 2

बेबी शामिना हमीद, 4 वर्ष 11 महीने की काफी क्रियाशील और मददकारी बच्ची है। वह व्यावहारिक चिकित्सा इकाई में विस्तृत मूल्यांकन करके व्यावहारिक चिकित्सा संबंधी समस्याओं को मूल्यांकन करने के लिए लाई गई।

उसका प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के साथ मानसिक मंदन और निम्न दृष्टि से संबंधित बहुविकलांग का निदान हुआ। उसका मंद चालक महीन चालक, मुँह का चालक, संज्ञानात्मक बोधात्मक क्षमताएँ, एडीएल क्षमताएँ और खेल क्षमताएँ उम्र के अनुसार नहीं हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा इकाई में हमने उसके व्यावहारिक चिकित्सा हस्तक्षेप किये जैसे खेल चिकित्सा, एनडीटी, क्रूस अधिगम, शारीरिक मशीनी अधिगम और विभिन्न ओ.टी. संभालने की तकनीक आदि की आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया।

हस्तक्षेप के द्वारा ऊपरी अंग–ढंग से खड़े होना, रीढ़ की हड्डी को नियंत्रित करने की क्षमताएँ मौखिक चालक क्षमताएँ आदि में संतोषजनक उन्नतियाँ पा गयी हैं। अब वह स्वसहयोग से बैठ सकती है और वह अपने घर के अन्दर और बाहर विकसित रूप से रेंग कर जा सकती है। उसके हाथ की क्रिया–क्षमता, सन्तोषजनक रूप से सुधर गयीं जैसे वस्तुओं को पकड़ना, खिलौनों को खेलने के लिए उठाना, रंग भरने के लिए खडिया वगैरह पकड़ना आदि। नजदीक रखी गयी वस्तुओं को अपने स्पर्शग्राह्य स्पर्श से ढूँढती है। उसकी संज्ञानात्मक बोधात्मक क्षमताएँ काफी सन्तोषजनक परिवर्तन दिखा रही है। वह बुनियादी स्वध्यान एडीएल क्षमताओं में, जैसे कूँची चलाना, खाना और बनावट श्रृंगार कर लेने की क्षमताओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है और सहयोग दे रही है। मौखिक चालक क्षमताएँ जैसे चबाना, काटना, निगलना आदि का संतोषजनक परिवर्तन दिखा रही है। लार टपकाने की समस्या उपरलिखित क्रियात्मक कार्यकलाप के द्वारा काफी हद तक कम हो गयी है।

विश्व विकलांग दिवस समारोह में चलायी गयी खेल प्रतियोगिता में सेम थैला उठाने की क्रिया में मुख्य अतिथि डॉ. वी. विश्वनाथन द्वारा उसे पुरस्कार मिला।

खेल क्षमताओं के क्षेत्र में उसकी उन्नतियाँ संतोषजनक परिवर्तन दिखा रही हैं (निकट उम्र के अनुसार) उदाहरणार्थ : खेल सामग्री पर स्व आकर्षण, निकट पहुँचना, पकड़ना और खिलौनों के काम लेना। उसके अभिभावकों को नियमित गृह कार्य दिये गये ताकि वह अपनी उम्र के अनुसार का विकास करे।

सफलता की कहानी – 3

मास्टर प्रवीण महाजन, 4 वर्ष और दो महीने के बच्चे को व्यावसायिक चिकित्सा इकाई में स्वलीनता वर्णक्रम विकार (एएसडी) का निदान किया गया। आंरभिक मूल्यांकन ने प्रकट किया कि उसको मुख्य रूप कमज़ोर नेत्र दृष्टि, ध्यान और संकेन्द्रण, संचार, सामाजिकता क्षमताएँ, कमजोर शैक्षिक क्षमता विकास और व्यावहारिक मामलों में शिकायतें थीं। मुल्यांकन द्वारा पता चला कि दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, द्वारमंडप और मिलनसार क्षमताओं में महत्वपूर्ण संवेदिक नियंत्रण, प्रगति, विभेदात्मक पंजीकरण की समस्याएँ देखी गयी। वह सामाजिक संचार में, सामाजिक पारस्परिक क्रियायों में और काल्पनिक खेल क्षमताओं में कमज़ोर था। प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद, वह संवेदिक एकीकरण चिकित्सा इकाई में व्यावसायिक चिकित्सा सेवा के लिए भेजा गया।

व्यावसायिक चिकित्सा ईकाई में हमने संवेदिक एकीकरण अधिगम (एसआईए), संज्ञात्मक व्यावहारिक अधिगम (सीबीए) और व्यवहार संशोधन अधिगम आदि नियत किया। इसके अतिरिक्त, उसने उन्हीं दिनों दृष्टि उत्तेजन प्राप्त किया ताकि उसका दृष्टि चालक एकीकरण मामलों को कम किया जा सके। उपरलिखित व्यावसायिक चिकित्सा सेवा द्वारा उसने बैठने के सहिश्णुता – स्तर में महत्वपूर्ण उन्नति पाया। उसका ध्यान समय उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ा और साथ ही, उसने सक्रिय प्रतिभाग, चिकित्सा सत्र के दौरान सहकारिता में उन्नति दिखायी। अब वह 10–15 मिनट तक के लिए बैठने में सहिष्णुता, संकेन्द्रीकरण आदि दिये गये काम किसी ध्यानभंग के बिना पूरा कर पा रहा है और वह भी नियत चिकित्सा समय के दौरान अन्य बच्चों के साथ (खास दल पारस्परिक क्रिया) घुलने–मिलने लगा। और वह चालक योजना क्षमताओं में संतोषजनक परिवर्तन दिखाने लगा। उसने बुनियादी एडीएल क्षमताओं और खेल क्षमता विकास में महत्वपूर्ण उन्नति दिखायी। इन संतोषजनक परिवर्तनों को देखने पर, हमने उसके अभिभावकों को सुझाव दिया कि वे गृह वातावरण से नियमित व्यवहार संशोधन करें। हमने उसके अभिभावकों को सिफारिश की कि वे उस बच्चे को दैनिक कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेने का प्रोत्साहन दें।

सफलता की कहानी – 4

मास्टर वसन्त, दो साल का बच्चा एनआईईपीएमडी में जून 2014 में आया। उसका निदान हुआ कि उसमें माँसपेशियों की समस्या, निम्न दृष्टि है और किसी के छूने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाता है। वह केवल बिस्तर पर पड़ा रहा। तान्त्रिक–विकासात्मक चिकित्सा और स्माइल प्रशिक्षण की सहायता से वह इस लक्ष्य–स्थिति तक आया। वह अपना गला पकड़ पाया, गला चारों तरफ घुमाया ताकि वह अपनी माँ को देख सके। उसके नेत्र और हाथों की सहकारिता भी विकसित हुई। जब वह वाणी उत्तेजन नियमित रूप से लेने लगा, तब वह बोलने लगा। वसन्त अब इस इकाई में सभी व्यक्तियों के साथ घुल–मिल गया और हरेक को पहचानने लगा। जब उसको किसी चीज़ की जरूरत है तब वह सहायता के लिए बुलाता है। दिन में बच्चे में प्रतिदिन पाँच बार मुस्कुराना पाकर शीघ्र हस्तक्षेपकर्ता का कहना है कि लक्ष्य अब उसके अभिभावकों पर है।

अध्याय 5

सहायक उपकरणों की खरीद/फिटिंग हेतु निःशक्तजनों की सहायता (एडिप) सेवाएँ

यह संस्थान विकलांग व्यक्तियों के लिए क्रय के लिए/साधनों और उपकरणों को बिठाने की (एडीआईपी) योजना के अंतर्गत भारत सरकार के अधीन उपकरण और सहायक साधन दे रहा है। उपकरणों/साधनों का प्रावधान जो अशक्त व्यक्तियों के सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक पुनर्वास के लिए आवश्यक है, अब खास ध्यान में आया है, विशेषकर विकलांगजन अधिनियम (समान मौके, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण प्रतिभाग) अधिनियम, 1995 के बाद जो कि 1996 में लागू हुआ।

इस योजना का मुख्य लक्ष्य है – विकलांग व्यक्तियों को आवश्यक सहायता प्रदान करना, स्थायी, सुविधाजनक और वैज्ञानिक ढंग से उत्पादित, आधुनिक, मानक साधन और उपकरण प्राप्त करना जिनसे उनका शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पुनर्वास की उन्नति करें, उनके विकलांगों का प्रभाव कम करके उनकी आर्थिक क्षमता बढ़ायें। इस योजना के अधीन दिये गये साधन और उपकरण जहाँ तक हो सके बीआईएस के विनिर्देशन के अनुरूप हों। यह योजना अपनी परिधि के अन्दर, चिकित्सीय/शल्य चिकित्सीय सुधार और हस्तक्षेप शामिल करे, जो साधनों और उपकरणों को बिठाने के पहले अनिवार्य हो।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अशक्त व्यक्तियों को सहायक उपकरण वितरण करने के लिए इस संस्थान को एक कार्यान्वयन अभिकरण के रूप में चुना है। समुदाय की आवश्यकता और अनिवार्यता के अनुसार मूल्यांकन और वितरण शिविर आयोजित किए गए। राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारित संस्थान (एनआईईपीएमडी) ने विभिन्न स्थानों और केन्द्रों में भारत सरकार की एडीआईपी योजना के कार्यान्वयन के लिए शिविर आयोजित किये जिनमें 13686 साधन और उपकरण 6953 बहुविकलांग व्यक्तियों को इस प्रतिवेदित वर्ष 2014–15 के दौरान प्रदान किये गये। इसका विवरण निम्नलिखित है:–

सारणी 44 : 2014–15 वर्ष के लिए एडीआईपी योजना के अधीन लाभार्थियों का विवरण

क्रम स.	राज्य	प्रान्त	शिविर की तारीख	लाभभोगियों का विवरण				कुल
				ओएच	वीएच	एमएच	एचएच	
1.	तमिलनाडु	धर्मपुरी	27.05.14	106	–	87	49	242
		काँचीपुरम	13.06.14	96	–	406	–	502
		विलुपुरम	17.06.14	–	–	450	–	450
		पेरम्बलूर	18.06.14	13	–	–	–	13
		तेनकासी	26.06.14	–	–	117	–	117
		अरियलूर	11.10.14	43	–	–	–	43
		नामक्कल	20.12.14	115	28	25	148	316
2.	केरल	वयनाडु	12.08.14	5	–	20	68	93
		कण्णुर	14.10.14	10	12	34	37	93
		मलपुरम	21.10.14	17	49	59	35	160
		कोषिकोड्डु	–	110	–	–	16	126
3.	उड़ीसा	केनोझेर	02.06.14	108	30	40	192	370
		भुवनेश्वर	02.06.14	24	128	18	52	222
4.	आँध्र प्रदेश	चित्तूर (तिरुपति)	27.10.14	473	283	773	156	1685
5.	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट	18.09.14	224	181	–	176	581
6.	बिहार	पटना	01.05.15	–	–	–	431	431
7.	राजस्थान	जोधपुर	18.09.14	–	372	–	–	372
8.	मुख्यालय	–	–	280	106	482	269	1137
			सर्वकुल	1624	1189	2511	1629	6953

मणिपुर में वितरण शिविर के दौरान एक लाभार्थी माननीय मंत्री श्री थावर चन्द गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार से श्रवण यन्त्र प्राप्त करते हुए

तिरुपति में वितरण शिविर के दौरान एक लाभार्थी माननीय मंत्री श्री थावर चन्द गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार से तिपहिया साईकिल प्राप्त करते हुए

सारणी 45 : 2014–15 वर्ष के लिए एडीआईपी योजना के अधीन दिये गये साधनों और उपकरणों का वितरण

क्रम सं	विवरण	उपकरणों की संख्या
1.	तिपहिया	823
2.	पहियेदार कुर्सी	594
3.	बैसाखी	349
4.	चलन छड़ी	175
5.	वाक्कर	72
6.	रोलेटर	51
7.	चतुषफली	42
8.	खड़े होने का चौखटा	3
9.	सीपी कुर्सी	99
10.	कोने की कुर्सी	31
11.	कृत्रिम अंग	243
	मानसिक विकलांग के साधन	
12.	टीएलएम 0–3 वर्ष	371
13.	टीएलएम 4–6 वर्ष	1069
14.	टीएलएम 7–10 वर्ष	658
15.	टीएलएम 10+ वर्ष	413
	श्रवण विकलांग के उपकरण	
16	नरम क्लास	154
17.	मध्यम	593
18.	गहरा	743
19.	अतिरिक्त गहरा	1880
	दृष्टि विकलांग के साधन	
20.	सफेद छड़ी	791
21.	ब्रेइल थैला	100
22.	ब्रेइल घड़ी	445
23.	सीडी प्लेयर	1210
24.	ब्रेइल स्लेट	661
25.	टेयलर फ्रेम	474
26.	अबेकस	417
27.	ज्योमेट्री सेट	691
28.	ब्रेइल प्लेट (अंग्रेजी)	72
29.	हाथ आवर्धक	27
30.	स्टैंड आवर्धक	134
31.	हस्ताक्षर निर्देशक	18
32.	क्रिकेट गेंद	166
33.	चेस बोर्ड – सामग्रियां सहित	117
	सर्वकुल	13686

सारणी 46– एडीआईपी योजना के अधीन निधि

वर्ष	आद्य शेष	प्राप्त सहायक अनुदान	प्राप्ति की तारीख	खर्च	अन्त शेष
		ब्याज बचत खाते में			
2011–12	2,80,84,647	नहीं	–	रू. 75,51,676	रू. 2,15,11,406
		रू. 9,78,435			
2012–13	2,15,11,406	नहीं	–	रू. 2,15,93,428	रू. 5,24,920
		रू. 6,06,942			
2013–14	5,24,920	2,25,000	28.09.2013	रू. 1,76,35,983	रू. 56,37,023
		2,48,086	27.12.2013		
2014–15	56,37,023	2,00,00,000	31.03.2014	रू. 2,56,37,023	नहीं
		2,92,623	14.08.2014		
		तिरूपति में एडीआईपी विशेष शिविर			
2014–15	नहीं	1,09,88,190	30.09.2014	रू. 1,09,88,190	नहीं
		मणिपुर में एडीआईपी विशेष शिविर			
2014–15	नहीं	50,00,000	26.02.2015	रू. 43,83,303	रू. 6,16,697

अध्याय 6

अनुसंधान और विकाससेवाएँ

अनुसंधान और विकास इस संस्थान का एक मुख्य लक्षण और उद्देश्य है। बहुविकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास के क्षेत्र में यह संस्थान चलाता है। विभिन्न विभागों के शिक्षकगण सक्रिय रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं, जो बहुविकलांग व्यक्तियों को स्तरीय ध्यान ने उद्देश्य से किये जा रहे हैं। यह संस्थान ऐसी परियोजनाओं को आन्तरिक निधि का प्रावधान करके और अन्य आन्तरिक संरचना का प्रावधान करके उन्हें प्रोत्साहन दे रहा है। ऐसी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन देने हेतु एक शैक्षिक समिति बनायी गयी है। ऐसे चलायी गयी अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

1. भारत में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए वर्तमान सेवा प्रावधान : एक आंकड़े पर आधारित संकलन

बहुविकलांग व्यक्तियों में विभिन्न विकलांगों का सम्मिश्रण होता है जैसे शारीरिक गति, मानसिक मंदता, दृश्य, श्रवण और अन्य सहसंबंधी विकलांग। इस प्रकार देश भर में प्राप्त वर्तमान सेवाओं और सेवा प्रकार से संबंधित एक आंकड़ा बैंक अति आवश्यक है।

परियोजना की कालावधि तीन वर्ष की है और परियोजना का अनुमानित खर्च रू. 10 लाख है। यह कार्य समाज कार्य विभाग में हो रहा है। आज तक इस परियोजना के लिए रू. 7,74,000/– खर्च किये गये हैं।

उद्देश्य:

भारत में बहुविकलांग व्यक्तियों को अपनी सेवायें देनेवाले वर्तमान संगठनों और संस्थानों के संकलित आँकड़ा आधार का प्रावधान करना।

लक्ष्य:

- बहुविकलांग व्यक्तियों पर काम करने वाले संगठनों/संस्थाओं का पता संकलित करना और वर्गीकृत करना।
- भारत भर में बहुविकलांग व्यक्तियों को प्राप्त सेवायें संबंधी सूचना संकलित करना।
- बहुविकलांग व्यक्तियों को उपलब्ध सेवा वितरण प्रकारों से संबंधित सूचना का पुनरीक्षण करना।
- बाहर के लाभार्थियों को दीर्घकालीन पुनर्वास के लिए संगठनों/संस्थानों को भेजना।
- बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए प्रभावी सेवायें प्रदान करने के लिए एनजीओ की आवश्यकताओं का मूल्यांकन करना।

प्रत्याशित परिणाम:

- बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए सेवाओं का प्रावधान करने वाले वाले संगठनों/संस्थानों की सूची का आँकड़ा बैंक।

- जिलेवार संगठनों / संस्थानों की निर्देशिका का प्रलेख तैयार करना।
- आगे के अनुसंधान के लिए देश भर का आँकड़ा संकलित करना।
- एनआईईपीएमडी में असाधारण सेवा वितरण मॉडल तैयार करना।
- तमिलनाडु और अन्य प्रान्तों में काम करनेवाले एनजीओ के साथ नेटवर्किंग।
- प्रकाशन और प्रस्तुतिकरण।

वर्तमान स्थिति:

- देश भर में फैले हुए कुल 223 संगठनों के विवरण एकत्रित किये गये।
- एकत्रित आँकड़ों की जाँच–पड़ताल, संपादन और संकलन का कार्य जारी है।
- प्रूफ रीडिंग, अन्तिम छपाई, ग्रंथाकरण और रूपांकन जारी है।

2. यन्त्रचालित उपकारण द्वारा क्षमता प्रशिक्षण की बनावट में बहुसंवेदिक विकृतिवाले बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए तकनीकी अनुकूलन।

एनआईईपीएमडी के वयस्क आत्मनिर्भरता जीवन विभाग, विज्ञान और तकनीक विभाग (डीएसटी) के सहयोग के साथ विकलांग और प्रौढ़ तकनीक हस्तक्षेप (डीआईडीई) की योजना के अन्तर्गत "यन्त्रचालित उपकारण द्वारा क्षमता प्रशिक्षण की बनावट में बहुसंवेदिक विकृतिवाले बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए तकनीकी अनुकूलन" शीर्षक पर एक परियोजना बनायी गयी।

जैसे मामूल है कि उच्चतक परिणाम पाने के लिए क्षमता प्रशिक्षण बनावट में प्रौढ़ों को प्रशिक्षण देने विशेशकर बहुविकलांग व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने में उचित योजना बनाना और उचित अनुकूलन करने की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखकर, उक्त परियोजना प्रौढ़ स्वतंत्र जीवन (एआईएल) विभाग में शुरू की गयी। स्वतंत्र भाव को उद्दीप्त करने के मूल सिद्धान्त पर यह उपकरण काम करता है। इस तरीके से हर व्यक्ति स्वतंत्र रूप से क्षमता प्रशिक्षण बनावट में आधारभूत आवश्यक कार्य कर लेने के लिए अनुकूलित किया गया। इसी प्रकार यही प्रक्रिया गृह वातावरण में साधारणीकरण के लिए भी निर्मित की गयी।

इस परियोजना को विज्ञान और तकनीक विभाग द्वारा निधि प्राप्त हुई। इस परियोजना की कालावधि दो वर्ष की है जिसकी संस्वीकृत लागत रू. 3 लाख है। परियोजना का परिणाम हैदराबाद में 10 जनवरी 2014 को हुई पुनरीक्षण बैठक में पुनरीक्षित हुआ। उक्त परिणाम निम्नलिखित हैं:–

- मॉडल प्रारूप का विकास।
- स्पर्श भाव की मुख्य उद्दीप्त सिद्धान्त पर यह उपकरण काम करता है।
- अधिगम सिद्धान्तों पर कार्य।
- हाथ में पहने जाने वाला यंत्र।

- ऑन/ऑफ स्विच के साथ की–बोर्ड आपरेशन।
- डी.सी. वोल्ट और सूर्यशक्ति चालित।
- प्रभावी लागत।
- संभालना आसान।

निम्नलिखित मंच पर उपरलिखित सूचना की चर्चा हुई और बाँट ली गयी:–

- विज्ञान और तकनीक विभाग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित ''बहुविकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के लिए टीआईडीई प्रदर्शनी'' सह प्रतिपादन में 3 दिसम्बर 2014 को एक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया।
- भारतीय उद्योग का संघटन, टीएनपीसी, एनआईईपीएमडी द्वारा 22 अगस्त 2014 को आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया।

3. तन्यता, क्वाड्रिप्लेजिक प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले लाभार्थियों के लिए सार्वजनिक विचार–विमर्श तरीका प्राचल और हस्तक्षेप पर एक अध्ययन

क्वाड्रिप्लेजिक लाभार्थी सार्वजनिक विचार–विमर्श में अधिक परिवर्तन पाते हैं। इस प्रकार की चलन क्षति तन्यता क्वाड्रिप्लेजिक प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात में देखी जा सकती है। अतः उनके सार्वजनिक विचार विमर्शीय प्राचलन को मूल्यांकित करना आवश्यक हो गया है। इस परियोजना की कालावधि 3 वर्ष की है और परियोजना की अनुमानित लागत रू. 5 लाख है। आजतक इस परियोजना में रू. 60,000/– तक का खर्च किया गया है।

उद्देश्यः

तन्यता क्वाड्रिप्लेजिक प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात वाले लाभार्थियों के सार्वजनिक विचार–विमर्श तरीका प्राचल पर अध्ययन करना और उसके लिए हस्तक्षेपी संलेख बनाना।

प्रणाली–विज्ञानः

यह अध्ययन क्रमित तरीके से क्रियान्वित करने की दृष्टि से परितोशित की गयी है।

1. समावेशन मापदण्ड से मिलकर उचित लाभार्थियों को पहचानना।

गृह वातावरण में बहुविकलांग वयस्कों का अनुकूलन

2. कम्प्यूटरीकृत श्वासमयी का उपयोग करके संवातक प्राचल का मूल्यांकन करना।
3. सामान्य तरीकों के साथ श्वसनीय प्राचल के मूल्य की तुलना करना।
4. कमी के क्षेत्र पहचानना और उचित फुप्फुसीय पुनर्वास संलेख का उपकरण ढूंढ निकालना।

आरंभिक मूल्यांकन चालीस लाभार्थियों पर हुआ, जिनमें से 20 लाभार्थी परीक्षण में हैं और 20 लाभार्थी नियंत्रित दल में हैं। परीक्षणात्मक दल के लिए चिकित्सात्मक कार्यक्रम चलाया गया।

फुप्फुसीय प्रशिक्षण में जो तरीके शामिल हैं :–

1. श्वास का अभ्यास
2. कंधे/कंधे करधनी का सक्रिय अभ्यास
3. वक्षीय विस्तार अभ्यास
4. तन्तुपटीय दृढ़करण अभ्यास आदि।

ये अभ्यास फुप्फुसीय आकार के आवर्तक छः सप्ताह के लिए दिये गये 40 लाभार्थयों (20 परीक्षणत्मक और 20 नियंत्रित दल) का आँकड़ा–विश्लेषण किया गया है।

परिणामः यह अध्ययन यही दिखाता है कि तन्यता क्वाड्रिप्लेजिक प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के लाभार्थियों के लिए फुप्फुसीय पुनर्वास का प्रावधान करके फुप्फुसीय मूल्य सुधर गया है।

निष्कर्ष : चिकित्सात्मक सेवा के एक अंग के रूप में फुप्फुसीय पुनर्वास होता है। वैज्ञानिक समुदाय को एक अनुसंधान अध्ययन के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसएएसीसी) में इस अध्ययन की प्रस्तुति हुई।

वर्तमान स्थितिः पूरा हो गया है।

4. बहुविकलांग बच्चों में निद्रा पद्धतियों और उनका दैनिक कार्यकलापों में प्रभाव पर एक अध्ययनः

परिचयः

बहुविकलांग लाभार्थियों की निर्विघ्न निद्रा में बार–बार समस्याएँ होती हैं। अनिद्रा के कारण ध्यानभंग, चिड़–चिड़ाहट और व्यतिकरण पैदा होते हैं। अतः निद्रा पद्धतियाँ और निद्रा अव्यवस्थाओं की चिकित्सा उपरलिखित कठिनाइयाँ दूर करने में सहायक रहेंगी। इस परियोजना की अवधि 3 वर्ष की है और इस परियोजना के लिए रू. 7.5 लाख की रकम निर्धारित की गयी है।

उद्देश्य:

50 बहुविकलांग लाभार्थियों की निद्र पद्धति का अभिलेख करना, उनकी निद्रापद्धति का विश्लेषण करना और हस्तक्षेप करना।

प्रत्याशित परिणाम:

अपर्याप्त निद्रा से पीड़ित लाभार्थियों को दीर्घ निद्रा लेने दी जायेगी और इस प्रकार की चिड़चिड़ाहट कम करने तथा जीवन स्तर बढ़ाने का प्रयत्न किया जायेगा। बहुविकलांग बच्चों के लिए जो निद्रा अव्यवस्थाओं से पीड़ित हैं उन्हें उचित चिकित्सा देने में सहायता भी होगी।

वर्तमान स्थिति:

बहुविकलांग और निद्रा की समस्याओं से पीड़ित 30 बच्चों को पहचाना गया। निद्रा पद्धतियों के मूल्यांन संबंधी प्रपत्र तैयार किया गया। एक समझौता (एमओयू) तैयार किया गया और 'निद्रा' स्पील क्लीनिक, चेन्नई के डॉ. रामकृष्णन द्वारा हस्ताक्षर किया गया। निद्रा अभिलेख पॉलिसोम्नोग्राफी के लिए लाभार्थी चिकित्सालय भेजे गये। राते के 9.30 बजे से लेकर बच्चों के उठने तक निद्रा पद्धति का अध्ययन किया गया। इन निद्रा विश्लेषण में 23 बच्चे भेजे गये। रिपोर्ट दिखाता है कि बच्चों में तीव्र दृष्टि संचलन निद्रा (आरईएम), खर्राटे की बाधाएँ, अपर्याप्त भोजन, झटके की बाधाएँ, देरी से सोना, दृष्टि क्षति के बच्चे में तीव्र दृष्टि संचलन निद्रा आदि समस्याएँ हैं। अतिक्रियाशील बच्चों में निद्रा का अभिलेख लेना कठिन था, क्योंकि उन बच्चों ने सिर पर बंधे संवेदी इलक्ट्रोडों को निकाल दिया। चिकित्सालय ने अतिक्रियाशील बच्चों को निद्रा पद्धति का अभिलेख लेने के लिए अनुकूल बनाया है। डॉ. रामाकृष्णन, निद्रा अव्यवस्थाओं के विशेषज्ञ ने एक उपकरण बताया है जो बच्चों में अश्वसन आघात को रोकेगा। निम्नलिखित प्रकार की उन्नति देखी गयी है:– ध्यान का समय विस्तृत हुआ क्योंकि बच्चों की अविरत निद्रा की अवधि लंबी हो गयी। मूल्यांकित सभी 23 बच्चों के लिए दवाई देना, व्यायाम और घर में निद्रा – कक्ष में संशोधन किये गये। अभिभावकों का कहना है कि निद्रा पद्धति में विलक्षण उन्नति हुई है।

सारणी 47 : 2014-15 में पत्रिकाओं में अनुसंधान प्रपत्रों का प्रकाशन

क्र.स.	शिक्षक का नाम	प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम
1.	श्री नचिकेता राउत	बहुविकलांग : अभिभावकों का परिप्रेक्ष्य	इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड रिसर्च पब्लिकेशन्स 4(8) 2014
2.	श्री नचिकेता राउत	अंग्रेजी और बांग्ला में उच्च और निम्न शैक्षिक प्राप्तिकर्ताओं में ध्वनिक क्षमताएँ	इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड रिसर्च पब्लिकेशन्स 4(8) 2014
3.	श्री पी.रघुराम व डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन	अर्धांगगत प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बच्चों में ऊपरी अंग समन्वयन, गति और दक्षता पर हाथ भुजा द्विहस्त गहरी चिकित्सा का प्रभाव	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, अक्टूबर, 2014
4.	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन और श्री राजेश रामचन्द्रन	स्वलीन वर्णक्रम विकार और मानसिक म ंदन के प्राइमरी बच्चों में हिन्दुस्तानी सांस्कृतिक वाद्ययंत्रों के संगीत में सीखना, चित्र अंकन की क्षमताओं के प्रभाव पर एक अध्ययन	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014
5.	श्री राजेश रामचन्द्रन	एएसडी के प्राथमिक स्तर के बच्चों में एकल अंक व्यवकलन पर सीधे अनुदेश के प्रभावों का अध्ययन	मानवता और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की पत्रिका पुस्तक 2(9) 2014
6.	श्री नचिकेता राउत व श्रीमती अंकिता कुमारी	श्रवण क्षति के बच्चों के लिए व्यक्तिवृत्त प्रपत्र	ओटोलारिन्गोलोजी की पाकिस्तान पत्रिका पुस्तक 30 (2014)
7.	श्री नचिकेता राउत	भारतीय वेबपेजेस पर अधिगमन का प्रयोग : एक पुनरीक्षण	भारतीय पुनर्वास परिषद् पुस्तक 8 (1 व 2) जनवरी–दिसम्बर, 2012

8.	श्री सुश्मित मिश्रा, श्री नचिकेता राउत	क्रियात्मक स्मृति के साथ अंग्रजी उच्चारण	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
9.	श्री नचिकेता राउत, श्रीमती गायत्री पुरुषोत्तमन	वाक् प्रशिक्षक, समावेशन, एसएलडी तथा डीएसएम–5	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय स म्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
10.	श्री नचिकेता राउत, श्रीमती गायत्री पुरुषोत्तमन	भारतीय भाषाओं का पठन एवं उच्चारण–अंग्रेज़ी भाषा में लिखना एवं उच्चारण	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
11.	श्रीमती पूनम कुमारी, श्रीमती सौदामिनी, श्री सुमन कुमार, श्री नचिकेता राउत	अधिगम अक्षम बच्चों तथा विकासशील बच्चों में हिन्दी तथा अंग्रेज़ी भाषा के फोनिक कौशल के विकास पर एक अध्ययन	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
12.	श्री जॉय फिलिप, श्री नचिकेता राउत	विकलांग बच्चों के संप्रेषण विकास के लिए सॉफ्टवेयर का विकास	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
13.	श्रीमती कला समयन, श्री नचिकेता राउत श्री धनवन्दन कुंजु	स्वलीन बच्चों के कठिनाई वाले व्यवहार	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7
14.	श्रीमती अनुभूति नागर, श्री नतिकेता राउत	अंतरविभागीय उपागम : एक वाक्प्रशिक्षक की दृष्टि से	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक 2(9) 2014 ISBN : 978-81-928032-2-7

सारणी 48 : 2014-15 के दौरान प्रकाशित पुस्तक

क्र. स.	पुस्तक का नाम	लेखक	आईएसबीएन संख्या	वर्ष	विषय	भाषा
1.	श्रवण यंत्र रखरखाव मैन्युअल	श्री नचिकेता राउत तथा श्री श्रीधर आर	978–81–928032–1–0	2014	वाक्, श्रवण तथा संप्रेषण	अंग्रेजी
2.	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, पुस्तक	एनआईईपीएमडी	978–81–928032–2–7	2014	बहुविकलांगता	अंग्रेजी
3.	बाधिराँधता	डा. नीरधा चन्द्रमोहन तथा श्री डी. स्टेलिन अरूल रीगन	978–81–928032–3–4	2014	बाधिराँधता	अंग्रेजी
4.	श्रवण यंत्र परामर्श तथा वाक् प्रशिक्षण	श्री नचिकेता राउत तथा श्री श्रीधर आर	978–81–928032–5–8	2015	वाक्, श्रवण तथा संप्रेषण	अंग्रेजी
5.	बहुविकलांगता पर पुस्तिका	डा. नीरधा चन्द्रमोहन तथा श्री के. बाला भास्कर	978–81–928032–7–2	2015	बहुविकलांगता	आसामिस
6.	संप्रेषण विकास – एक क्रियात्मक पुस्तिका	श्री नचिकेता राउत तथा श्रीमती प्रियदर्शिनी कामराज	978–81–928032–4–1	2015	बहुविकलांगता	अंग्रेजी

अध्याय 7

महत्वपूर्ण घटनाएँ

सेवा और शैक्षिक कार्यकलाप जैसे नियमित कार्यों के अलावा, यह संस्थान विभिन्न विशेष कार्यक्रम और बहुविकलांग व्यक्तियों की बेहतरी के लिए, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अभिज्ञा कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

7.1. सचिव का आगमन : श्रीमती स्तुति कक्कड़, सचिव भारत सरकार, विकलांगता मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के एनआईईपीएमडी मे 23 अप्रैल 2014 को भ्रमण किया और बहुविकलांग व्यक्तियों को दिये जानेवाले विभिन्न सेवा कार्यकलापों का पुनरीक्षण किया।

7.2 आरसीआई के अध्यक्ष का भ्रमण:

प्रो. सुदेश मुखोपाद्याय, अध्यक्ष, आरसीआई ने 7 अप्रैल 2014 को एनआईईपीएमडी में भ्रमण किया। उस समय डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी ने उनको विभिन्न विभागीय कार्यकलापापें का विवरण दिया। आरसीआई के अध्यक्ष ने भारत सरकार की केन्द्र खण्ड छात्रवृत्ति योजना के अधीन योग्य अनुसूचित जाति के छात्रों को 'लेपटॉप' वितरित किये।

7.3 स्वलीनता जागरूकता:

एनआईईपीएमडी ने 2 अप्रैल 2014 को स्वलीनता जागरूकता दिवस मनाया। उक्त अवसर पर एनआईईपीएमडी ने स्वलीन व्यक्तियों के लिए 1 अप्रैल 2014 को चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की। चेन्नई में और निकटस्थ स्थानों पर स्वलीन दिवस के बैनर लगाये गये। स्वलीनता जागरूकता पर पैम्फलेट दिये और दैनिक समाचार पत्रों में भी छपवाये। 2 अप्रैल 2014 को स्वलीनता के और अन्य विकलांगों तथा प्रशिक्षणार्थी छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. अन्बुदुरै, मनोवैज्ञानिक, हिन्दू मेडिकल मिशन, चेन्नई मुख्य अतिथि रहे। चित्रांकन प्रतियोगिता विजेताओं के मुख्य अतिथि ने पुरस्कार वितरित किये।

7.4 प्रदर्शनी:

विद्यासागर द्वारा 12–13 अप्रैल 2014 को आयोजित प्रदर्शनी यह विक्रय मेले में एनआईईपीएमडी ने भाग लिया।

7.5 कुलपति का भ्रमण:

डॉ. निशिथ राय, कुलपति, डॉ. शकुन्तला मिश्रा, पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ ने 2 मई 2014 को एनआईईपीएमडी में भ्रमण किया।

7.6 आतंकवाद निषेध दिवसः

भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी का शहीदी दिवस 21 मई 2014 को आतंकवाद निषेध दिवस मनाया गया। इस संबंध में डॉ. विजय शंकर शर्मा, निदेशक (प्रभारी) और श्री एस. शंकर नारायणन, उपकुलसचिव एनआईईपीएमडी ने अपने शिक्षक कर्मचारियों को आतंकवाद निषेध दिवस की शपथ दिलायी।

7.7 हेलन केलर दिवसः

एनआईईपीएमडी ने डॉ. हेलन केलर का 134वाँ जन्मदिवस 27 जून 2014 को मनाया। इस अवसर पर एनआईईपीएमडी ने बधिराँधता (आँखों पर पट्टी बाँधने और कान में टेंठी लगाने का कार्यकलाप) पता लगाने के अनुरूपण कार्यक्रमों का आयोजन किया। डॉ. हेलन केलर (मिरकिल वर्कर) की फिल्म दिखायी गयी और 20 सीडी प्लेयर और 20 श्रवण यन्त्र विकलांग व्यक्तियों को वितरित किये गये। प्रो. जयचन्द्रन, निदेशक, विजय ह्यूमन सर्विसेस, चेन्नई उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि रहे।

7.8 उपाधि ग्रहण उत्सव और पूर्व छात्र मिलनः

बी.एड विशेष शिक्षा (एमडी) का द्वितीय उपाधिग्रहण उत्सव 16 अप्रैल 2014 को एनआईईपीएमडी में हुआ। सुश्री किरण पुरी, आईएएस, जेएस व एफए, एमएसजे व ई, भारत सरकार, मुख्य अतिथि रहीं और प्रो. वी.एस. सुन्दर, इंस्टिट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइन्सेस, चेन्नई उक्त अवसर पर विशेष अतिथि थे। लगभग 25 स्नातकों ने डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त किये। एनआईईपीएमडी के पुराने छात्रों का मिलन भी 16 अगस्त 2014 को आयोजित किया गया।

7.9 स्वतंत्रता दिवसः

एनआईईपीएमडी ने 15 अगस्त 2014 को 68वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, ने राष्ट्र ध्वज फहराया और स्वतंत्रता दिवस भाषण दिया।

7.10 सद्भावना दिवस का अनुपालनः

श्री राजीव गांधी, भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री का जयन्ती स्मरणोत्सव 20 अगस्त 2014 को सद्भावना दिवस के रूप में अपनाया गया। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक ने अपने कर्मचारियों को सद्भावना दिवस की शपथ दिलायी।

7.11 सम्मेलन और प्रदर्शनीः

एनआईईपीएमडी और कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इण्डस्ट्री (सीआईआई), चेन्नई के सम्मिलित तत्वाधान में "सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियाँ : जीवन के उन्नत स्तर के लिए सम्मिलित तकनीकियाँ" पर अगस्त 2014 को एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री एस. श्रीधरन, भूतपूर्व अध्यक्ष, सीआईआई, चेन्नई, अंथल व प्रबन्ध निदेशक ने विशेष भाशण दिया। श्री राजा शणमुखम, अध्यक्ष और मुख्य लोक अधिकारी, हैप्पियस्ट मैण्ड्स टेक्नालोजीस प्रा. लि., चेन्नई ने विषय वस्तु का भाषण दिया और उक्त अवस

पर डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक, एनआईईपीएमडी ने विषय विशेष भाषण दिया। उक्त सम्मेलन में एनआईईपीएमडी ने स्टाल भी लगाया। बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए अनुकूलनीय उपकरणों और टीएलएम सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया।

7.12 एनआईईपीएमडी में मंत्री का भ्रमणः

मननीय मंत्री श्रीमती उमा देवी, महिला और बाल विकास, उड़ीसा सरकार और श्रीमती कस्तूरी मोहपात्रा, राज्य निःशक्तता आयुक्त, उड़ीसा सरकार ने एनआईईपीएमडी में 25 अगस्त 2014 को भ्रमण किया।

7.13 आधारशिला स्थापना उत्सवः

एनआईईपीएमडी में 26 सितम्बर 2014 को जल चिकित्सा पूल और एथलेटिक ट्रैक की आधारशिला स्थापना समारोह 26 सितम्बर 2014 को मनाया गया। माननीय मंत्री श्री थावर चंद गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार ने माननीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत, एमएसजे व ई, भारत सरकार की उपस्थिति में आधारशिला रखी। विकलांग व्यक्तियों को दी जानेवाली विभिन्न सेवाओं का मंत्रियों ने भ्रमण कर अवलोकन किया तथा उक्त समारोह में मंत्रियों ने "बधिराँधता" शीर्षक पर एक पुस्तक का विमोचन किया।

7.14 एडीआईपी शिविर और प्रदर्शनीः

एनआईईपीएमडी ने एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरूपति में 27 सितम्बर 2014 को विकलांग व्यक्तियों के साधनों और सहयोगशील उपकरणों का वितरण शिविर का आयोजन किया। माननीय मंत्री श्री थावर चंद गहलोत, एमएसजे व ई, भारत सरकार व माननीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत, एमएसजे व ई, भारत सरकार ने लाभार्थियों को सामग्रियों और उपकरणों का वितरण किया। मंत्रियों ने एनएलएल, अलिमको, और अन्य विभागों द्वारा लगाये प्रदर्शनी स्टालों का भी उद्घाटन किया।

7.15 स्वच्छ भारत मिशन :

महात्मा गाँधी का जन्म दिवस स्मरणोत्सव 2 अक्टूबर 2014 को मनाने के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत अनुपालन की शपथ लेने के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार एनआईईपीएमडी ने स्वच्छ भारत रैली का आयोजन किया। डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन, निदेशक ने एनआईईपीएमडी के कर्मचारियों को स्वच्छ भारत की शपथ दिलायी और कर्मचारियों द्वारा एनआईईपीएमडी परिसर के अन्दर और निकटस्थ स्थानों पर स्वच्छता कार्य भी चलाया गया।

7.16 राष्ट्रीय कार्यशाला :

एनआईईपीएमडी ने गोवा में 9–10 अक्टूबर 2014 को बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की।

7.17 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:

एनआईईपीएमडी ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। इस अवसर पर स्मरणोत्सव में एनआईईपीएमडी ने 10 से 16 अक्टूबर 2014 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। 10 व 14 अक्टूबर 2014

को एनआईईपीएमडी के आदर्श विद्यालय के बच्चों, व्यावसायिक प्रशिक्षण के छात्रों और सामान्य विद्यालय के बच्चों के लिए पुतली का नाच और तंत्र प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अतिथि शिक्षकों, सहायक कर्मचारियों, गृह रक्षा और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए एक भाशण प्रदर्शन आयोजित किया गया। "विकलांग पुनर्वास में संज्ञानात्मक मूल्यांकन" पर एक कार्यशाला मनोविज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 14–15 अक्टूबर 2014 को चलायी गयी।

7.18 बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनः

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारित संस्थान (एनआईईपीएमडी) विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 29–30 अक्टूबर 2014 को "बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता – बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए शिक्षा की सुगमता" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन समारोह विज्ञान भवन (कक्ष सं 5), नई दिल्ली में 29 अक्टूबर 2014 को हुआ। उक्त अवसर पर श्री थावर चन्द गहलोत, माननीय मंत्री, सामाजिक न्याया और अधिकारित मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि रहे। श्रीमती स्तुति कक्कड़, सचिव विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार उक्त सम्मेलन में विशेष अतिथि थीं और श्री अवनीश कुमार अवस्थी, संयुक्त सचिव, विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और

अधिकारित मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय, अध्यक्षा, आरसीआई, नई दिल्ली, प्रो. ए.पी. तिवारी, डीन, डॉ. शकुन्तला मिश्रा, राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ और डॉ. डब्ल्यू सेल्वमूर्ति, अध्यक्ष अमिति विज्ञान, तकनीक और नवाचार फाउण्डेशन, नोएडा हमारे प्रमुख अतिथि रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्वास के क्षेत्र में प्रसिद्ध पेशेवर (डॉ. सोज़िन क्राग, दक्षिण अफ्रीका, यूके, सुश्री जिल्लेन मोरबे, प्रो. रोसनगेला मचाडो, ब्रेजिल, डॉ. नोरा ग्रिफ्फीन शिर्ले, यूएसए और डॉ. देविन्दर बन्दा (यूएसए) और राश्ट्रीय वक्ता (डॉ. प्रमीला बालसुन्दरम, डॉ. हिमांशु दास, सुश्री मेरी बरूआ, श्री अखिल पाल, डॉ. प्रतिभा कारन्त, श्री समीर सेठी, प्रो पी जयचन्द्रन, डॉ. अमिताव मिश्रा, डॉ. रूबिना लाल, डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन और डॉ. राजगुरू) जैसे भारत के विभिन्न राज्यों के सदस्यों ने भाग लिया और उक्त सम्मेलन में आने विचार प्रकट किये।

7.19 भारत निर्माण लोक सूचना अभियान:

पुदुच्चेरी में प्रेस सूचना ब्यूरो (पीओबी), चेन्नई द्वारा 17 से 19 नवम्बर 2014 तक आयोजित भारत निर्माण लोक सूचना अभियान प्रदर्शनी में एनआईईपीएमडी ने भाग लिया। माननीय मुख्यमंत्री एन. रंगसामी, पुदुच्चेरी ने 17 नवंबर 2014 को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। डा. एस. सुन्दर वडिवेलु, जिला कलेक्टर पुदुच्चेरी ने उक्त समारोह की अध्यक्षता ग्रहण की। उस प्रदर्शनी में केन्द्र और राज्य के मंत्रालयों और विभागों ने भाग लिया।

7.20 कार्यशाला :

भारतीय शिशु कल्याण परिषद्, तमिलनाडु और एनआईईपीएमडी ने मिलकर एनआईईपीएमडी सम्मेलन कक्ष मे 19 नवंबर 2014 को "विकलांग बच्चों की सुरक्षा वृद्धि पर राज्य स्तर की परिचर्या" पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

7.21 विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस :

एनआईईपीएमडी द्वारा विकलांग व्यक्तियों का अन्तर्राष्ट्रीय दिवस विभिन्न कल्याण कार्यकलापों और कार्यक्रमों द्वारा मनाया गया। समारोह के क अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों, अभिभावकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए 24 से 28 नवम्बर 2014 तक खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया। सेन्ट जोसफ हायर सैकण्डरी स्कूल, कोवलम, चेन्नई के छात्रों के लिए 1 दिसम्बर 2014 को चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गयी और कोवलन, चेन्नई के एमटीसी बस ड्राइवरों के लिए विकलांग का बोध कार्यक्रम चलाया गया। 2 दिसम्बर 2014 को पडूर से केलम्बाक्कम तक बोध रैली आयोजित की गयी। दिसम्बर 2014 को एनआईईपीएमडी ने विकलांग व्यक्तियों का सम्मान किया। डा. विरूदगिरिनाथन, शिक्षा तान्त्रिक मनोवैज्ञानिक, चेन्नई उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। छात्रों और विकलांग व्यक्तियों के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाये गये। विजेताओं को पुरस्कार दिये गये।

7.22 विस्तार केन्द्र का उद्घाटन :

एनआईईपीएमडी ने अपने विस्तार केन्द्र 3 दिसम्बर 2014 और 6 दिसम्बर 2014 को शिक्षा वातावरण सामाजिक और स्वास्थ्य कार्य की समिति (सीशा) और अश्विनी सोसाइटी और रोटरी क्लब ऑफ गुडलूर, क्रमशः वानगरम, चेन्नई और गूडलूर में शुरू किये।

7.23 रेस्पाइट केयर सेन्टर :

विकलांग व्यक्तियों के रेस्पाइट केयर सेन्टर एनआईईपीएमडी का 19 दिसम्बर 2014 को उद्घाटन किया गया। कलैमामणि एच. रामकृष्णन, वायोलिन वादक और भूतपूर्व निदेशक (नयी इकाई), दूरदर्शन, चेन्नई ने उद्घाटन किया। प्रो. पी. रामचन्द्रन, निदेशक, विजय ह्यूमन सर्विसेज चेन्नई विशेष अतिथि थे।

7.24 सामान्य परिषद् की बैठक :

एनआईईपीएमडी की सामान्य परिषद् (जीसी) की आठवीं बैठक 15 दिसम्बर 2014 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में अध्यक्षा श्रीमती स्तुति कक्कड़, आईएएस, सचिव विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। परिशद् के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

7.25 राष्ट्रीय स्तर के खूलकूदः

एनआईईपीएमडी ने विशेष शिक्षा के प्रशिक्षणार्थियों के लिए द्वितीय राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता 16 से 18 जनवरी, 2015 तक एनआईईपीएमडी में और तमिलनाडु भौतिक शिक्षा और खेलकूद विश्वविद्यालय चेन्नई में आयोजित की। श्री डब्ल्यू.आई. देवारम, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष –तमिलनाडु अथेलिटिक एसोसिएशन, मुख्य अतिथि रहे और डॉ. एम.एस. नागराजन, वरिष्ठ प्रबन्धक, विशेष ओलम्पिक्स एशिया पैसिफिक रीजन विशेष अतिथि थे।

7.26 सामाजिक न्याय और अधिकारिता की स्थायी समिति का भ्रमण:

सामाजिक न्याय और अधिकारिता की संसदीय स्थायी समिति एनआईईपीएमडी में श्री रमेश बयस की अध्यक्षता में 29 जनवरी, 2015 को आयी। समिति के सदस्यों ने पौधे लगवाये और एनआईईपीएमडी के विभिन्न सेवा कार्यकलापों का पुनरीक्षण किया।

7.27 कम्पोसिट शिविर:

एनआईईपीएमडी ने एनटीआर स्टेडियम, अनाकापल्ली, आँध्रप्रदेश में 14 फरवरी 2015 को साधन और उपकरणों के मुफ्त वितरण के लिए आयोजित कम्पोसिट शिविर में भाग लिया और स्टाल भी लगाया। श्री थावर चन्द गहलोत, माननीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने उस समारोह की अध्यक्षता की

7.28 राष्ट्रीय संगोष्ठी :

एनआईईपीएमडी ने "विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मिलन के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 6–7 फरवरी, 2015 को आयोजित की। विकलांग प्रबन्धन और विशेष शिक्षा के शिक्षक, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द विश्वविद्यालय, कायेम्बटूर ने सहयोग दिया। एनआईईपीएमडी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्टाल भी लगाया।

7.29 स्वच्छ भारत मिशन :

स्वच्छ भारत मिशन के अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने 19 फरवरी, 2015 को एनआईईपीएमडी के परिसर के पीछे स्वच्छता कार्यक्रम चलाया।

7.30 स्वच्छ भारत मिशन :

स्वच्छ भारत मिशन के अंग के रूप में एनआईईपीएमडी ने एनआईईपीएमडी के परिसर के निकट ईसीआर की मुख्य सड़क पर 20 मार्च, 2015 को स्वच्छता कार्यक्रम चलाया।

अध्याय 8

प्रशासन

प्रशासनिक इकाई में विभिन्न अनुभाग शामिल हैं जैसे प्रशासन, स्थापना, संपदा एवं अनुरक्षण, लेखा भण्डार एवं क्रय, प्रशिक्षण कार्यक्रम/शैक्षिकता एवं पुस्तकालय और सूचना अनुभाग इस संस्थान के प्रभावी संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रशासन, कार्मिक, सतर्कता, भारत सरकार की विभिन्न नीतियों का कार्यान्वयन, नियम–विनियम, मार्गदर्शक, क्रय, संभारतन्त्र, शैक्षिक कार्यक्रमों की निविदा, बजट और आर्थिक प्रबंधन, संपदा, सूचना का प्रचार–प्रसार, संचार माध्यम द्वारा प्रचार, आरटीआई, राजभाषा कार्यान्वयन आदि के मामले प्रशासनिक इकाई के इन अनुभागों के अन्तर्गत किये जाते हैं।

8.1 कर्मचारी वर्ग :

स्वीकृत नियमित पदों का विवरण और प्रतिवेदित वर्ष 2014–15 के दौरान भरे गये पदों का विवरण निम्न प्रकार से है:

स्वीकृत संख्या का विवरण : एनआईईपीएमडी

स्वीकृत पदों की कुल संख्या

(भारत सरकार/ईएफसी द्वारा स्वीकृत)	:	71 पद
फेज़ 1 में सृजित पदों की संख्या	:	32 पद
फेज़ 2 में संख्या	:	39 पद

ग्रूप – ए

निदेशक	:	01
उप कुलसचिव (प्रशासन)	:	01
सह प्राध्यापक	:	06
लेखा अधिकारी	:	01
प्रवक्ता	:	06
सूचना एवं संचार माध्यम अधिकारी	:	01

ग्रूप – बी

पुनर्वास अधिकारी	: 06
कार्यक्रम सहायक	: 06
विशेष शिक्षा शिक्षक	: 04
कुल	: 32 पद

सारणी 49 : फेज 1 में भरे गये पदों और खाली पदों का विवरण (31 मार्च 2015 तक)

क्रम स.	पद का नाम	स्वीकृत	भरे गये पद	खाली पद
1.	निदेशक	01	01	00
2.	सह प्राध्यापक	06	02	04
3.	उप कुलसचिव (प्रशासन)	01	01	00
4.	लेखा अधिकारी	01	01	00
5.	प्रवक्ता	06	06	00
6.	सूचना : संचार माध्यम अधिकारी	01	01	00
7.	पुनर्वास अधिकारी	06	06	00
8.	कार्यक्रम सहायक	06	06	00
9.	विशेष शिक्षा शिक्षक	04	04	00
	कुल	32	28	04

नोटः 1. मुम्बई से एनआईएचएच से ग्रुप डी (चपरासी) को एक पद स्थानान्तरित हुआ है।

8.1.1 पहचाने गये एससी/एसटी, ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के पिछले सुरक्षित पदों को भरना:

पहचाने गये पिछड़े संचित खाली पदों को भरने के मामलें में भारत सरकार के अनुदेशों का पालन करते हुए विशेषकर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग और विकलांग व्यक्तियों के संबंध में विशेष भर्ती चला–चलाकर करना था – देखिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की पत्र संख्या डी. ओ. सं. 27–02/2008–सीडीएन दिनांक 7 मई 2010 एनआईईपीएमडी को इस संबंध में पिछड़े संचित खाली पदों को भरने के संबंध में उचित कार्यवाई करने, उसके संबंध में वार्षिक सीधी भर्ती योजना प्रस्तुत करने और विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुदेश दिया गया था। फिर भी, यह बताया गया है कि एनआईईपीएमडी की स्थापना 2005 में हुई थी और भारत सरकार ईएफसी द्वारा स्वीकृत 71 पदों में से दशा–1 में केवल 32 पद ही सृजित किये गये और स्वीकृत पदों को भरने को भर्ती कार्यवाई मार्च 2007 के बाद ही की गयी। एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/ओबीसी के लिए भरने को कोई पिछड़ा संचित खाली पद पहचाना नहीं गया है।

8.1.2 सतर्कता के मामले:

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान एनआईईपीएमडी में कोई भी सतर्कता का मामला पहचाना नहीं गया है या बाकी नहीं है।

8.2 संपदा और अनुरक्षण :

2014–15 वर्ष के दौरान मुख्य निर्माण कार्य करते हुए जो निम्नलिखित हैं:

- खेल क्षेत्र का निर्माण
- सायबान लगाना
- दीवार बनाना
- आरओ फिल्टर कक्ष

निम्नलिखित काम योजना स्तर पर हैं:

- श्रव्यता विज्ञान कक्ष
- जल चिकित्सा इकाई
- विशेष भवन में पहली मंज़िल का निर्माण
- रसोई घर और भोजन कक्ष का शीर्ष विस्तार

8.3 पुस्तकालय और सूचना सेवा:

एनआईईपीएमडी का पुस्तकालय 2014–15 के दौरान लगातार अपने लक्ष्य पर जो अधिग्रहण द्वारा नये ज्ञान के सृजन की सुविधा देने के काम पर आगे बढ़ रहा है। इसके उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय विभिन्न सेवाएँ दीं जैसे संदर्भ सेवा, सदस्यता, परिचाल, दस्तावेज़ वितरण, संसाधन बाँट लेना और सूचना चेतावनी सेवा। पुस्तकालय के नियमों के अनुसार पुस्तकालय ग्राहकगणों को प्रिंट आऊट और फोटोकापी सेवा भी प्रदान करता है। एनआईईपीएमडी का पुस्तकालय संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों, सरकारी पदाधिकारियों, पुनर्वास पेशेवरों, विकलांग व्यक्तियों और उनके अभिभावकों को सूचना की मांगों की पूर्ति करता है।

छात्र पुस्तकालय में पुस्तकें पढ़ते हैं।

पुस्तकालय संचय में पुस्तकें, पत्रिकाएँ, शोध ग्रंथ, प्रतिवेदन, मानक, पैम्फलेट और अन्य पढ़ने योग्य सामग्रियाँ हैं। इस वर्ष के दौरान 9194 आगन्तुकों ने पुस्तकालय में प्रवेश किया और 1866 पुस्तकें उपयोगकर्ताओं को वितरित की गयीं। इस पुस्तकालय के अलावा कर्मचारियों और छात्रों के लिए संगणक प्रयोगशाला का उपयोग भी मिलेगा। कर्मचारी और छात्र इण्टरनेट और डिजिटल साधनों का उपयोग कर सकते हैं जैसे – जर्नल और ई–पुस्तकें। सोल साफ्टवेयर द्वारा पुस्तकालय कार्यकलापों को स्वचालित कर दिया गया है।

सारणी 50 : 31 मार्च, 2015 तक कुल संख्या

क्रम सं	संग्रह	31 मार्च 2015 तक कुल
01	पुस्तकें	2319
02	पत्रिकाएँ	33
03	समाचार पत्र अंक	2563
04	पिछली पुस्तकें	122

विकलांग व्यक्तियों को पुस्तकालय कम्प्यूटर प्रयोगशाला में प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं।

जागरूकता फैलाने के क्रम में यह विभाग विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों में स्टाल लगाता है। विकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के समय समाचार पत्र में जागरूकता विज्ञापन भी प्रकाशित किया गया। प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात जागरूकता दिवस, हेलन केलर दिवस, स्वलीनता जागरूकता दिवस और विकलांग व्यक्तियों के अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के दौरान चेन्नई के अन्दर और निकटस्थ

विभिन्न मुख्य स्थानों पर अभिज्ञा अभियान चलाये गये। सूचना प्रसारण के अधीन, इस विभाग ने विज्ञापन हैण्डआउट और विवरणिकाएँ जैसी 1,00,000 से अधिक अभिज्ञा सामग्रियाँ वितरित की गयीं। एनजीओओ को और सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता के दौरान एनआईईपीएमडी का वार्षिक प्रतिवेदन और अधिकार पत्रिकाएँ वितरित की गयीं। 2014–15 वर्ष के दौरान प्रदर्शनी में प्रतिभागिता और अभिज्ञा अभियान का विवरण निम्न प्रकार है:

सारणी 51 : प्रदर्शनी और अभिज्ञा अभियान के विवरण

क्रम स.	कार्यक्रम का नाम	तिथि और स्थान
1.	विद्यासागर, चेन्नई में प्रदर्शनी सह विक्रय मेला	12–13 अप्रैल 2014, चेन्नई
2.	विकलांग उत्सव विविधता पर फिल्में दिखाना	20 मई 2014, मणिपुर
3.	"सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियाँः विकसित जीवन स्तर के लिए सम्मिलित तकनीकियाँ" के सम्मेलन में प्रदर्शनी	22 अगस्त 2014, होटल ताज, चेन्नई
4.	विकलांग व्यक्तियों के लिए साधनों और सहयोगशील सामग्रियों की वितरण शिविर में प्रदर्शनी	27 सितम्बर 2014 तिरूपति
5.	भारत निर्माण लोक सूचना अभियान	17–19 नवंबर, 2014 पुदुच्चेरी
6.	विकलांगों और संबंधित मामलों पर फिल्मोत्सव	20–21 जनवरी, गोआ
7.	साधनों और उपकरणों के मुफ्त वितरण की मिश्रित शिविर में प्रदर्शनी	14 फरवरी 2015, अनकापल्ली, आँध्र प्रदेश
8.	विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मिलन के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शनी	6–7 फरवरी, 2015 कोयम्बटूर
9.	विकलांग और संबंधित मामलों पर फिल्मोत्सव	23–25 मार्च, 2015, अल्ज्वाल, मीजोरम

पुदुच्चेरी में भारत निर्माण लोक सूचना अभियान में एनआईईपीएमडी का स्टाल।

8.3.1 आरटीआई अधिनियम 2005 के अधीन किया गया कामः

एनआईईपीएमडी ने केन्द्रीय सूचना आयोग, भारत सरकार और विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार सूचना अधिकार अधिनियम 2005 को कार्यान्वित किया। संस्थान के निदेशक के नेतृत्व में केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी जो पौनर्वादिक प्राधिकारी हैं, आरटीआई अधिनियम के अन्दर जो व्यक्ति सूचना माँगता है, उसको सूचना देने के जिम्मेदार हैं। आरटीआई अधिनियम के अन्दर अपने नियत कार्यों का कर्तव्य निभाते समय, इस संस्थान में प्रतिवेदित वर्ष 2014–15 के दौरान 24 आरटीआई आवेदन प्राप्त किये जिनमें से 23 आवेदनों को निपटाया गया। एक आवेदक को पैसा जमा करने को कहा गया। इस संबंध में केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

8.4 राजभाषा का कार्यान्वयन :

इस संस्थान में हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए एक समिति गठित की गयी जो कार्यालय मामलों में हिन्दी के बेहतर प्रयोग के लिए राजभाषा हिन्दी विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा दिये गये सारे अनुदेशों का पालन करती है। कार्यालय की मोहर और कार्यालय का लेटर–पैड द्विभाषिक बना दिये गये हैं। आरटीआई के हिन्दी आवेदनों का उत्तर हिन्दी में दिया जाता है। इस संस्थान का मासिक प्रतिवेदन पत्र हिन्दी में भेजा गया है और विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित प्रश्न पत्र द्विभाषिक बनाये गये हैं और छात्रों को हिन्दी में उत्तर देने का मौका दिया गया है।

8.5 सरकार के विभिन्न आदेशों का कार्यान्वयन :

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार, डीओपीटी ओएम सं 11013/3/2009 दिनांक 21 जुलाई 2009 में दिये गये अनुदेश के अनुसार, एनआईईपीएमडी ने एक समिति गठित की हैं जो हमारे कार्यालय में कार्यरत महिलाओं के लिंग संतापन के रोकथाम के लिए सीसीएस (आचरण) नियम 1964 के नियम 3 के अनुसार प्रभारी ढंग से काम कर रही है। वर्ष 2014–15 के दौरान उक्त समिति की नियतकालिक पुनरीक्षण बैठकें भी चलायी गयीं।

प्रतिहिंसावादी दिवस 20 मई 2014 के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी के मृत्यु दिवस का स्मरणोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्री एस.शंकर नारायणन, उप कुलसचिव (प्रशासन), एनआईईपीएमडी ने कर्मचारियों और छात्रों को प्रतिहिंसा दिवस की शपथ दिलायी।

इस संस्थान ने 20 अगस्त 2014 को शपथ लेकर सद्भावना दिवस मनाया। भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी के मृत्यु दिवस के स्मरणोत्सव मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भावना बढ़ाने के लिए मनाया गया। युवा मामले और खेलकूद मंत्रालय के पत्र (देखिए ओ.एम. दिनांक 11 जुलाई 2008) के अनुसार पालन किया गया।

8.6 लोक शिकायतः

2014–15 वर्ष के दौरान लोक शिकायत सिरे से लोक शिकायत प्राप्त की गयी। उसका उत्तर तैयार करके शिकायकर्ता को भेज दिया गया।

अध्याय 9

उत्तर पूर्वी राज्यों के कार्यक्रम

विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार हरेक विकलांग व्यक्ति की अधिकारिता की ओर केन्द्रित करता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी राष्ट्रीय संस्थानों को निर्देश देता है कि वे विस्तार केन्द्र खोलें और उत्तर पूर्वी प्रान्तों के विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिक कार्यक्रम शुरू करें। मंत्रालय के इन निर्देशन के अनुसार एनआईईपीएमडी ने क्रमशः स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम और स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ मणिपुर के सहयोग के साथ सिक्किम और मणिपुर में विस्तार केन्द्र खोले हैं। और साथ ही 2014–15 वर्ष के दौरान विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया। उत्तर पूर्वी राज्यों में चलाये गये कार्यक्रमों के विवरण नीचे दिये गये हैं।

9.1 मणिपुरः

9.1.1. विस्तार केन्द्रः

एनआईईपीएमडी ने मणिपुर में स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ मणिपुर के सहयोग के साथ विस्तार केन्द्र का उद्घाटन करने के लिए 19 मई, 2014 को एक पत्रकारों की बैठक बुलायी। इस बैठक में मणिपुरी और अंग्रेजी के डीडी के इम्फाल, एनईटीवी, आईएसटीवी, इमेज टीवी, इम्पैक्ट टीवी और स्थानीय समाचार पत्र जैसे विभिन्न प्रिंट और इलैक्ट्रानिक माध्यमों के 18 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

9.1.2 फिल्मोत्सव :

एनआईईपीएमडी ने मल्टी मीडिया सेल, स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ मणिपुर के सहयोग के साथ 20 मई, 2014 को जीएम हाल, मणिपुर में "विकलांगत की भिन्नता पर फिल्म दिखाना" का फिल्मोत्सव आयोजित किया। इस उत्सव में विकलांगों को चित्रित करनेवाली 12 राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फिल्में दिखायी गयीं। संचार माध्यम, फिल्म भ्रातृत्व, विकलांग व्यक्ति, मणिपुर विश्वविद्यालय के मास कम्यूनिकेशन के छात्र, सरकारी अधिकारीगण लोक समाज के संगठन, एनजीओ, कला और संस्कृति का भ्रातृत्व, पेशेवरों और शिक्षकों पर लक्ष्य किया गया था। इस उत्सव में 500 से अधिक प्रतिभागी आये हुए थे। उक्त अवसर पर श्री रूपचन्द, संयुक्त सचिव, समाज कल्याण, मणिपुर सरकार, श्री रमेशचन्द्र, सचिव, कानून, मणिपुर सरकार, विभागाध्यक्ष, मास कम्यूनिकेशन, मणिपुर विश्वविद्यालय, विभिन्न विभागों के जिला स्तर के अधिकारी भी उपस्थित थे।

9.1.3 वितरण शिविर :

एनआईईपीएमडी ने पहली एमआर ग्राउण्ड, इम्फाल (मणिपुर) में 24 मार्च 2015 को "विकलांग व्यक्तियों के लिए साधनों और सहयोगशील उपकरणों का वितरण शिविर" का आयोजन किया। श्री ओ. इबोबा सिंह, माननीय मुख्यमंत्री, मणिपुर मुख्य अतिथि रहे। श्री थावर चन्द गहलोत, माननीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने अध्यक्षता ग्रहण की। श्री एम. ओकेन्द्रो, शिक्षा मंत्री, मणिपुर सरकार और कुमारी एके. मीराबाई देवी, माननीय मंत्री, समाज कल्याण, मणिपुर सरकार आदि उक्त अवसर पर विशेष अतिथि थे। उस शिविर में 971 लाभार्थियों को 2055 साधन और उपकरण वितरित किये गये। शिविर के अंग के रूप में 24 मार्च 2015 को एनआईईपीएमडी ने एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया। श्री थावर चन्द गहलोत, माननीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने पत्रकार अधिकारियों को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और अभिक्रमों का संक्षिप्त परिचय दिया।

9.2 सिक्किम :

9.2.1 विस्तार केन्द्र का उद्घाटन:

एनआईईपीएमडी ने स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, गैंगटॉक के सहयोग के साथ मिलकर गैंगटॉक में विस्तार केन्द्र शुरू किया। विस्तार केन्द्र का उद्घाटन समारोह 20 जनवरी 2015 को स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, गैंगटॉक में सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर पर श्रीमती इन्द्रा प्रधान, अध्यक्षा, प्रान्तीय आयोग, समाज कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार मुख्य अतिथि थीं।

9.2.2 अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

बहुविकलांग व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अभिज्ञा कार्यक्रम के एक अंग के रूप में स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, गैंगटॉक, सिक्किम में 23 मार्च 2015 को "बहुविकलांग बच्चों की पहचान और प्रबन्धन" पर एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम को श्री टीका गुरूंग, परामर्शदाता, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार ने उद्घाटित किया। डॉ. बी.पी. धकल, विभागाध्यक्ष, नेत्र चिकित्सा विज्ञान, एसएनडीटी अस्पताल, सिक्किम सरकार ने बहुविकलांगों के विभिन्न कारणों पर चर्चा की। उन्होंने बहुविकलांगों के कारणों का संक्षिप्त परिचय दिया और बहुविकलांगों के बच्चों पर फिल्में दिखायी गयीं।

इस सत्र के बाद श्री पी.एन. प्रधान, समन्वयक, एसएसए, एचआरडी विभाग, सिक्किम सरकार का साथ चला। उन्होंने शैक्षिक पुनर्वास और सम्मिलित शिक्षा के प्रतिभागियों को समझाया। एसएसए की पहुंच और विशेष माँगों के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकारों का प्रावधान करने की संभावना पर संक्षेप में परिचय दिया। इस सत्र के बाद श्री अरूण गौतम, शारीरिक चिकित्सक बहुविकलांग बच्चों का प्रबन्धन, चिकित्सीय पुनर्वास के विशेष संदर्भ का सत्र हुआ। प्रतिभागियों को स्थान व्यवस्था और सुविधा देने की विभिन्न तकनीकों की व्याख्या हुई। इसके उपरान्त श्रीमती चन्द्रकला शर्मा – विकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता और व्यावसायिक पुनर्वास पर व्यायवसायिक अनुदेशक और विशेष अनुदेशक का सत्र हुआ। श्री आर.पी. धकल, प्राचार्य, स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम के धन्यवाद ज्ञापन के बाद यह कार्यक्रम समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9.2.3 विकलांग व्यक्तियों की खेलकूद प्रतियोगिता:

एनआईईपीएमडी ने स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम के सहयोग के साथ टीएमएसएस ग्राउण्ड गैंगटॉक, सिक्किम में 23–24 मार्च, 2015 को द्विदिवसीय खेलकूद की प्रतियोगिता चलायी। श्री टीका गुरूंग, प्रधान परामर्शदाता, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार ने उद्घाटित किया। श्रीमती इन्द्रा प्रधान, आयुक्त सामाजिक न्याय, अधिकारिता और कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार, श्रीमती मनिता मंगल, आयुक्त, अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) बोर्ड, सिक्किम सरकार, श्री के.बी. प्रधान, संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और कल्याण विभाग, श्री सी.पी. धकल, आयुक्त,गैंगटॉक मुनिसिपल कार्पोरेशन, श्री बी.पी. धकल, विभागाध्यक्ष, नेत्र चिकित्सा विज्ञान, एसएनडीटी अस्पताल, गैंगटॉक और माननीय सचिव, स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम, एसएसए ने संसाधन शिक्षकगण, विशेष मांगों के बच्चे, अभिभावक और अन्य अतिथि आदि महत्वपूर्ण लोग आये थे।

विकलांग के बारे में जागरूकता लाना और विकलांग व्यक्तियों की क्षमताओं का बोध कराना इस खेलकूद प्रतियोगिता का प्रमुख लक्ष्य है। विकलांग व्यक्तियों का विश्वास और क्षमता निरूपित करने का मंच खेलकूद है और आम जनता में विकलांगों के बारे में अभिज्ञा पैदा करना भी खेलकूद का लक्ष्य है। इन लक्ष्यों को प्रतिभागी विशेष माँगों के बच्चों में लाने के विचार से सिक्किम भर से लगभग 150 प्रतिभागियों को बुलाया गया। वे पंजीकृत हुए और टीएमएसएस मैदान में इकट्ठे हुए। परंपरागत रूप से मशाल जलाकर उद्घाटन हुआ, तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्री ठीका गुरूंग और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों के भाषण हुए।

विशेष ओलम्पिक्स खेलकूद को क्रमानुसार चलाकर खेलकूद प्रतियोगिता चलायी गयी और वे ही नियम–विनियम अपनाये गये। खेलकूद और युवा मामलों का विभाग, सिक्किम सरकार इस उत्सव की साझेदार रही। विभाग ने विभिन्न वर्ग में अपने संसाधन व्यक्तियों के रूप में अपने भौतिक शिक्षा पेशेवरों को लगाया, व्यायामी, मैदानी और पथीय खेल चलाये गये।

कुछ खेलों का नाम है 100 मीटर दौड़, 50 मीटर दौड़, बोक्से, नरम गेंद फेंकना, शॉटपुट आदि चलाये गये। यह कार्यक्रम विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न दलों के लिए दूसरे दिन भी चलाया गया और 24 मार्च 2015 के दोपहर 2.30 बजे करीब खत्म हुआ। 24 मार्च 2015 के 3.30 शाम को समापन समारोह चलाया गया। श्री सी. पी. धकल, आयुक्त, गैंगटॉक म्यूनिसिपल कार्पोरेशन, सिक्किम मुख्य अतिथि रहे और उपनिदेशक, खेलकूद और युवा मामलों का विभाग, सिक्किम सरकार और प्रान्त के समन्वयक, एसएसए, सिक्किम विशेष अतिथि थे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विजेताओं और प्रतिभागियों को पदकें और प्रमाण पत्र वितरित किये। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के भाषण हुए। श्री बी.एस. सन्तोष कन्ना, पर्वतीय अधिकारी, सिक्किम, एनआईईपीएमडी, चेन्नई के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ।

9.3 मेघालय

9.3.1 कार्यशाला

एनआईईपीएमडी ने बेतानी सोसाइटी, शिलांग के शिलांग मेघालय सहयोग के साथ मोरो इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्टीग्रल सेन्टर, ब्रूकडेन, जोवाय रोड, शिलांग, मेघालय में 27 व 28 मार्च 2015 को ''बहुविकलांग की पहचान और प्रबन्धन'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। लगभग 183 प्रतिभागी (41 पुरुष और 122 महिलाएँ) थे, जो एसएसए, एकत्रित शिशु विकासात्मक सेवाएँ (आईसीडीएस), समाज कल्याण विभाग और गैर सरकारी संगठनों के थे और वे विकलांगों के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। कार्यशाला के प्रतिभागियों के ठहरने का इन्तज़ाम कार्य स्थल और बेतानी सोसाइटी में किया गया था।

श्रीमती ब्रिगेट वर्षोंग, सहायक आयुक्त, समाज कल्याण विभाग, मेघालय ने कार्यक्रम को उद्घाटित किया। श्री सज्जेद अली, द्वारजिंकिरमैन, एक वरिष्ठ पुनर्वास पेशेवर भी उद्घाटन के समय उपस्थित थे। बेतानी सोसाइटी के बच्चों ने अपनी पूरी शक्ति दिखाकर कई नृत्य प्रदर्शन द्वारा संगीत के साथ दिये। वहां एकत्रित अतिथियों ने तालियाँ बजाकर उद्घाटन सत्र का स्वागत किया।

एनआईईपीएमडी के कार्यकलापों के परिचय के साथ कार्यशाला सत्र शुरू हुआ। इसके उपरान्त प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, स्वलीनता, बधिराँधता, मानसिक मंदन, राष्ट्रीय न्यास अधिनियम एवं यूएनसीआरपीडी पर जोर देते हुए कार्यशाला चली। हर सत्र के अन्त में प्रतिभागियों ने संबंधित पेशेवरों के साथ चर्चा की।

प्रतिभागियों ने ऐसी कार्यशाला चलाने के लिए अपनी कृतज्ञता प्रकट की और यह बात भी व्यक्त की कि मेघालय के विभिन्न स्थानों पर क्षेत्रीय भाषाओं जैसे खासी, गारो आदि में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है। उक्त कार्यक्रम का श्री एस. शंकर नारायणन, उपकुलसचिव (प्रशासन), समन्वय किया और श्री डी. स्टालिन अरुल रीगन, विशेष शिक्षक (बधिराँधता) ने सहयोग दिया।

9.4 अरूणाचल प्रदेश:

9.4.1. सम्मेलन :

एनआईईपीएमडी ने सामाजिक न्याय और जंगली मामलों का विभाग, अरूणाचल प्रदेश के सहयोग के साथ 19 मार्च, 2015 को जूबिली बैंक्वेट हाल, ईटानगर में ''बहुविकलांगों पर क्षेत्रीय सम्मेलन'' का आयोजन किया। उक्त सम्मेलन में कुल 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वे प्रतिभागीससर्व शिक्षा अभियान, रामकृष्णमिशन अस्पताल, अरुणाचल प्रदेश अंगहीन कल्याण समाज, प्रान्तीय अस्पताल के नर्स और डाक्टर थे।

माननीय मंत्री श्री लोवानडोंग, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और जंगली मामलों का विभाग, ने उक्त एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सुश्री कार्या बगंग, ससंदीय सचिव उपस्थित थीं। एनआईईपीएमडी के डॉ. जे. विजयलक्ष्मी, श्री पी.कामराज और श्री राजेश रामचन्द्रन (समन्वयक) उपस्थित थे। प्रो. पी. जयचन्द्रन उक्त कार्यक्रम के विशेष अतिथि थे। डॉ. जे. विजयलक्ष्मी ने एनआईईपीएमडी के लक्ष्यों को श्रोतागणों को संक्षेप में समझाया। प्रो. पी. जयचन्द्रन ने अपना वक्तव्य पेश किया।

9.5 त्रिपुरा

9.5.1 प्रशिक्षण कार्यक्रमः

एनआईईपीएमडी ने अभय मिशन, बिशालगढ़, अगरतला के सहयोग के साथ 29–31 दिसम्बर, 2015 को प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया और विशेष शिक्षकों के लिए सीआरई कार्यक्रम भी चलाया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 शिक्षकों ने भाग लिया।

9.5.2 जागरूकता कार्यक्रमः

उदयपुर, अगरतला में 2 जनवरी, 2015 को 'विकलांग बच्चों की पहचान' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आशा के कर्मचारी, शिक्षक, उदयपुर के सरकारी प्रतिनिधि और त्रिपुरा के निकटस्थ इलाकों के प्रतिनिधि – कुल 120 लोग उपस्थित थे।

9.5.3 खेलकूद प्रतियोगिताः

एनआईईपीएमडी ने उदयपुर, त्रिपुरा में 3–4 जनवरी, 2015 को बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता और बुद्धिमता क्षति का आयोजन किया। लगभग 200 प्रतिभागियों ने खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

9.5.4 कार्यशाला:

एनआईईपीएमडी द्वारा 28 मार्च, 2015 को अगरतला में विकलांग व्यक्तियों का मूल्यांकन, मूल्य निर्धारण और प्रमाणन पर क्षेत्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गयी। उक्त कार्यक्रम में लगभग 290 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9.6 आसाम :

भारत के उत्तर पूर्वी प्रान्तों में क्रियाशील वर्तमान सीबीआर कार्यक्रमों को और मबजूद बनाना एनआईईपीएमडी और पीवीवीआई का संयुक्त अभिक्रम है ताकि उत्तर पूर्वी क्षेत्र के बहुविकलांग बच्चों/बहुविकलांग के साथ नेत्रक्षति के बच्चों की सेवाएँ और विकसित की जा सकें। कई उत्तर पूर्वी प्रान्तों भर में काम करनेवाले सीबीआर समन्वयकों और सीबीआर कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना ही विकासशील सेवाओं की ओर एक मुख्य कदम होगा ताकि कार्यक्रम योजना, बच्चों की माँगों के अनुसार शैक्षिक सामग्रियों का प्रावधान और सेवा वितरण के मामलों में बेहतर स्तर की सेवाएँ प्रदाकन करने में सहायता मिले।

9.6.1 सीबीआर समन्वयकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम :

एनआईईपीएमडी, चेन्नई में राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एनआईईपीएमडी) और पेर्किन्स वाणी और दृष्टि भारत (पीवीवीआई) के सम्मिलित तत्वाधान में 8 से 13 सितम्बर, 2014 तक उत्तर पूर्वी क्षेत्र के समुदाय आधारित पुनर्वास के समन्वयकों के लिए ''बहुविकलांग और अतिरिक्त विकलांगों के साथ दृष्टि क्षति'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों (12 पुरूश और 10 महिलाएँ) ने भाग लिया जो आसाम, अरूणाचल प्रदेश, मीज़ोरम, नागालैंड और मेघालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुबह के साथ में सिद्धान्त पक्ष और दोपहर के सत्र में व्यावहारिक और हस्त कार्य प्रशिक्षण पक्ष नियत हुए। उनको बहुविकलांगता और उसके सम्मिश्रण, कारण, शिक्षा, अन्य हस्तक्षेप पद्धतियों पर प्रशिक्षण दिये गये। एनआईईपीएमडी और पीवीवीआई के संबंधित विशेज्ञशों ने कार्यक्रम संभाला। बहुविकलांग बच्चों के लिए शीघ्र हस्तक्षेप और उसकी मुख्यता की भी व्यावहारिक निर्देशन द्वारा विस्तार से व्याख्या की गयी। प्रतिभागियों ने दैनिक जीवन, गति चलन और शिक्षा के कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए घर पर और समुदाय में तैयार करने हेतु अनुकूलन पर प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। उक्त अवसर पर विभिन्न अधिनियमों, नीतियों और विधानों जैसे शिक्षा अधिनियम का अधिकार, राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, यूएनसीआरपीडी एवं इंचियोन पद्धतियों पर कई सत्र हुए और चर्चाएँ भी हुईं। उनके क्षेत्र में बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए वातावरण के अनुकूल बनने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं पर एक प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी। बहुविकलांग व्यक्तियों के हस्तक्षेप के लिए प्राप्य साधनों और उपकरणों तथा आईसीटी पर भी प्रशिक्षण सत्रों में चर्चा की गयी।

9.6.2 सीबीआर कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम :

स्मुदाय आधारित पुनर्वास कर्मचारियों के लिए ''बहुविकलांग और अतिरिक्त विकलांगों के साथ नेत्र क्षति'' पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 20 दिसम्बर, 2014 तक और 19 से 24 जनवरी 2015 तके पेर्किन्स वाणी और दृष्टि भारत, मुम्बई और शिशुसरोती, गुवाहाटी, आसाम के सहयोग से उत्तर पूर्वी धर्मप्रदेशी समाज सेवा सोसाईटी (एनआईईपीएमडी), गुवाहाटी, आसाम में हुए।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 92 प्रतिभागी (43 पुरुष और 49 महिलाएँ) थे जो आसाम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुबह सैद्धान्तिक सत्र था और दोपहर को व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र था। उनको बहुविकलांगों के बारे में और स्थिति के अनुसार बनते उसके विभिन्न सम्मिश्रण, कारण, शिक्षा, अन्य हस्तक्षेप पद्धतियों को एनआईईपीएमडी, शिशुसरोती, आसाम और पेर्किन्स वाणी और दृष्टि भारत, मुम्बई के सम्बन्धित विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया।

9.6.3 कार्यशाला :

एनआईईपीएमडी ने ''बहुविकलांग व्यक्ति का प्रबन्धन'' विषय पर 11 से 20 मार्च, 2015 तक गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट, तेजपुर और मोरीगाँव में कार्यशाला का आयोजन किया।

9.7 मीज़ोरम :

9.7.1 फिल्मोत्सव :

एनआईईपीएमडी सामाजिक कार्य विभाग और मीज़ोरम विश्वविद्यालय के साथ मिलकर "विकलांग और संबंधित मामले" पर फिल्मोत्सव आइस्वाल, मीज़ोरम में 23 से 25 मार्च, 2015 तक आयोजित किया। लगभग 602 प्रतिभागियों ने तीनों दिन के फिल्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया।

अध्याय 10

विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र

विकलांग व्यक्तियों के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) केरल के कोझिकोड में विकलांग मामलों का विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। इसके द्वारा विकलांग व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वासे देने का प्रावधान है। यह केन्द्र 2011 से एनआईईपीएमडी के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन समाज कल्याण काम्पलैक्स, वेल्लिमडुक्कुन्नु में कार्यरत है। यह सीआरसी का तकनीकी और मानवशक्ति प्रदान कर रहा है। सीआरसी – कोझिकोड के लक्ष्य निम्न प्रकार से है:

दल चिकित्सा में अभिभावकों को नेत्र–हाथ समन्वय क्षमता और मुड़ने की क्षमता के अनुरक्षण में अधिकार सिखाता जाता है

1. विकलांग व्यक्तियों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन विकास के लिए सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों के पुनर्वास पेशेवरों, ग्राम स्तर के कार्यकर्ताओं, बहु पुनर्वास कार्यकर्ताओं और अन्य अधिकारियों को विकलांग व्यक्तियों की सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण देने का काम करना।
2. अभिभावकों और समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए लोक शिक्षा कार्यक्रम चलाना।
3. साधनों और उपकरणों के अभिकल्पन, गढ़ाई और जुड़न का काम करना।
4. समाज में रोजगारी, पुनर्वास, चलन गति, संचार, मनोरंजन और संघटन पैदा करने के मौके की वृद्धि के लिए शैक्षिक सेवाएँ और क्षमता–विकास का काम चलाना।

5. उक्त क्षेत्र के विकलांग की गहनता और प्रकृति को ध्यान में रखकर विकलांग लोगों के विभिन्न दलों की मांगों के निर्दिष्ट संदर्भों में अनुसंधान और विकास का काम करना।
6. क्षेत्र की सामाजिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के उपयुक्त पुनर्वास सेवाएँ वितरित करने के लिए पद्धतियों का विकास करना।
7. स्वैच्छिक संगठनों, अभिभावक दलों और स्व–सहयोग दलों का उत्साह बढ़ाकर और सहयोग देकर सेवाओं की वृद्धि को प्रेरित करना।
8. ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार सेवाएँ प्रदान कर और समुदाय पर आधारित पुनर्वास के सिद्धान्तों को अपनाकर वर्तमान चिकित्सीय, शैक्षिक और रोजगार सेवाओं के साथ अनुबन्ध स्थापित करना।

"सबाध–क्रम" – एएसडी के बच्चों के लिए मोटर योजना में वृद्धि करने का कार्यकलाप

2014–15 वर्ष के दौरान विकलांग व्यक्तियों को दी गयी पुनर्वास सेवाओं के विवरण निम्नलिखित हैं।

सारणी 52 : 2014–15 वर्ष में सीआरसी – कोझिकोड में पंजीकृत लाभार्थी

लाभार्थी	2014 – 2015
नये लाभार्थी	658
अनुवर्ती सत्र	17503

सारणी 53 : विकलांग के संवर्ग

क्र.स.	संवर्ग	2014–15		कुल
		पुरुष	स्त्री	
01	एमआर	205	93	298
02	सीपी	4	6	10
03	एएसडी	18	5	23
04	एच	–	1	1
05	एमआई	5	6	11
06	ओएच	1	–	1
07	एमआर + वीआई	–	1	1
08	एमआर + एचआई	1	1	2
09	सीपी + एमआर	1	2	3
10	एएसडी + एमआर	12	7	19
11	एएसडी + वीआई	1	–	1
12	ओएच / सीपी + एमआर	13	6	19
13	सीपी+एमआर+वीआई	1	–	1
14	सीपी+एमआर+एचएल	–	1	1
15	सीपी + एमआर	16	6	22
16	सीपी + वीआई	–	1	1
17	विकासात्मक विलम्ब	11	8	19
18	अन्य (मन्द नौसिखिये, मनोवैज्ञानिक सेवाएँ)	148	77	225
	कुल	437	221	658

सारणी 54 : 2014–15 वर्ष में विभागवार नये लाभार्थी और अनुवर्ती लाभार्थी

विभाग	नये लाभार्थी	अनुवर्ती सत्र
	2014–15	2014–15
चिकित्सात्मक मनोविज्ञान	529	2807
अभिभावक परामर्श	320	604
भौतिक चिकित्सा	91	3496
व्यावसायिक चिकित्सा	120	3017
विशेष शिक्षा	101	3356
वाणी, भाषा और संचार	145	4004
दल चिकित्सा	–	219
कुल	1306	17503

10.1 मोबाइल सेवाएँ :

2014–15 वर्ष में निम्नलिखित संख्या के लाभभोगियों को मोबाइल सेवाओं द्वारा पुनर्वास दिया गया।

सारणी 55 : मोबाइल सेवा द्वारा पुनर्वास प्राप्त लाभार्थियों की संख्या

क्र.स.	सेवा प्रकार	नये लाभार्थी	अनुवर्ती
		लाभभोगियों की संख्या	
01	मनोविज्ञान	502	167
02	भौतिक चिकित्सा	407	123
03	विशेष शिक्षा	442	106
04	वाणी, भाषा और संचार	376	183
	कुल	1727	579

वेल्लिमडुक्कुन्नु, कोझिकोड में सरकारी बृहगृह में एडीआईपी के दौरान भौतिक चिकित्सक माँसपेशियों का मूल्यांकन करते हुए।

सेवयूर, केरल में एडीआईपी वितरण शिविर

सारणी 56 : एडीआईपी योजना के अधीन मूल्यांकित और लाभ प्राप्त लाभभोगियों की संख्या

क्र.स.	विभाग/इकाई	लाभभोगियों की संख्या		कुल
		पुरूष	स्त्री	
01	मन से अक्षम	675	374	1049
02	भौतिक अक्षम	303	184	487
03	दृष्टि अक्षम	258	123	381
04	श्रवण अक्षम	272	227	499
	कुल	1508	908	2416

कण्णूर जिला में एक एडीआईपी वितरण शिविर में मानसिक मंदन के एक बच्चे को टीएलएम का थैला वितरण

आईयूसीडीएस, एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टयम में पीडब्ल्यूएमडी के सामाजिक भावुक पहलुओं पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सारणी 57 : 2014–15 वर्ष में चलाये गये अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. स.	दिनांक	विषय	कुल
1	25–27 जून, 2014	पीडब्ल्यूएमडीओ के कानूनी अधिकार और एडीआईपी योजना का उपयोग	46
2	22–25 जुलाई, 2014	विकलांग बच्चों के लिए सकल, महीन, मोटर और संवेदी क्षमताओं की सुविधा देने के लिए निम्न मूल्य सामग्रियाँ, चेन्नई	15
3	19–21 अगस्त, 2014	केई साफिया आत्म विमोह केन्द्र, नया माहे, केरल में खेल द्वारा संज्ञानात्मक विकास और भाषा उत्तेजना	42
4	24–26 सितम्बर, 2014	वयनाडु, केरल में आत्म विमोह वर्णक्रम अव्यवस्थाओं पर एक अन्तर्दृष्टि	44
5	23 अक्टूबर, 2014	पीडब्ल्यूओ का व्यावहारिक प्रबन्धन, वडकरा, कोझिकोडु	84
6	27–29 अक्टूबर, 2014	ब्रेइल, अबाकस, दिग्विन्यास और चलन गति, कैप्स विशेष विद्यालय, कण्णूर जिला, केरल	42
7	26–28 नवंबर, 2014	पुनर्वास पेशेवरों के लिए विकलांग बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए निम्न मूल्य सामग्रियां	39
8	4 दिसम्बर 2014	व्यावहारिक और समाज विरोधी समस्याओं के बच्चों के प्रबन्धन में रखवालों और सहायक रखवालों को प्रशिक्षण	60
9	10–12 दिसंबर, 2014	बहुविकलांग बच्चों के लिए दैनंदिन जीवन प्रशिक्षण के कार्यकलाप, पन्निकोडु, कोझिकोडु	40
10	22–24 दिसंबर, 2014	अधिगम अक्षमता में पेशेवरों के अभिगम की भूमिका, मन्नारकाडु, पालक्काडु जिला, केरल	42

11	14 जनवरी, 2015	मेडिकल बोर्ड सर्टिफिकेट के लिए आईक्यू मूल्यांकन, कुन्नमंगलम्, कोझिकोडु जिला, केरल	42
12	20 जनवरी, 2015	मूल्यांकन और गृह प्रशिक्षण कार्यक्रम, बेकल बीआरसी, कासरगोडु जिला, केरल	10
13	22 जनवरी, 2015	प्राविडेन्स वुमेन कालेज, कोझिकोडु के अन्तिम वर्ष के छात्रों को विकलांग के क्षेत्र में पुनर्वास व्यवसायों की संभावना और विकलांग पर दिग्विन्यास	125
14	10–12 फरवरी, 2015	विकलांग बच्चों में समस्या व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य के मामलों पर बर्ताव करना	40
15	9 फरवरी, 2015	सेन्ट जोसफ कॉलेज, कोझिकोडु को परिचय पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	87
16	21 फरवरी, 2015	सीआरसी – के सेवाओं की प्रभावी उपयोग पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	73
17	23 फरवरी, 2015	विकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन में आंगनवाड़ी कर्मचारियों की भूमिका पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	150
18	25 फरवरी, 2015	गतिविषयक विकलांग की शीघ्र पहचान पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	54
19	25–27 फरवरी, 2015	विकासात्मक विकलांग पर चिकित्सायी पहलू, कासरगोड जिला, केरल	41
20	6 मार्च, 2015	विकलांगों पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम, कोझिकोडु	6
21	6–7 मार्च, 2015	विकलांग व्यक्तियों का मूल्यांकन और प्रबन्धन, गूडलूर जिला	14
22	17 मार्च, 2015	विकलांगों की शीघ्र पहचान पर आंगनवाड़ी के कर्मचारियों को दिग्विन्यास, पेरम्ब्रा	72
23	16 मार्च, 2015	विकलांग व्यक्तियों का मूल्यांकन और प्रबन्धन, गूडलूर जिला	9
24	31 मार्च, 2015	विकलांगों पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	73
		कुल	1250

पण्णिकोडु में विकलांग बच्चों का एडीएल प्रशिक्षण, कोझिकोडु जिला

अध्याय 11

लेखापरीक्षा रिपोट & वार्षिक लेखा

वर्ष 2014-15 में 22.75 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, उसमें वर्ष 2013-14 का अंतिम शेष 2.64 करोड रुपये था। 9.29 करोड़ रुपये सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से सहायक अनुदान के रूप में प्राप्त हुआ और वर्ष 2014-15 में 10.82 करोड़ रुपये शिक्षण शुल्क, पंजीकरण शुल्क अतिथि गृह शुल्क और आवेदन पत्र शुल्क तथा आरआईपी परिपक्वता और बचत बैंक जमा पर ब्याज आदि प्राप्तियाँ जमा हुईं। वर्ष 2014-15 के दौरान 19.68 करोड़ रुपये आवर्ती और अनावर्ती खर्च हुए और 31 मार्च 2015 को अंतिम शेष 3.07 लाख रुपये रहा जो वर्ष 2015-16 के लिए अधिशेष के रूप में लिया जायेगा।

सी. & ए.जी. (डीपीसी) अधिनियम 1971 की धारा 20(1) की शर्त पर सीएजी, नई दिल्ली ने एनआईईपीएमडी के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा करने को 2006–2011 तक 5 वर्ष की अवधि के लिए न्यस्त किया। वित्तीय वर्ष 2010-2011 से 2015-16 तक 5 वर्ष की अवधि तक की वार्षिक लेखा परीक्षा वित्त मंत्रालय ने वित्तीय मामला विभाग देखिए ओ.एम.सं.1(16)-बी(आर)/2011 दिनांक 27.07.2011, लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र), चेन्नै को दी गयी है। इसके अनुसार, एनआईईपीएमडी के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा डीएजी(सी) कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए, लेखा विवरण, तुलन पत्र, आय & व्यय विवरण, और प्राप्तियाँ तथा प्रतिभूतियों का विवरण आदि का लेखा परीक्षित विवरण लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र) चेन्नै को सौंपा गया। लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्र), चेन्नै द्वारा नियुक्त लेखा परीक्षा दल ने एनआईईपीएमडी से 19.10.2015 से 30.10.2015 तक लेखा परीक्षा के लिए भेंट की। वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए संस्थान के लेखा परीक्षा रिपोट, लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र और प्रमाणित लेखा DGA (C)/CAB/I/28-83/2015-16/202 से प्राप्त होना बाकी तारीख 04.03.2016 है। लेखा और लेखा परीक्षा का सारांश नीचे दिया गया है:

सत्यमेव जयते

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केंन्द्रीय) चेन्नै का कार्यालय
"लेखा परीक्षा भवन", 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै-600 018
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
Chennai
"Lekha Pariksha Bhavan", 361, Anna Salai, Teynampet, Chennai-600 018.

No. DGA(C)/CAB/I/28-83/2015-16/202

दिनांक : 04.03.2016

सेवा में

सचिव, भारत सरकार,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
कमरा सं. 613-ए - विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001.

महोदय,

विषय : राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (NIEPMD), मुत्तुक्काडु, चेन्नै के 2014-15 वर्ष के लिए अलग लेखा-परीक्षा रिपोरट।

मैं राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (NIEPMD), मुत्तुक्काडु, चेन्नै के 2014-15 वर्ष के लिए अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट लेखा विवररणों के साथ प्रेषित कर रहा हूँ। संसद को अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ लेखे के प्रस्तुतीकरण की तारीख इस कार्यालय को सूचित किया जाए।

इस पत्र की और संलग्नकों की प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय

हस्ताक्षर
निदेशक/सीई

दूरभाष / Phone : 044-2431 6400

फैक्स / Fax : 044-2433 8924

तार / E-mail : dgacchennai@cag.gov.in

Endt. No. DGA(C)/CAB/I/28-83/2015-16/204 दिनांक : 04.03.2016

अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट की प्रति के साथ एक प्रति निदेशक, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (NIEPMD), मुत्तुक्काडु, चेन्नै को प्रेषित की गयी है। उनसे प्रार्थना है कि वे लेखापरीक्षा रिपोर्ट के हिन्दी रूप की 3 प्रतियों के साथ और वार्षिक रिपोर्ट की तीन प्रतियाँ तथा संसद को 2014-15 वर्ष के लिए रिपोर्ट की प्रस्तुति की तारीख भेजी जाए।

ह./-

निदेशक / सीई

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का कार्यालय
लेखापरीक्षा भवन, 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै - 600 018.

सेवा में

निदेशक
राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान,
ईस्ट कोस्ट रोड, मुट्टुक्काडु
चेन्नै - 600 112

महोदय,

मैं इसके साथ दिनांक 04.03.2016 के पत्र सं. सीएबी DGA(C)/CAB/I/28-83/2015-16/204 अग्रेषित कर रहा हूँ।

भवदीय

(ह.) गाँधी
निदेशक/प्रशासन

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै का 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2015 के अनुसार राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै के संलग्न तुलन पत्र की लेखापरीक्षा की है। उस दिन को समाप्त वर्ष आय और व्यय लेखा और प्राप्तियाँ व देयताएँ लेखा का नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा संबंधी शर्तें) की धारा 20(1) के अधीन भेजा है। लेखापरीक्षा 2015-2016 तक के काल के लिए सौंपी गयी है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबन्धन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व केवल हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपना विचार व्यक्त करना है।

2. इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उत्तम लेखा-परीक्षा के अभ्यासों, लेखापरीक्षा स्तरों और प्रकटीकरण मानकों आदि के साथ वर्गीकरण, निश्चितता के संबंध में मात्र लेखा प्रणाली पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ निहित हैं। कानून के साथ संदर्शन, नियम और नियमावलियाँ (उपयुक्तता और नियमितता) तथा कार्यकुशलता-सह-निष्पादन पक्ष आदि से संबंधित वित्तीय कार्रवाई पर लेखापरीक्षा अवलोकन, अगर हों तो, अलग से निरीक्षण रिपोर्ट / सीएजी का लेखापरीक्षा रिपोर्ट द्वारा सूचित किये गये हैं।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में स्वीकृत आम लेखापरीक्षा स्तरों के अनुसार चलायी है। ये स्तर चाहते हैं कि हम सही विश्वास प्राप्त करने के लिए योजना बनाते हैं और कार्य करते हैं ताकि उसमें भौतिक माल-विवरण रहित हो। लेखापरीक्षा में परीक्षण होता है, परीक्षा के आधार पर, रकमों के सहायक निरूपण और वीत्तीय विवरणों का प्रकटीकरण शामिल हैं। लेखापरीक्षा में उपयुक्त लेखा प्रणालियों का मूल्यांकन, और प्रबन्धन द्वारा किये गये विशिष्ट आकलन और साथ ही वित्तीय विवरणों के पूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल हैं। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे विचारों के लिए सही आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

i) हमने सारी सूचनाएँ और व्याख्याएँ प्राप्त की जो हमारे उत्तम ज्ञान विश्वास में हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थीं।

ii) तुलन पत्र, आय और व्यय विवरण तथा प्राप्तियाँ और देयताएँ लेखा जो इस रिपोर्ट में ली गयी हैं, वे तित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में बनायी गयी हैं।

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै ने उचित लेखा पंजियों और अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपनाया है जो संस्थान के नियमों और नियमावलियों में माँगी गयी हैं, हमारे परीक्षण से ऐसी पंजियों का उपयोग हुआ देखा गया है।

iv) हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि :

अ. **तुलन पत्र**

पूँजियाँ

सावधि पूँजियाँ (अनुसूची 8) - रु.34.93 करोड

संस्थान ने कुछ सावधि पूँजियाँ (प्लांट व मशीनरी, फर्नीचर एवं फिक्चर, कार्यालय उपकरण और कंप्यूटर परिधीय) के कुल पूँजी मूल्य पर रु.24,14,364/- तक की रकम के अवमूल्य न का प्रावधान जो पिछले वर्ष का लाया गया है, वह इस वर्ष छोड दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप अवमूल्यन का निम्नविवरण और सावधि पूँजियों का उच्चाविवरण हो गया है जो रु.24.14 लाख तक है।

आ. **प्राप्तियाँ एवं देयताएँ लेखा**

लेखापरीक्षा अवलोकन के आधार पर, संस्थान ने जीपीएफ संपादन को संस्थान के मूल लेखा से पृथक कर दिया है और जीपीएफ के लिए प्राप्तियाँ एवं देयताएँ लेखा भी अलग वित्तीय विवरण के रूप में दिया है। फिर भी, बैंक निष्पादनों में जीपीएफ NIEPMD प्राप्तियाँ और देयताएँ लेखे से निकाला नहीं है। असल में जीपीएफ के बैंक निष्पादन दो प्राप्तियाँ एवं देयताएँ लेखों में दिखाया गया है। इसके परिणामस्वरूप एनआईईपीएमडी के आर व पी लेखा में रु.32.11 लाख तक गलत बैंक अन्तशेष हो गया है।

इ. **सामान्य**

पूँजियों पर 31.03.2015 के अनुसार जमा हुआ ब्याज रु.19,84,029/- है। फिर भी, संस्थान ने अपने संशोधित लेखों में जमा हुआ ब्याज रु.46,96,425/- दिखाया है। जमा हुए ब्याज की भेद रकम रु.27,12,396/- का मेल-मिलाप करना आवश्यक है।

2. सेवा निवृत्ति लाभों का लेखा विशिष्ट लेखा नीतियों में निर्दिष्ट लेखा नीति के अनुसार नहीं है।

वित्तीय विवरणों में संलग्न 'विशिष्ट लेखा नीतियाँ' में यह उल्लखित है कि सेवानिवृत्ति लाभ नकद के रूप में दिखाया गया है। फिर भी आनुतोषिक और छुट्टी के नकदीकरण के लिए इस वर्ष में अपने इच्छानुसार हिसाब लगाया है, न कि उचित मूल्यांकन के अनुसार, जिसके लिए रु.27.06 लाख का प्रावधान किया गया है। असल में, सेवा निवृत्ति लाभ लेखा वित्तीय विवरणों में उल्लखित लेखा नीति के अनुसार नहीं है।

3. संस्थान द्वारा चालित चार बैंक लेखों के लिए नकद पुस्तिकाएँ रखी नहीं गयी हैं।

संस्थान ने कांपोसिट रीजिनल सेन्टर – कोषिकोडु (GNOU - SSC, NIEPMD) – पेंशन/आनुतोषिक और NIEPMD - GPF लेखा के नाम पर चालित अलग बैंक लेखों के लिए नकद पंजी रखी नहीं गयी है। अतः, इन लेखों में किये गये निष्पादनों का सही रूप और बैंक अन्त शेष आदि इन लेखों का तुलन पत्र में चालू पूँजियों के रूप में दिखाया गया है, पर लेखा परीक्षा में जाँच नहीं किया गया है।

4. उत्तरी पूर्व क्षेत्र-निधि में दिखाये गये शेष की परिशुद्धता जो तुलन पत्र में निर्दिष्ट निधियों के अधीन आती है, उसका निश्चय नहीं किया गया।

संस्थान उत्तरी पूर्व क्षेत्र (एनईआर) के संचालन के लिए एक अलग निधि चला रहा है। जो निर्दिष्ट निधियों के अधीन आती है। इस वर्ष रु.1 करोड की रकम का सावधि जमा परिपक्व हुआ जो परिपक्वता पर जमा ब्याज को छोडकर है। एनईआर निधि के देयताएँ पक्ष में रु.1 करोड की रकम जमा की गयीहै। संस्थान ने यह नहीं बताया है कि कैसे सावधि जमा की परिपक्वता निधि में जोडी गयी, न कि बैंक लेखों में पूँजी पक्ष में जोडी गयी। इसी प्रकार, विनिर्दिष्ट निधियों पर जमा ब्याज संबंधित निधि में जोड़ा नहीं गया है। इसके कारण, एनईआर निधि के अन्त शेष की परिशुद्धता सुनिश्चित नहीं की गयी है, जो बताये तुलन पत्र में रु.31.47 लाख है।

5. एनपीएस पर देय ब्याज का अप्रावधान

संस्थान ने नयी पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अनुसार नियोक्ता और कर्मचारी का अंशदान 2012 तक अपने हिसाब में रख लिया है। एनपीएस में जमा अंशदान एनएसडीआई में मर दिया गया। पर उसका ब्याज रु.20,28,150/- संस्थान द्वारा रख लिये गये काल के लिए, एनएसडीआई को भरा नहीं गया है। पर, लेखों में एनपीएस पर देय ब्याज के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

6. पूँजी निधि के अन्त शेष की परिशुद्धता सुनिश्चित नहीं की गयी।

रु.35,27,266/- की रकम पूँजी निधि से निकाली गयी यह बताकर कि वह टीडीआर पर जमा ब्याज और सही रूप का भेद है। पूँजी निधि से निकाली गयी रकम के लिए सही कारण नहीं दिये गये। अतः, पूँजी निधि के अन्तशेष की परिशुद्धता इस लेखापरीक्षा में जाँची नहीं गयी है।

7. वित्तीय विवरणों में विकलांग व्यक्तियों की सहायता (एडीआईपी) के अधीन वितरण के लिए खरीदे गये उपकरणों के लिए लेखा नीति बतायी नहीं गयी है। फिर भी, यह देखा गया कि ये खरीदें नकद आधार पर की गयी हैं। इन उपकरणों की संपत्ति सूची, वर्ष के अन्त में, हिसाब में नहीं ली गयी। मंत्रालय द्वारा सूचित समान प्रारूप के हिसाब के अनुसार, वित्तीय विवरण जमा आधार पर तैयार किया जाना चाहिए। अतः, एडीआईपी योजना की तहत खरीदे गये उपकरणों की संपत्ति सूची वित्तीय विवरणों में हिसाब में ली जाए।

8. वित्तीय विवरणों में दिखाये गये खर्च के लिए व्यय का पर्याप्त वर्गीकरण करना आवश्यक हैं।

उत्तरी पूर्व क्षेत्र के लिए किये गये खर्च का पुनरीक्षण करने पर यह देखा गया कि वर्ष के दौरान खर्च के रूप में रु.83,45,171/- की एक ही रकम दिखायी गयी है। एसएआर पक्के कागज के उत्तर के रूप में यह बताया तो गया है कि अलग-अलग खर्च के विवरण दिये गये हैं, जबकि उत्तर में ऐसा विवरण

संलग्न नहीं हैं। किये गये खर्च पर उचित विभिन्न शीर्षों के अधीन उचित वर्गीकरण दिया जाए और मिश्रित रुकमों में दिखाना दूर किया जाए।

ई. लेखों में संशोधन का प्रभाव

संस्थान के लेखे लेखापरीक्षा अवलोकनों के बाद संशोधित किये गये हैं। इस संशोधन के परिणाम स्वरूप, पूँजियाँ और देयताएँ रु.0.11 करोड तक बढ़ गयी हैं और आय पर व्यय की अधिकता रु.0.32 करोड तक कम हो गयी है।

उ. सहायक अनुदान

2014-15 वर्ष के दौरान प्राप्त कुल अनुदान रु.13.88 करोड में से (एनआईईपीएमडी) मूल खाता रु.9.30 करोड, एडीआईपी योजना रु.3.60 करोड, सीआरसी कोषिकोडु रु.0.98 करोड पिछले वर्ष से रु.3.23 करोड का अनुदान लाया गया। संस्थान रु.13.25 करोड का उपयोग करके रु.3.86 करोड (एनआईईपीएमडी मूल खाता – रु.3.07 करोड, एडीआईपी योजना – रु.0.07 करोड और सीआरसी, कोषिकोडु – रु.0.72 करोड) 31 मार्च, 2015 को शेष छोड सकता था।

ऊ. प्रबन्धन पत्र

लेखापरीक्षा रीपोर्ट में उल्लिखित न हुई कमियाँ निदेशक, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एनआईईपीएमडी) को एक प्रबन्धन पत्र के द्वारा बतायी गयी हैं जो अलग से निदानात्मक सुधार कार्य के लिए पत्र भेजा गया है।

v) उपरिलिखित अनुच्छेद में हमारे अवलोकनों के अनुसार, हम प्रतिवेदन करते हैं कि तुलन पत्र, आया एवं व्यय लेखा और प्राप्तियाँ एवं देयताएँ लेखे जो इस रिपोर्ट में दिखायी गयी हैं, वे खाता बहियों के साथ मेल खाती हैं।

vi) हमारे विचार में और हमारा उत्तम सूचना के अनुसार तथा हमें दी गयी व्याख्याओं के अनुसार, बताये गये वित्तीय विवरण जो लेखा नीतियों के साथ और लेखा विवरणों के आधार पर पढ़ी गयी; और ऊपर दिये गये विशिष्ट विवरणों के अनुसार तथा अनुलग्नक में उल्लिखत अन्य विषयों के साथ देखा जाए तो यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट एक सही और सुन्दर दृष्टिकोण देता है जो आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखा नीतियों के साथ समरूपता देता है।

क) अब तक तुलन पत्र बताता है कि यह राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै के 31 मार्च, 2015 तक के कार्यकलापों पर है; और

ख) अब तक यह बताता है कि आय एवं व्यय लेखा उस तारीख को समाप्त वर्ष का घाटा है।

भारत के महालेखा परीक्षक की ओर से

ह./-

प्रधान महालेखापरीक्षक (सेंट्रल), चेन्नै

स्थान : चेन्नै

दिनांक : 04.03.2016

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंन्द्रीय)
चेन्नै
"लेखा परीक्षा भवन", 361, अण्णा सालै, तेनामपेट, चेन्नै-600 018
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
Chennai
"Lekha Pariksha Bhavan", 361, Anna Salai, Teynampet, Chennai-600 018.

SUBHASHINI SRINIVASAN IA&AS
Director General of Audit (Central)

अ.स. नं. D.O. No. DGA(C)/CAB/I/28-83/2015-16/205 दिनांक : 04.03.2016

प्रिय दास,

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (NIEPMD), मुत्तुक्काडु, चेन्नै का वर्ष 2014-15 का 00.01.2016 को दिये गये वार्षिक लेखा की लेखापरीक्षा पर अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट देखें। मैं लेखा अभ्यासों/कार्य पद्धतियों में देखी गयी निम्नलिखित कमियों को निदा नात्माक कार्यों के लिए आपकी सूचना के लिए लाना चाहती हूँ।

1. लेखा पुस्तिकाओं में यह दिखाया गया है कि 31.03.2015 के अनुसार सीपीडबल्यूडी को दिया गया अग्रिम रु.8,03,34,959/- का अन्त शेष है। फिर भी, सीपीडबल्यूडी से लेखापरीक्षा के लिए कोई कागज दिया नहीं गया है (जैसे फार्म-65) यह निश्चित करने के लिए कि उनके पास यह रकम सही अंत शेष है। अतः संस्थान सीपीडबल्यूडी से हर वर्ष के मार्च महीने के लिए फार्म-65 प्राप्त किया जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए किए प्रगतिशील कार्य की मात्रा और उनके पास अनुपयुक्त पडे अग्रिम संस्थान के वित्तीय विवरणों में दिखायी गयी रकमों के अनुसार है। (2.3.5 का बिन्दु 4)

2. एनआईईपीएमडी – मूल बैंक खाते के लिए तैयार किये गये बैंक मेल-मिलाप विवरण में दियेगये विवरण स्पष्ट नहीं हैं। 31.03.2015 के अनुसार 'चेक दिया गया पर अदायगी के लिए पेश न किया गया' करके एक रकम रु.1,19,23,712 की है और 'चेक भरा गया पर वसूल न हुआ' करके एक रकम रु.4,13,677/- की है। फिर भी चेक दी गयी तारीख और चेक भरे जाने पर न न वसूल होने की तारीख का विवरण बीआरएस में अप्राप्य हैं। वर्ष के अंत के समय इस प्रकार के बकाया चेकों का विवरण दिया जाए (पैरा 2.3.5 का उप अनुच्छेद 7 (iii))

3. वित्तीय विवरणों में कुछ मुद्दों पर रुपयों में और कुछ मुद्दों पर पैसे में विवरण दिया गया है जो वित्तीय विवरणों को पढ़ने में भ्रम पैदा करता है। इतना ही नहीं, मंत्रालय द्वारा दिये गये प्रारूप के अनुसार भी, वित्तीय विवरणों में दी गयी रकमें निकटस्थ रुपये में व्यक्त की जाएँ। यह भी देखा गया कि कुछ अनुसूचियों में पिछले वर्ष की रकम पहले कालम में और चालू वर्ष की रकम दूसरे कालम में दी गयी हैं और कुछ अन्य अनुसूचियों में रकमें उलटा दी गयी हैं। (अनुच्छेद 2.3.5 का 8) अगले वर्ष इसपर सुधारने का कार्य करने हेतु अपनी जानकारी में लाया जाता है।

4. वित्तीय विवरणों में संलग्नक 'विशिष्ट लेखा नीतियाँ' की अनुसूची में आपके संस्थान द्वारा अपनायी गयी लेखा नीतियों को वित्तीय विवरण तैयार करते समय उल्लेख करना आवश्यक है। जबकि 'विशिष्ट लेखा नीतियाँ' अनुसुची में आप के संस्थान द्वारा अपनायी जानेवाली नीतियों का उल्लेख है, पर आपके संस्थान द्वारा अपनायी गयी नीतियों का उल्लेख नहीं है। एसएआर स्वच्छ प्रति के उत्तर में इसका उल्लेख है कि अनुसूची सुधार दी गयी है, पर संशोधित लेखों में, असल में, कोई सुधार नहीं किया गया है। (अनुच्छेद 2.3.5 का 9)

5. उचित अभिलेखों की अनुरक्षणहीनता

यह देखा गया कि विकलांग व्यक्तियों के उपकरणों के लिए स्टाक पंजी का आधुनिकीकरण नहीं हुआ है। विकलांग व्यक्तियों को वितरित करने के लिए या विक्रय के लिए खरीदे गये उपकरणों की प्राप्तियाँ और उनमें से दिये गये उपकरणों की देयताएँ स्टाक पंजी में अंकित होनी चाहिए। अन्त संपत्ति सूची की भौतिक जाँच स्टाक पंजी के साथ समय-समय पर होनी चाहिए और किसी सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित की जानी चाहिए।

यह देखा गया कि सावधि पूँजी पंजी का आधुनिकीकरण नहीं हुआ है और सावधि पूँजी की भौतिक जाँच वर्ष के अन्त में नहीं की गयी है। निवेश पंजी बनायी जाए ताकि किये गये जमा, परिपक्व हुए जमा, प्राप्त ब्याज की रकम और जुडे हुए ब्याज की रकम आदि सुनिश्चित किये जाएँ।

6. आपके संस्थान द्वारा सरकारी अनुदानों का लेखा वित्त मंत्रालय द्वारा दिये गये प्रारूप के अनुसार एक रूप में नहीं है। प्रारूप के अनुसार, राजस्व अनुदानों और पूँजी अनुदानों का लेखा पृथक होना है। चालू वर्ष के खर्च के लिए उपयोग हुए राजस्व अनुदान मात्र को मेल मिलाये आय के रूप में आय एवं व्यय लेखा में बदल देना है। वर्ष के दौरान पूँजी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए उपयुक्त पूँजी अनुदान को पूँजी निधि में परिवर्तित कर देना चाहिए। दोनों पूँजी और राजस्व अनुदानों के बाकी अनुपयुक्त अंश को चालू देयताओं के अधीन 'अनुपयुक्त अनुदान' के रूप में प्रकट कर देना है। (अनुच्छेद 2.2.1)

भवदीय

हस्ताक्षर

महानिदेशक लेखापरीक्षा (सी)

डॉ. हिमांशु दास,
निदेशक,
राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान,
(एनआईईपीएमडी), मुत्तुक्काडु।

दूरभाष / Phone : 044-2431 6400

फैक्स / Fax : 044-2433 8924

तार / E-mail : dgacchennai@cag.gov.in

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

समग्र/पूँजी निधि और देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूँजी निधि	1	459858803.00	472402874.00
आरक्षित और अधिशेष	2	0.00	0.00
निर्दिष्ट/धर्मदाय निधियाँ	3	11062576.00	7400523.00
प्रतिभूति सहित ऋण व उधार	4	0.00	0.00
अप्रतिभूति ऋण व उधार	5	0.00	0.00
अस्थगीत जमा देनदारियाँ	6	0.00	0.00
चालू देनदारियाँ और प्रवाधान	7	45248549.91	31877595.50
कुल		**516169928.91**	**511680992.50**
आस्तियाँ			
नियत अस्तियाँ	8	349287981.00	342693927.00
जोड़ें : पूर्वावधि समायोजन अस्तियों में		0.00	0.00
निवेश : निर्दिष्ट धर्मादायी निधियाँनिवेश-अन्य	9	0.00	0.00
चालू आस्तियाँ ऋण, अग्रिम आदि	10	0.00	0.00
विविध व्यय	11	166881947.91	168987065.50
(बट्टे खाते या समायोजित न किये जाने की सीमा तक)		0.00	0.00
कुल		**516169928.91**	**511680992.50**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	24		
फुटकर देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **उप कुलसचिव** **निदेशक**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
विक्रय/सेवाओं से प्राप्त आय	12	2250856.00	0.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	90541255.00	82574000.00
शुल्क/चंदे	14	6095956.00	4553590.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों के निवेश से प्राप्त आय निधियों का अंतरण)	15	0.00	0.00
रायल्टी, प्रकाशनों आदि से आय	16	0.00	0.00
अर्जित आय	17	2799523.00	19849704.00
अन्य आय	18	931389.00	910466.00
तैयार मालों और चालू कार्यों के स्टॉक में वृद्धि/(कमी)	19	0.00	0.00
योग (अ)		**102618979.00**	**107887760.00**
व्यय			
कार्यक्रमों और सेवाओं पर व्यय	20	41563122.09	26231655.00
स्थापना व्यय	20A	27954824.50	20752082.00
अन्य कार्यक्रम व्यय	20B	0.00	0.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	32422159.00	22944323.00
अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	0.00	0.00
ब्याज	23	0.00	0.00
मूल्यह्रास (अनुसूची-8 के अनुरूप वर्षान्त में निवल योग)		7901943.00	3829980.00
योग (आ)		**109842048.59**	**73758040.00**
आय के ऊपर व्यय के आधिक्य का शे, (अ -आ)			
विशेष प्रादक्षित निधि (हरेक को) स्पष्ट रूप से बताएँ			
सामान्य प्रारक्षित निधि को/से अंतरण			
शेष राशि अधिशेष/(कम)		**-7223069.59**	**34129720.00**
समूह/पूँजी विधि को ले जाया गया			
विशिष्ट लेखा नीतियाँ	24		
लेखों पर फुटकर देयताएँ और लेखों पर फुटकर देनदायियाँ	25		

सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **उप कुलसचिव** **निदेशक**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा प्राप्त राशियाँ (राशि रु में)

क्र.सं.	आदिशेष	2013-14	2014-15	क्र.सं.	भुगतान	2013-14	2014-15
1	NIEPMD मुख्य खाता	3804980.50	26411605.00	1	वेतन व मजदूरियाँ	20752082.00	26164192.50
2	NIEPMD ADIP खाता	524920.00	5637023.00	2	प्रशासनिक व्यय	22785621.00	19961009.09
3	NIEPMD CRC-K खाता	161461.00	270939.00	3	प्रोग्राम और सेवाओं पर व्यय	28231855.00	61051809.00
4	सहायक अनुदान (ADIP खाता)	22500000.00	35988190.00	4	ADIP योजना पर व्यय	17635983.00	41217912.99
5	सहायक अनुदान (CRC-K खाता)	2500000.00	9600000.00				
6	सहायक अनुदान (NIEPMD खाता)	92574000.00	92941255.00				
7	शिक्षण शुल्क	2773085.00	2492755.00				
8	परीक्षा शुल्क	588485.00	1209670.00				
9	फुटकर प्राप्तियाँ / दान	246602.00	773102.00		स्टाफ को अग्र किये गये ऋण व अग्रिम		
10	समाचार पत्र विक्रय	2230.00		5	मोटर साइकिल अग्रिम	54000.00	48000.00
	ऋण एवं अग्रिम वसूली			6	संगणक अग्रिम	30000.00	0.00
11	अग्रिम मार्ग व्यय + बी 39	35000.00	0.00	7	त्योहार अग्रिम	22500.00	13500.00
12	बाढ अग्रिम	0.00	0.00	8	छात्रों व अन्य व्यक्तियों के लिए सतर्कता जमानत लेखा	135500.00	4670116.00
13	छात्रवृत्ति खाता	16700.00	0.00	9	यात्रा भत्ता अग्रिम	22000.00	0.00
14	मोटर साइकिल अग्रिम	48300.00	55300.00	10	पूँजी खंड (नियत आस्तियाँ)	6964555.00	14495997.00
15	कंप्यूटर अग्रिम	111000.00	76000.00	11	सीपीडब्ल्यू के साथ अग्रिम	0.00	80071032.00
16	त्योहार अग्रिम	23250.00	19500.00	12	स्टाफ को अस्थाई अग्रिम	69900.00	226400.00
17	Dail विक्रय	34373.00	952166.00	13	सावदि जमा में ली गयी रकम	45037671.00	0.00
18	पंजीकरण और आवेदन शुल्क	1102020.00	1253980.00	14			
19	निविदा फार्म विक्रय	21600.00	48500.00	15	नया पेंशन, ब्याज, ग्राजुइटी आदि	2542138.00	0.00
20	अतिथि गृह प्राप्ति	98050.00	298175.00	16	बीमा - पूर्व भुगतान व्यय	24878.00	34383.00
21	GPF की प्राप्तियाँ	2405689.00	3211474.00	17			
22	उपयोग खर्च की प्राप्तियाँ	142652.00	158287.00	18	छात्रवृत्ति अनुदान खाता	316540.00	0.00
23	प्रशिक्षण शुल्क	90000.00	112975.00	19	वित्त मंत्रालय से सहायक अनुदान	180505.00	0.00
24	सुरक्षा जमानत	1253303.00	2556535.00	20	CRC-K खाते में व्यय	446648.00	0.00
25	CPWD से अग्रिम	5885354.00	0.00	21	छात्रवृत्ति खाता	16100.00	50574.00
26	बचत खाता का ब्याज - NIEPMD का मुख्य खाता	332292.00	780188.00	22	हाथ में पोस्टेज अंत शेष	4070.00	0.00
27	बचत खाता का ब्याज - ADIP खाता	248086.00	292623.00	23	CRC-K व्यय	2434786.00	2859438.00
28	बचत खाता का ब्याज - CRC-K खाता	44264.00	3781.00	24	इंडियन बैंक में शेष	26411605.50	30705340.91
29	दवाओं का विक्रय	13787.00	93622.50	25	ADIP योजना - बचत खाता	5637023.00	699924.00
30	ऋण का ब्याज	70116.00	39616.00	26	CRC-K खाते में बचत शेष	270939.00	7215282.00
31	विजिटिंग शुल्क	11825.00	75175.00	27	इग्नु-एसएसटी NIEPMD - बचत खाता	113828.00	118427.00
32	छात्रावास रखरखाव खर्च	291050.00	336550.00	28	NIEPMD-GPF - बचत खाता	2405689.00	3211474.00
33	विज्ञान व तकनीक मंत्रालय से सहायक अनुदान	0.00	100000.00				
34	प्राप्तियाँ एवं पुनः निवेश कुल	42304367.00					
35	छात्रवृत्ति सहायता खाता	325250.00					
36	लाइसन्स शुल्क	48297.00	73579.00				
37	टीडीआर ब्याज सहित छूट	0.00	105299824.00				
38	इग्नू खाता	113828.00	118427.00				
39	आर.सी.आई. प्राप्तियाँ		1139351.00				
40	पी.एस. और सी.एस.डी.पी. आवक		120877.00				
41	DIAL आवक		96466.00				
	कुल	180546216.50	292814790.50		कुल	180546216.50	292814790.50

सहायक लेखा अधिकारी | लेखा अधिकारी | उप कुलसचिव | निदेशक

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त के लिए आय तथा व्यय का लेखा

(राशि रु में)

	चालू वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूचि-1 समूह/पूँजी निधि				
वर्ष के आरंभ में शेष राशी		472402874.00		450879779.00
जोड़े : 31.03.2012 के अनुसार NIEPMD मुख्य खाता में व्यय बिना अनुदान बकाया		26411605.50		3804980.50
		498814479.50		454684759.50
घटाएँ : गत वर्ष के अनुदानों का समायोजन क्योंकि अनुसूची-8 से नियत आस्तियाँ हटा दी गयी (अन्य संगठनों का अंतरण)		498814479.50		454684759.50
जोडे : पूँजीगत व्यय, आस्तियों की खरीद के लिए		2500000.00		10000000.00
जोडे : पूँजी अनुदान		-3527266.00		0.00
जोडे/(घटाएँ) : आय तथा व्यय लेखे (जोडें) से अंतरित		-7223069.59		34129720.00
आय तथा व्यय शेष राशि				
घटाएँ : एनआईईपीएमडी के मुख्य खाते में 31.3.2013 के अनुसार अनुपस्थित अनुदान बकाया		-30705340.91		-26411605.50
वर्ष के अंत में शेष राशि की स्थिति		**459858803.00**		**472402874.00**
अनुसूची-2 प्रारक्षित और अधिशेष राशियाँ	**चालू वर्ष**		**गत वर्ष**	
1. प्रारक्षित पूँजी राशी				
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी अतिरिक्त				
घटाएँ : वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
2. पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित राशि:				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ : वर्ष के दौरान कलौतियाँ		**0.00**		**0.00**
3. विशेष प्रारक्षित राशि:				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
4. सामान्य प्रारक्षित राशि:				
गत वर्ष के लेखे के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौतियाँ		**0.00**		**0.00**
कुल	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**

वित्तीय विवरणी का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

अनुसूची 3 – 31.03.2015 अनुसार उद्दिष्ट धर्मदाय राशि

(राशि रु में)

अनुसूची-3 उद्दिष्ट / धर्मदाय निधियाँ	N.E. रिजन		CRC कोझिकोडे		एडिप योजना	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
एडिआईप योजना						
क. निधियों का आदिशेष	1,492,561	8,039,790	270939	161461	5637023	21511406
ख. निधियों में अतिरिक्त राशियाँ						0
i. सहायक अनुदान			9800000	2500000	35988190	22500000
ii. निधियों के खाते में से किये गये निवेशों पर आय			3761	44264	292623	248086
iii. अन्य अतिरिक्तियाँ (NIEPMD मुख्य खाते से अग्रिम प्राप्त)	10,000,000					0
कुल (क+ख)	**11,492,561**	**8,039,790**	**10074700**	**2705725**	**41917836**	**23273006**
ग. निधियों के उद्देश्यों पर निधियों की उपयोगिता/व्यय						
I. पूँजी व्यय						
- नियत आस्तियाँ					0	0
- अन्य					0	0
कुल					0	0
II. राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूरियाँ और भत्ते आदि					0	0
- PWD के लिए सहायता उपकरण खर्च					41217912	17635983
- NIEPMD मुख्य खाते में अग्रिम					0	
- अन्य प्रशासनिकव्यय और HRD खर्च		6547229	2859438	2434786	0	0
कुल					41217912	17635983
कुल (ग)	**8345171**	**6547229**	**2859438**	**2434786**	**41217912**	**17635983**
वर्ष के अंत में कुल शेष राशि (क+ख–ग)	**3,147,390**	**1,492,561**	**7,215,262**	**270,939**	**699,924**	**5,637,023**

टिप्पणियाँ:

1) अनुदानों से संबद्ध शर्तों के आधार पर संबंधित लेखा शीर्षों के अंतर्गत प्रकटन किये जाने चाहिए।

2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग निधियों के रूप में दिखाना चाहिए और अन्य किसी निधि के साथ जोड़ना नहीं चाहिए।

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूची-4 सुरक्षित ऋण और उधार राशियाँ				
1. केन्द्र सरकार			0	0
2. राज्य सरकार (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
3. वित्तीय संस्थान				
क) शर्त आधारित ऋण			0	0
ख) उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
4. **बैंक:**				
क) शर्त आधारित ऋण			0	0
- उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
ख) अन्य ऋण (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
- उपचित ब्याज और देय राशियाँ			0	0
5. अन्य संस्थान और एजेंसियाँ			0	0
6. डिबेंचर और करार पत्र			0	0
7. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें)			0	0
योग	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ				

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुसूची-5 प्रतिभूति रहित ऋण और उधार राशियाँ		
1. केन्द्र सरकार	0	0
2. राज्य सरकार (ब्यौरेवार उल्लेख करें)	0	0
3. वित्तीय संस्थान	0	0
4. बैंक :		
क) शर्त आधारित ऋण	0	0
ख) अन्य	0	0
5. अन्य संस्थान और अभिकरण एजेंसियाँ	0	0
6. डिबेंचर (रोखे) और करार पत्र	0	0
7. नियम आस्तियाँ	0	0
8. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें)	0	0
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ		

अनुसूची-6 स्थगि देनदारी व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) पूँजीगत उपकरण और अन्य आस्तियों के तारण द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ	0	0
ख) अन्य	0	0
i. वर्ष 2012-13 के लिए संयुक्त क्षेत्रिय केन्द्र कोझीकोडे पर खर्च की गई राशी	0	0
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशियाँ		

वित्तीय विवरणी (गैर-लाभांश संगठन) का फार्म

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची – 7 चालू देयताएँ और प्रावधान	चालू वर्ष		गत वर्ष	
क) चालू देयताएँ				
1. स्वीकार्यताएँ				
2. फुटकर लेनदार				
क) मालों के लिए				
ख) अन्य (जमावती धन जमा)	703232	703232	2816813	2816813
3. प्राप्त अग्रिम राशियाँ				
4. उपचित ब्याज पर देय नहीं				
क) सुरक्षित ऋण/उधार				
ख) असुरक्षित ऋण/उधार				
5. सांविधिक देयताएँ				
क) अतिदेय				
ख) अन्य : नया पेंशन योगदान	0	0	0	0
ग) NIEPMD मुख्य खाते में 31-03-2015 के बिना खर्च किया अनुदान शेष:–	30705340.91	30705340.91	26411605.5	26411605.5
घ) इग्नू-एसएससी – बचत खाता लेखा – इंडियन बैंक	118427	118427		
	0	0	113828	113828
6. अन्य चालू देयताएँ (जी पी एक (एस) और (ए) की प्राप्ति	0	0	2405689	0
7. छात्रवृत्ति खाता	0	0	16700	16700
8. विज्ञान मंत्रालय से सहायक अनुदान	10602041	10602041	0	0
9. छात्रवृत्ति सहायक अनुदान खाता	0	0	12960	12960
10. सेवा ग्रेज्युटी/उपदान	0	0	0	0
कुल (क)	**42129040.91**	**42129040.91**	**31777595.5**	**29371906.5**
ख) प्रावधान				
1. कराधान के लिए	312,863	312,863	0	0
2. उपदान	318,078	318,078	0	0
3. अधिवर्षिता/पेंशन और ग्रेज्युटी देय	318,078	318,078	0	0
4. संचित छुट्टी, नकदीकरण	2,070,490	2,070,490	0	0
5. व्यापार वारंटियाँ / दावे	0	0	0	0
6. अन्य (ब्यौरेवार उल्लेख करें) लेखा परीक्षा खर्च	100000	100000	100000	100000
कुल (ख)	**3119509**	**3119509**	**100000**	**100000**
कुल (क + ख)	**45248549.91**	**45248549.91**	**31877595.5**	**29471906.5**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, चेन्नै

31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची - 8 नियत आस्तियाँ										
वर्णन	सकल अवरूद्ध राशि				मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
	वर्ष के प्रारंभ की लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के लिए जोडी गयी राशियाँ	वर्ष के लिए कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक की लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ की स्थिति	2012-14 के लिए जोडी गयी राशियाँ	वर्ष के लिए कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक का कुल	चालू वर्ष के अंत पर स्थिति	गत वर्ष के अंत पर स्थिति
1	2	3	4	5 (2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
क. नियत आस्तियाँ										
1. भूमि										
ख) पट्टे पर ली गयी	--	--	–	--	–	–	–	--	–	–
2. भवन	--	--	–	--	–	–	–	--	–	–
क) मुफ्त में मिली भूमि	12905178	313274833	0	326180011	1665205	6240991	0	7906196	318273815	11239973
ख) पट्टे पर ती गयी भूमि	--	--	--	--	–	--	--	--	–	–
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट्स/हस्ती की मिल्कियत के भावन	--	--	--	--	–	--	–	--	–	–
3. संयंत व मशीनरी और उपकरण	8219701	2202934	0	10422635	2473652	162388	0	2636040	7786595	5746049
4. वाहन	1180263	0	0	1180263	756034	63634	0	819668	360595	424229
5. फर्नीचर / जुड़नार	8525329	2445320	–	10970649	2251998	150133	0	2402131	8568518	6273331
6. कार्यालय उपकरण	4715181	1806126	--	6521307	1175154	106850	0	1282004	5239303	3540027
7. कंप्यूटर	6065534	3655794	–	9721328	1773420	100715	0	1874135	7847193	4292114
8. विद्युत संस्थापनाएँ	1750000	0	--	1750000	403375	134663	--	538038	1211962	1346625
9. पुस्तकालय की पुस्तकें	4251718	942569	0	5194287	4251718	942569	0	5194287	0	0
10. ट्यूबेल्स और जल आपूर्ति	--	--	–	--	–	--	--	--		
11. अन्य निय आस्तियाँ	--	--	–	--	–	--	--	--	0	0
चालू वर्ष का कुल	**47612904**	**324327576**	**0**	**371940480**	**14750556**	**7901943**	**0**	**22652499**	**349287981**	**32862348**
गत वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--		
ख) पूँजीगत चालू कार्य	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**309831579**
कुल									**349287981**	**342693927**
(टिप्पणी दी जाए कि आस्तियों की लागत माडे पर ऊपर में सम्मिलित)										

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अनुसूचि - 9 उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों से निवेश		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
3. शेयरों में		
4. डिबेंचर (रोखे) और बंध पत्र		
5. नियंत्रित व्यवसाय और संयुक्त कार्य		
6. अन्य (विशिष्ट तथा बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

अनुसूचि-10 निवेश अन्य	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
3. शेयरों में		
4. डिबेंचर और बंध पत्र		
5. नियंत्रित व्यवसाय और संयुक्त कार्य		
6. अन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)
संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु
31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-11 चालू आस्तियाँ, ऋण व अग्रिम राशियाँ आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
क. चालू आस्तियाँ				
1. माल सूचियाँ :				
क) भंडार व अतिरिक्त पुर्जे				
ख) खुले औजार				
ग) व्यापार में लगा स्टाक				
तैयार माल				
चालू कार्य				
कच्ची सामग्रियाँ				
2. फुटकर देनदारियाँ :				
क) छ महीनों से अधिक अवधि से रूके पड़े बकाये	0.00	0	0.00	0.00
ख) अन्य इलेक्ट्रीसीटी कार्यालय में सुरक्षा जमा	0.00	0	0.00	0.00
ग) अन्य - अध्यापक शिक्षा विश्वविद्यालय तमिलनाडु को बी.एड. के लिए सुरक्षा जमा	0.00	0	0.00	0.00
3. नकदी शेष (चेकों/ड्राफ्टों और फुटकर धन) राशियाँ	4855.00	0	4176.00	0.00
4. बैंक में शेष :				
क) अनुसूचित बैंक (अनुबंध-2)				
चालू खातों में				
इंडियन बैंक में जमा खातों में (लाभ जमा) इंडियन बैंक में मियादी जमा	30000000.00		128355271.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (NIEPMD - मुख्य खाते में)	30705340.91		26411605.50	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (NIEPMD - एडिप खाते में)	699924.00		5637023.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (GPF -खाते में)	7215262.00		270939.00	
आवर्ती जमा खाता - नया पेंशन योजना खाता	0.00		2405689.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (CRC-K मुख्य खाते में)	0.00		0.00	
इंडियन बैंक के बचत खाते में (इग्नू - NIEPMD खाते में)	118427.00		113828.00	163198425.00
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में	4352758.00			
जमा चालू खाते में	6249283.00			
जमा खाते में (इसमें मार्जिन मनी शामिल है)				
बचत खातों में				
5. एाक घर - बचत खातों में				
कुल (क)	**79345849.91**	**0.00**	**163198425.00**	**163198425.00**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-11 चालू आस्तियाँ, ऋण व अग्रिम राशियाँ आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
ख. ऋण, अग्रिम राशियाँ और अन्य आस्तियाँ				
1. ऋण :				
क) कर्मचारी (मोटर साइकिल, संगलक, मात्रा भत्ता, खाद्य अग्रिम और त्योहार अग्रिम)	181850		270150	
ख) हस्ती करने जैसे कार्यों के समान कार्यों को करने वाती अन्य हस्तियाँ				
ग) अन्य (विशिष्टतया बताएँ)	226400		69900	
2. नकद, वस्तु रूप में प्राप्त होने वाले मूल्य वसूली योग्य अग्रिम व अन्य :				
क) पूँजी खाते में (CPWD के साथ अग्रिम)	80334959		263927	
ख) पूर्व भुगतानें : स्कूल बस का बीमा	1227352		1112761	
ग) अन्य (कार्यक्रम के लिए अग्रिम राशियाँ)	172110		172110	
घ) अन्य - CRC कोषिकोडु	681512		446648	2335496
3. उपचित आय :				
क) उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों से निवेश पर				
ख) निवेशों पर – अन्य	4696425		3453144	3453144
ग) ऋणों और अग्रिम राशियों पर				
घ) अन्य (वसूल नहीं की जा सकी रु... की राशि)	15490		0	0
4. वसूली योग्य दावे :				
कुल (ख)	**87536098**		**325099247**	**5788640**
कुल (क+ख)	**166881947.91**	**0.00**		**168987065.50**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2015 को स्थित तुलन पत्र के अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-12 विक्रयों/सेवाओं से आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. **विक्रयों से आय**		
क) पूर्ण सामग्री का विक्रय		
ख) कच्ची सामग्री का विक्रय		
ग) रद्दी माल का विक्रय	0	0
2. **सेवाओं से आय**		
क) श्रमिक और संसाधन प्रभार	1189755	
ख) व्यावसायिक / परामर्शदात्री सेवाएँ		
ग) एजेंसी कमीशन और बट्टा		
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)	1061101	
ङ) अन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**2250856**	**शून्य**

अनुसूची-13 अनुदान/आर्थिक सहायताएँ	चालू वर्ष	गत वर्ष
(प्राप्त अनुदान/परिदान राशियाँ)		
1. क) केन्द्र सरकार – NIFPMD – मुख्य खाता	90242000	82574000
ख) केन्द्र सरकार – NIFPMD–CRC-K	100000	0
2. राज्य सरकारों	199255	
3. सरकारी एजेंसियाँ (संस्थाएँ)		
4. संस्थान/कल्याण कि निकायों		
5. अंतर-राष्ट्रीय संगठनों		
6. अन्य (विशिष्टतया बताएँ) घटाएँ : पूँजी खर्च	0	0
7. जमा : मियादी जमा और बचत खाता से ब्याज जमा	0	0
कुल	**90541255**	**82574000**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31 मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-14 शुल्क/चन्दे		चालू वर्ष	गत वर्ष
1. संबंधन शुल्क		0	0
2. पाठ्यक्रम शुल्क (डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर (पी.जी.) और प्रमाण पत्र) शिक्षण शुल्क और परीक्षा शुल्क		3702625	3361570
3. प्रवेश शुल्क			
4. वार्षिक शुल्क/चन्दे			
5. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क (आवेदन एवं पंजीकरण शुल्क)		1253980	1192020
6. धरामर्शदात्री शुल्क			
7. अन्य (विशिष्टतया बताएँ)		1139351	
कुल		**6095956**	**4553590**
टिप्पणी : प्रत्येक मद के संबंध में लेखा नीतियाँ प्रकट की जानी है।			

अनुसूची-15 निवेशों से आय	उद्दिष्ट प्रायोजित निधि से निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
(उद्दिष्ट/अर्मदाय निधियों से निधियों को अंतरित किये गये विदेशों पर आय) 1. ब्याज क) सरकारी प्रतिभूतियों पर ख) अन्य बँध पत्रों/डिबेंचरों पर लाभांश 2. लाभांश क) शेयरों पर ख) म्यूच्वल निधि प्रतिभूतियों पर 3. भाडे 4. अन्य विशिष्टतया बताएँ				
कुल	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**	**शून्य**
उद्दिष्ट/धर्मदाय निधियों को अंतरित				

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-16 प्रकाशनों, रायल्टी आदि से आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. रायल्टी से आय	0	0
2. प्रकाशनों से आय	0	0
3. आन्य (विशिष्टतया बताएँ)		
कुल	**0**	**0**

अनुसूची-17 अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. मीयादी जमा राशियों पर		
क) अनुसूचित बैंकों में	1984029	0
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में	0	9056164
ग) संस्थाओं में		
घ) गत वर्ष मीयादी जमा पर प्राप्त ब्याज	0	10723424
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों में मुख्य खाता	760188	0
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में एडिप खाता	0	0
ग) संस्थाओं में		
घ) अन्य में		
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	0	70116
ख) अन्य	39816	0
4. कर्जदारों और अन्य प्राप्त राशियों पर ब्याज	15490	0
कुल	**2799523**	**19849704**
टिप्पणी : स्त्रोत सी की गयी कर की कटौती सूचित की जानी चाहिए।		

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची-18 अन्य आय	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. आस्तियों के विक्रय/निपटान से आय क) स्वामित्व वाली आस्तियाँ ख) अनुदानों या बिना लागत प्राप्त आस्तियों से		
2. उगाहे गये प्रतिवाद प्रोत्साहन		
3. विविध सेवाओं के लिए फीस	158287.00	142652.00
4. धन-वापसियाँ	0.00	0.00
5. विविध आय	773102.00	767814.00
कुल	**931389.00**	**910466.00**

अनुसूची-19 तैयार मालों और चालू कार्य के स्टॉकों में वृद्धि/(कमी)	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अंतिम स्टॉक – तैयार माल – चालू कार्य		
ख) घटाएँ : आदि स्टॉक – तैयार माल – चालू कार्य		
निवल वृद्धि / (कमी) (क-ख)	**शून्य**	**शून्य**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ (राशि रु में)

अनुसूची-20 कार्यक्रमों और सेवाओं पर व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
मानव संसाधन विकास	25091956.00	12562109
अनुसंधान एवं विकास	160100.00	979821
सेवा प्रतिमानों का विकास	14892769.09	10183772
कन्सलटेंसी सेवा	0	0
दस्तावेजीकरण एवं प्रचार प्रसार	1418297.00	2505953
विस्तावरण और अभिगम सेवाएँ (UNCRPD पर राष्ट्रीय कार्यशाला)	0	0
पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यक्रम में खर्च	0	0
CRC-K के खर्च	0	0
कुल	**41563122.09**	**26231655**

अनुसूची-20-क स्थापना व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) वेतन व मजदूरियाँ	7746016.00	818839
ख) भत्ते व बोनस	14025600.50	11327651
ग) भविष्यनिधि में योगदान	312863.00	0
घ) अन्य निधि में योगदान (नई पेंशन योजना में संस्था का हिस्सा)	1115225.00	1119569
ङ) अर्जित अवकाश पर भुगतान	2048474.00	116123
च) अन्य विशिष्टतया बताएँ : ग्रेज्युटी देय	2706646.00	0
कुल	**27954824.50**	**20752082**

अनुसूची 20-ख अन्य कार्यक्रम व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) उत्तर पूर्वी राज्य	0	0
ख) एडीआईपी योजना	0	0
ग) पायलेट परियोजना	0	0
घ) अन्य व्यय	0	0
ङ) एआईडीपी खाते को अंतरण	0	0
कुल	**0**	**0**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ (राशि रु में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. समर्थन सेवाओं पर व्यय	11105986	9653431
2. विद्युत और ऊर्जा	4121675	3220966
3. बीमा	138361	139890
4. अस्थायी भवनों की मरम्मत/नवीकरण	3173491	1444425
5. कार्यालय उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव	337875	389924
6. वाहन भाडा प्रभार	1246213	1181201
7. स्कूल बस की मरम्मत व रखरखाव (**डीजल रु. 100388/- + रखरखाव रु. 37796/-**)	312246	421266
8. टाटा सूमो की मरम्मत व रखरखाव (**डीजल रु. 85070/- + रखरखाव रु. 48477/-**)	203536	161959
9. डाक और टेलीफोन प्रभार	382962	294417
10. मुद्रण व लेखन सामग्री	683583	258002
11. यात्रा एवं सवारी व्यय	2830577	1992170
12. लेखा-परीक्षकों का पारिश्रमिक	137669	107780
13. आंतरिक लेखा परीक्षक-परामर्श प्रभार	1855161	44944
14. संयंत्र और उपकरण रख-रखाव और परिवर्तन	2686949	671517
15. विज्ञापन और प्रचार	638955	1009938
16. कम्प्युटर का रखरखाव और परिवर्तन	962224	431419
17. जेनसेट का रख-रखाव और परिवर्तन	159593	1176763
18. अतिथिगृह का रख-रखाव और परिवर्तन	145623	142394
19. छात्रावास का रख-रखाव और परिवर्तन	7060	6225
20. फर्नीचर का रख-रखाव और परिवर्तन	238404	363
21. अन्य व्यय	937480	195329
कुल	**32305623**	**22944323**

वित्तीय विवरणियों का फार्म (गैर-लाभांश संगठन)

संस्थान का नाम : राष्ट्रीय बहु विकलांग व्यक्ति अधिकारिता का संस्थान, मुट्टुकाडु

31, मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय की अंगस्वरूप अनुसूचियाँ

(राशि रु में)

अनुसूची 22 - अनुदानों, परिदानों आदि पर व्यय	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) संस्थाओं/संगठनों को दिये गये अनुदान ख) संस्थाओं/संगठनों को दिये गये परिदान		
कुल	**शून्य**	**शून्य**
टिप्पणी : हस्तियों के नाम, उनके कार्यकलापों सहित अहे अनुदानों/ परिदानों के रूप में दी गयी राशियों सहित प्रकट करें।		

(राशी रु..... में)

अनुसूची 23 - ब्याज	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) नियत ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभारों को शामिल करते हुए) ग) अन्य (विशिष्टयता बताएँ)		
कुल	**शून्य**	**शून्य**

अनुसूची-24

राष्ट्रीय बहुविकलाँग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई

लेखा नीतियाँ

निम्न विषयों के संबंध में उचित लेखा बहियों का लेखा वर्ष 2005-06 और उसके आगे रखरखाव करने के लिए सँस्थान द्वारा अनुसरण की जानेवाली

क) सभी प्रकार की धन प्राप्तियों और व्ययों तथा जिन मामलों के संबंध में प्राप्तियाँ और व्यय घटे हैं;

ख) सभी प्रकार के राजस्व/प्राप्त आय/वसूली योग्य और अदा किया गया व्यय/देय राशियाँ

ग) सभी प्रकार के मालों के क्रम और विक्रम; और

घ) सभी आस्तियाँ और देनदारियाँ; सभी मामलों में संस्थान की सही और निष्कलंक छवि प्रस्तुत है।

1. संस्थान की लेखा – बहियाँ, उनके निम्न आवश्यक पहलुओं को सुनिश्चित करने के लिए उपचित आधार पर (देय और संकाय का नियमित भत्ता छोड़कर, निवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क प्राप्ति और लाभार्थियों के लिए उपकरणों की खरीद, इसका लेखा नगद रूप में रखा गया) आवश्यक विशिष्टता की निष्पत्ति का पीछा करना जैसे– (क) राजस्व को मान्यता नकद रूप में धन की प्राप्ति होने या न होनो पर भी इसे अर्जित धन समझा जाए (ख) ऐसे राजस्वों से मेल खाते व्यमों – पर।

2. चूँकि लेखा बहियों का रखरखाव उचित आधार पर होता है। (देय और संकाय का नियमित भत्ता छोड़कर, निवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क प्राप्ति और लाभार्थियों के लिए उपकरणों की खरीद, इसका लेखा नगद रूप में रखा गया) कट ऑफ तिथि 15 अप्रैल मानी जाएगी।

3. संस्थान की लेखा बहियाँ डबल एंट्री बुक कीपिंग पद्श्रति पर रखी जानी चाहिए।

4. उचित अनुरक्षण और पहचान, लेखा – शीर्षों का कोडीकरण किया गया।

5. निम्न प्रारूप में संस्थान की लेखा विवरणी तैयार की जानी चाहिए।

   i) वर्ष 2013-14 के लिए प्राप्ति तथा भुगतान लेखा।

   ii) वर्ष 2013-14 का आय तथा व्यय लेखा।

   iii) 31 मार्च, 2014 को स्थित तुलन-पत्र।

स्पष्टीकरण :

i) प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा

क) सभी वास्तविक प्राप्तियों को हिसाब में लिया गया।

ख) सभी वास्तविक व्ययों को हिसाब में लिया गया।

ii) आय और व्यय खाता :

मद की वास्तविक प्राप्तियों और भुगतानों के अतिरिक्त उपचित आय और बकाया देनदारियों को, उचित प्रस्तुतीकरण और आय तथा व्यय की समग्र स्थिति जानने के लिए, प्रत्येक लेखा शीर्ष में जोडा जाए।

iii) 31 मार्च को स्थिति तुलन-पत्र

देनदारियाँ	**आस्तियाँ**
1) पूँजी	1) मूल्यह्रास घटाकर नियत आस्तियाँ
2) प्रारक्षित ऋण	2) निवेश
3) प्रतिभूति ऋण	3) चालू आस्तियाँ, ऋण और अग्रिम राशियाँ
4) अप्रतिभूति ऋण	4) विविध व्यय (खाते न डाले जाने की सीमा तक)
5) चालू देनदारियाँ	5) आय और व्यय लेखा

6. टिप्पणी :

जहाँ कहीं आवश्यकता हो लेखों की अंगरूप अनुसूचियाँ तैयार करके लेखों के साथ संलग्न की जानी है।

मूल्यह्रास :

मूल्यह्रास प्रदान करते समय निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों का अनुपालन करना चाहिए।

i) दिनांक 1.4.2005 को या उससे पूर्व प्राप्त की गयी नियत आस्तियों पर वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करना।

ii) लिख लेने की मूल्य पद्धति लिख लेने की प्रणाली अपनाना।

iii) वित्त वर्ष के दौरान सितंबर माह तक प्राप्त आस्तियों के लिए प्रतिशत के अनुसार हिसाब लगाया जाए। अक्तूबर से फरवरी तक प्राप्त आस्तियों के लिए मूल्यह्रास @ 50% दर से मूल्यह्रास का हिसाब लगाना चाहिए। मार्च में प्राप्त आस्तियों पर मूल्यह्रास शून्य होगा।

iv) लिख दी गयी मूल्य पद्धति के आश्रय पर प्रत्येक आस्ति की आयु और मूल्यह्रास की दरें नीचे दी गयी है:

क)	भूमि	:	कोई मूल्यह्रास नहीं	
ख)	भवन	:	50 वर्ष की जीवन	02% मूल्यह्रास
ग)	संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
घ)	वाहन	:	6 वर्ष की जीवन	15% मूल्यह्रास
च)	फर्नीचर व जुडनार	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
छ)	कार्यालय उपकरण	:	10 वर्ष की जीवन	10% मूल्यह्रास
ज)	संगणक और उपकरण	:	5 वर्ष की जीवन	20% मूल्यह्रास
झ)	पुस्तकालय पुस्तकें	:	आयु नहीं	100% मूल्यह्रास

ह./-

(डॉ. हिमांशु दास)

निदेशक

अनुसूची-25

राष्ट्रीय बहु विकलाँग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नै

वार्षिक लेखों की अंगरूप टिप्पणियाँ

1. वार्षिक लेखों का संकलन केन्द्रीय स्वान्त निकायों की वित्तीय विवरणियों के प्रारूप में तैयार किया गया है। (गैर-लाभ संगठन और इसी प्रकार के संस्थान)
   क) दि.31.3.2015 को स्थित तुलन-पत्र।
   ख) वर्ष 2014-15 के लिए आय तथा व्यय लेखा।
   ग) अनुसूचियाँ 1 से 25 तक प्रारूप के अनुसार।
   घ) वर्ष 2014-15 के लिए प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा।
2. लेखों को उपसिच आधार पर तैयार किया गया है। (नियमित स्टाफ के वेतन और भत्ते, सेवानिवृत्त लाभ, शिक्षण शुल्क की प्राप्तियाँ और लाभार्थियों के लिए औषधियों का क्रय को छोड़कर। इनको नकद आधार पर हिसाब किया गया है।
3. लिख दी गयी मूल्य पद्धति पर मूल्यह्रास दिया जा रहा है।
4. CPWD का अग्रिम पूँजी कार्य के रूप में अब भी लिया जा रहा है। 2014-15 वर्ष के दौरान किसी मूल्यह्रास को अनुमति नहीं दी गयी है। CPWD से विस्तृत कार्यरूप व्यय प्राप्त करने के बाद भविष्य में मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाएगा।
5. लेखा-नीतियाँ तैयार की गयीं और उनके अनुसार किया जा रहा है।
6. कुल प्राप्त रुपये 22,75,23,832.50/- (जिसमें आदिशेष, सहायक अनुदान, विशिष्ट उद्देश्यों के लिए अनुदान, जमा परिपक्वता, अन्य संगठनों से प्राप्तियाँ, ऋण, अग्रिम और आंतरिक प्राप्तियाँ) में से खर्च की गयी राशी रु 19,68,18,491.59/- को छोड़कर शेष रु. 3,07,05,340.91/- NIEPMD के मुख्य बचत खाते में हैं।
7. वर्ष 2014-15 के लिए आस्थियों और भंडारों की भौतिक जाँच का काम पूरा हो गया है।
8. मंत्रालय द्वारा जारी किये गये अनुदानों के लिए उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है और अब कोई उपयोगिता प्रमाण-पत्र पड़े नहीं है।
9. आवश्यकता के अनुसार आँकडों को वर्गीकृत किया गया है।

ह./-

(डॉ. हिमांशु दास)

निदेशक

संलग्नक 1
अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. स.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
1	29 अप्रैल, 2014	सन् उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्पास्टिक सोसाइटी आफ तिरूच्चिरापल्ली, तिरूच्चि	20
2	30 अप्रैल, 2014	आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुदवाषवु परियोजना, विरूदुनगर	28
3	31 मई, 2014	इलेक्ट्रानिक्स तकनीशियनों को श्रवण यन्त्र की मरम्मत पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, उड़ीसा	6
4	2 मई, 2014	सम्मिलन एवं यथार्थता	21
5	1 मई, 2014	साबुन बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, ज्योति निलयम, पलप्पलम, नागरकोविल, कन्याकुमारी	25
6	2 मई, 2014	पेपर कप बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शांति निलयम, परूत्तिविल्लै, नागरकोविल, कन्याकुमारी	30
7	7 मई, 2014	वस्त्र पर प्रिंटिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कार्फ, चेन्नई	20
8	14 मई, 2014	रसायन उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अम्मा शैक्षिक और धर्मार्थ न्यास, पालक्काडु, केरल	26
9	20 मई, 2014	विकलांगों और संबंधित मामलों पर फिल्मोत्सव, मणिपुर	500
10	22 मई, 2014	पायंदाज पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शरोन सोसाइटी ऑफ पांडिच्चेरी, पुदुच्चेरी	20
11	23 मई, 2014	सन् उत्पाद पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्नै तेरेसा सोसाईटी वेल्फेयर फाउन्डेशन, तंडाऊर	20
12	1 जून, 2014	इलैक्टानिक तकनीशियनों को श्रवण यन्त्र की मरम्मत पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, उड़ीसा	21
13	8 जून, 2014	खड़िया बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्या विकासिनी आपर्चूनिटी स्कूल, कोयम्बटूर	25
14	10 जून, 2014	आभूषण और सूखे फूल बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सत्या स्पेशल स्कूल, पुदुच्चेरी	30
15	12–13 जून, 2014	ब्रेइल और संकेत भाषा, एनआईवीएच, देहरादून	20
16	25 जून, 2014	लिफाफा बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्बालयम, झांसी रानी व्यवसाय केन्द्र, नागपट्टिनम	26
17	26 जून, 2014	सुपारीपान प्लेट बनाने में क्षमता प्रशिक्षण केन्द्र, सिरकुगल् अभिभावक एसोसिएशन, तिरूच्चि	20
18	29 जून, 2014	रसायन उत्पाद बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, बेथशन विशेष विद्यालय, मदुरै	20
19	27–29 जून, 2014	बहुविकलांग और अन्तर्विभागीय अभिगम	21
20	30 जून, 2014	आभूषण बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सदय स्कूल फॉर स्पेशल नीड, पुदुच्चेरी	25
21	17–18 जुलाई, 2014	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए बाधाहीन वातावरण केन्द्र और गृह आधारित प्रबन्धन	64
22	21–23 जुलाई, 2014	दैनिक जीवन के कार्यकलापों में भाषायी क्षमताओं का सरलीकरण	09
23	23–27 जुलाई, 2014	पारंपरिक तरीकों द्वारा संज्ञानात्मक वृद्धि	33
24	7–9 अगस्त, 2014	एएसडी के बच्चों के लिए शिक्षण कौशल	50
25	8–10 अगस्त, 2014	संकेत भाषा, चेन्नई	15
26	22 अगस्त, 2014	सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियाँ पर सम्मेलन, चेन्नई	200
27	29 अगस्त, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, मरूमलर्चि माट्रु तिरनालिगल् नल संघम्, तिरूवल्लूर	25
28	29 अगस्त, 2014	घरेलू उपकरणों की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, मनोलयम हेल्थ केयर ट्रस्ट, तिरूवारूर	30
29	29 अगस्त, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, जीवक्कल सोशियल वेलफेयर यूथ सोसाइटी, सिवकासी	25
30	29 अगस्त, 2014	गोशाला परियोजना पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्या विकासिनी आपर्चूनिटी स्कूल, कोयम्बटूर	25
31	29 अगस्त, 2014	सिलाई और एम्ब्राईडरी पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कार्फ, चेन्नई	25
32	29 अगस्त, 2014	सिलाई और एम्ब्राईडरी पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्बालयम, नागपट्टिनम्	25
33	29 अगस्त, 2014	गेहूं का आटा बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, बेथशन स्पेशल स्कूल, मदुरै	25
34	29 अगस्त, 2014	कम्प्यूटर प्रशिक्षण में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, उमा एजुकेशनल एवं टैक्निकल सोसाइटी, काकीनाडा (ए.पी.)	25
35	29 अगस्त, 2014	नर्सरी और कृषि पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, डॉ.के.वी.आर. रिसर्च फाउन्डेशन फार हेल्थ एण्ड रिहाबिलिटेशन, अमलापुरम (ए.पी.)	25

36	29 अगस्त, 2014	नर्सरी और कृषि पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सत्या स्पेशल स्कूल, पांडिचेरी	25
37	1–5 सितम्बर, 2014	समुदाय स्तर के बहुविकलांग व्यक्तियों की पहचान और हस्तक्षेप	37
38	6 सितम्बर, 2014	तान्त्रिक चिकित्साई क्षति	25
39	8–13 सितम्बर, 2014	बहुविकलांगों के साथ दृष्टि क्षति और अतिरिक्त विकलांगों पर समन्वयकों (सीबीआर) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	22
40	12–14 सितम्बर, 2014	नेत्र रोगों की शीघ्र पहचान	24
41	12–14 सितम्बर, 2014	पाठ्यक्रम विकास में वर्तमान प्रवृत्तियाँ पर कार्यशाला, मैसूर, कर्नाटक	119
42	26–27 सितम्बर, 2014	एएसडी के बच्चों के लिए पाठ्यक्रम और अनुदेश कन्याकुमारी, तमिलनाडु	45
43	26 सितम्बर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, महात्मा गाँधी सेवा संगम, तिरूनेल्वली	25
44	26 सितम्बर, 2014	फैशन डिजाइनिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, एक्टीरियर – इण्टीरियर लिमिटेड, कोलकाता	25
45	26 सितम्बर, 2014	मोमबत्ती बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, पैराडेस हेाम स्पेशल स्कूल फॉर मेन्टली चैलैंजिड चिल्ड्रन, चेन्नई	25
46	26 सितम्बर, 2014	नर्सरी पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, वीर सुरेन्द्र साई इन्स्टिटयूट फार मेन्टली हैण्डीकैप्ड, सम्बलपुर, उड़ीसा	25
47	26 सितम्बर, 2014	ब्यूटिशियन एवं स्किन केयर पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विजया वर्किंग टुगेदर फार हेल्थ विकास और अधिकारिता, भुवनेश्वर	25
48	26 सितम्बर, 2014	घरेलू सामग्रीयों की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुदुवाषवु परियोजना, कोयम्बटूर, तमिलनाडु	25
49	26 सितम्बर, 2014	कम्प्यूटर प्रशिक्षण पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, जग बासिया विकलांग पुनर्वास केन्द्र, अरवाल, बिहार	25
50	26 सितम्बर, 2014	स्पाइरल बाइंडिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, समर्थ व्यावसायिक प्रशिक्षण, विशेष मांगों के लोगों का केन्द्र, हैदराबाद	25
51	26 सितम्बर, 2014	पेपर कप पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विकलांगों के लिए आशीर्वाद न्यास, साइला, गुजरात	25
52	26 सितम्बर, 2014	बुटिक एवं एम्ब्राइडरिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजा ग्रामीण और नगरीय विकास सोसाइटी, गुडिवाडा, ए.पी.	25
53	9–10 अक्टूबर, 2014	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला, गोआ	152
54	12–13 अक्टूबर, 2014	ब्रेइल भिन्न पक्ष, चेन्नई	62
55	14–15 अक्टूबर, 2014	विकलांग पुनर्वास पर संज्ञानात्मक मूल्यांक, चेन्नई	37
56	16–18 अक्टूबर, 2014	एएसडी के बच्चों के हस्तक्षेप के संज्ञानात्मक और सामाजिक अभिगम पर राष्ट्रीय कार्यशाला, चेन्नई	98
57	17 अक्टूबर, 2014	कृषि पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, नूडापुर जिला, ओडिसा	25
58	17 अक्टूबर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेन्ट जोहन आम्बुलन्स, गुलबर्धा, बंगलूर	25
59	17 अक्टूबर, 2014	मशरूम पैदाइश पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण संपन्नता की अनुसंधान अकादमी, सुभरानपुर, उड़ीसा	25
60	17 अक्टूबर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, विडियल फार्मस एवं पशु सेवा, तिरूतुरैपूण्डी, नागपट्टिनम	25
61	17 अक्टूबर, 2014	कागज उत्पादों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, रायल फाउण्डेशन, बादलपुरा, बेगुसराय	25
62	17 अक्टूबर, 2014	सन उत्पादकों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवीन शैक्षिक स्वास्थ्य और पर्यावरण सासाईटी, बंगलूर	25
63	17 अक्टूबर, 2014	आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, अंधों के लिए राष्ट्रीय एसोसिएशन,नाशिक	25
64	17 अक्टूबर, 2014	डेयरी फार्म पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, मानसिक मंदित और भौतिक अंगहीनों के लिए अरिवगम, मयिलाडुदुरै	25
65	17 अक्टूबर, 2014	खाद्य पदार्थ के संसाधन पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, नगरीय विकास संगठन, गुण्टूर, ए.पी.	25
66	17 अक्टूबर, 2014	फर खिलौने बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, खोडियूर शिक्षा न्यास, मेहशाना	25
67	29–30 अक्टूबर, 2014	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	362
68	8–9 नवम्बर, 2014	ब्रेइल – मलैयालम और अंग्रेज़ी, चेन्नई	43
69	13–15 नवम्बर, 2014	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बच्चों को प्रशिक्षण और प्रबन्धन, नागरकोविल	30
70	19 नवम्बर, 2014	विकलांग बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने पर प्रान्तीय स्तर का परामर्श	35
71	21–23 नवम्बर, 2014	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बच्चों को प्रशिक्षण और प्रबन्धन, नागरकोविल	50
72	14 नवम्बर, 2014	बधाई पत्र तैयार करने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, तमन्ना एसोसिएशन, नई दिल्ली	25
73	14 नवम्बर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शक्ति फाउन्डेशन, टुम्कुर, कर्नाटक	25

74	14 नवम्बर, 2014	फाइल बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रेरणा प्रतिबन्धी शिशु विकास केन्द्र, जोरहाट, आसाम	25
75	14 नवम्बर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्फूर्ति, दावणगिरी, कर्नाटक	25
76	14 नवम्बर, 2014	कागजी उत्पादों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम सुभम फाउन्डेशन, न्यू चांदेखेड़ा, अहमदाबाद	25
77	14 नवम्बर, 2014	मेबाइल की मरम्मत पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, खुली अधिगम प्रणाली, उड़ीसा	25
78	14 नवम्बर, 2014	बुनियादी मशीन की सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सार्थक मानव, कुशताश्रम जयपुर	25
79	14 नवम्बर, 2014	बेडशीट डिजाइनिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, दीना सोशियल सर्विस सोसाइटी, कण्णूर केरल	25
80	14 नवम्बर, 2014	खडिया बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, आशा, बालांगिर, उड़ीसा	25
81	14 नवम्बर, 2014	आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शांति नीति केन्द्र, कोत्तगिरी	25
82	14 नवम्बर, 2014	सीपियों से माला बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, रूकोड इण्डिया, नागरकोविल	25
83	14 नवम्बर, 2014	कम्प्यूटर प्रशिक्षण में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सार्थक मानव कुश्ताश्रम, जयपुर	25
84	14 नवम्बर, 2014	खाद्य पदार्थ अनुकूलन पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, जन चैतन्य समिति, गुण्टूर, एपी	25
85	17 नवम्बर, 2014	आभूषण बनाने पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, सोपान, मुम्बई	25
86	17 नवम्बर, 2014	सन उत्पादों पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, लास्य सेवा फाउन्डेशन गोरखपुर, यूपी	25
87	17 नवम्बर, 2014	रस्सा बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, पिंगलाक्षी लोक कल्याण संगठन, निमपुरा, पुरी, उड़िसा	25
88	1 दिसम्बर, 2014	सिलाई पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शक्ति फाउन्डेशन, ठुंकुर, कर्नाटक	25
89	7 दिसम्बर, 2014	सुपारीपान की थाली बनाने मे क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, साफिया आटिज्म केन्द्र, नयी माहे, केरल	25
90	8 दिसम्बर, 2014	फैशन डिज़ाइनिंग पर क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, गरीबों और अंगहीनों के कल्याण का एसोसिएशन, कालीकट, केरल	25
91	12–13 दिसम्बर, 2014	दृष्टिक्षति की छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास और क्षमता वृद्धि पर कार्यशाला	67
92	13–14 दिसम्बर, 2014	ब्रेइल स्वर गणतीय टायलर के प्रेम अबाकस, चेन्नई	66
93	15–20 दिसम्बर, 2014	बहुविकलांगो और दृष्टि क्षति के साथ अतिरिक्त विकलांग पर सीबीआर के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	61
94	26 दिसम्बर, 2014	आभूषण बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेत्रहीनों के लिए राष्ट्रीय एसोसिएशन नासिक	25
95	26 दिसम्बर, 2014	दैनिक जीवन कार्यकलपों में भाषायी पूर्व और भाषायी क्षमता का अनुकूलन	116
96	29–31 दिसम्बर, 2014	सम्मिलित शिक्षा, बिशालघर, त्रिपुरा	64
97	28–2 जनवरी, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों में संभाव्य अधिकारिता और काम बढ़ाना, एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	50
98	28–2 जनवरी, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यो ं के लिए जीवन क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	50
99	7–9 जनवरी, 2015	स्व समर्थन कार्यक्रम, चेन्नई	48
100	2 जनवरी, 2015	मोमबत्ती बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय ग्रामीण और नगरीय विकास और अनुसंधान सोसाइटी, कानपुर	25
101	5 जनवरी, 2015	सीपी की माला बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, रूकोड इंडिया, तिरूनेलवेली	25
102	5 जनवरी, 2015	कागजी कप बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शान्तिनिलयम, कन्याकुमारी	25
103	5 जनवरी, 2015	सीपी की माला बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, रूकोड इंडिया, नागरकोविल	25
104	5 जनवरी, 2015	कागजी थाली बनाने में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, जोतिनिलयम, कन्याकुमारी	25
105	5–7 जनवरी, 2015	भाषा उत्तेजन का खेल, चेन्नई	36
106	16 जनवरी, 2015	एनआइईपीएमडी में विकलांग व्यक्तियों के लिए अनुकूली खेलकूद पर कार्यशाला, चेन्नई	110
107	19–24 जनवरी, 2015	उत्तर पूर्वी क्षेत्र में सीबीआर कर्मचारियों के लिए बहुविकलांग और दृष्टि क्षति के साथ अतिरिक्त विकलांग, गुवाहाटी आसाम	31
108	20–21 जनवरी, 2015	विकलांग संबंधित मामलों पर फिल्मोत्सव, गोआ	550
109	27–29 जनवरी, 2015	समाज विज्ञान में अनुसंधान, चेन्नई	20
110	2–4 फरवरी, 2015	प्रस्तुतिकरण की उन्नति में स्मार्ट बोर्ड और उडी छाया का उपयोग	53
111	6–6 फरवरी, 2015	विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मेलन के लिए शिक्षा में सहयोगशील तकनीक और खेलकूद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कोयम्बटूर	296
112	9–11 फरवरी, 2015	बहुविकलांग बच्चों के लिए स्वीकृत खेलकूद, सेलम	44

113	19–20 फरवरी, 2015	रूकावटहीन वातावरण और लेखा परीक्षा अभिगम, चेन्नई	33
114	22–24 फरवरी, 2015	बस्ती में विकलांग व्यक्तियों के लिए सम्मिलित शिक्षा में विभिन्न प्रावधान, उत्तर प्रदेश	44
115	25–27 फरवरी, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन में हाल में हुई प्रवृत्तियाँ, मयिलाडुदुरै	40
116	25–27 फरवरी, 2015	विकासात्मक विलम्ब के बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, चेन्नई	42
117	26–28 फरवरी, 2015	बहुविकलांग पुरूषों में जीवन क्षमताओं का विकास, चेन्नई	50
118	2–4 मार्च, 2015	प्रस्तुतिकरण की उन्नति में स्मार्ट बोर्ड और 3 डी छाया का उपयोग, चेन्नई	53
119	2–10 मार्च, 2015	बहुविकलांग बच्चों के लिए एएसी और संचार, चेन्नई	21
120	3–4 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए विधान प्रावधान, गोरखपुर यू.पी.	43
121	10–20 मार्च, 2015	कला श्रवण उपकरणों की स्थिति, चेन्नई	72
122	11 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला, क्रम, गुवाहाटी	245
123	13 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला अनुक्रम, सिबसागर	67
124	13–15 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए संवेदी एकत्रीकरण चिकित्सा केन्द्र और गृह आ धारित, चेन्नई	50
125	13–15 मार्च, 2015	बहुविकलांग बच्चों के लिए मूल्यांकन और हस्तक्षेप, बीआरसी, तंजाऊर	50
126	13–15 मार्च, 2015	बधिरांधता के बच्चों के लिए शिक्षण कौशल, मदुरै	60
127	15 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला अनुक्रम, जोरहाट	48
128	17 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला अनुक्रम, गोलाहाट	72
129	18 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला अनुक्रम, तेजपुर	119
130	18 मार्च, 2015	जोरहाट पर प्रधानमंत्री का क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम	43
131	18 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए एडीएल क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम, चेन्नई	58
132	18–20 मार्च, 2015	एएसडी के बच्चों का प्रबन्धन, सेलम	52
133	19 मार्च, 2015	बहुविकलांगों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश	72
134	19 मार्च, 2015	एएसडी और डीबी बच्चों के लिए गृह आधारित कार्यक्रम, चेन्नई	68
135	20 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के प्रबन्धन पर कार्यशाला अनुक्रम, मारीगाँव	65
136	23–24 मार्च, 2015	बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए एडीएल और व्यावसायिक पुनर्वास, चेन्नई	51
137	23–27 मार्च, 2015	सम्मिलन सफल बनाने के लिए अधिगम कौशल, चेन्नई	47
138	25–27 मार्च, 2015	एमडी के बच्चों के लिए पाठ्यक्रम और हस्तक्षेप, लखनऊ	41
139	27–28 मार्च, 2015	बहुविकलांगों की पहचान और प्रबन्धन, शिलांग, मेघालय	163
140	28 मार्च, 2015	विकलांग व्यक्तियों के मूल्यांकन, शिक्षा और प्रमाणन पर क्षेत्रीय स्तर की कार्यशाला, अगरताला	296
141	23–25 मार्च, 2015	विकलांगों और अन्य संबंधित मामलों पर फिल्मोत्सव, मीजोरम	602
		कुल	**8145**

दिग्विन्यास और बोध कार्यक्रम

क्र. स.	दिनांक	विषय	कुल
1	2 अप्रैल, 2014	एनआईएमएच, सिकन्दराबाद के डीवीआर (एमआर) छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	14
2	3 अप्रैल, 2014	कडलूर, पुदुवाषवु परियोजना के सीडीएफ–एमआरटी, को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08
3	23 अप्रैल, 2014	चेन्नई, लिट्टिज फ्लावर कान्वेंट के ईएसई (एचआई) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28
4	25 अप्रैल, 2014	चेन्नई आन्ध्र महिला सभा के विशेष शिक्षकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13
5	28 अप्रैल, 2014	चेन्नई, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन फार वुमेन के बी.एड. छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	33
6	30 अप्रैल, 2014	चेन्नई, पोरूर के विद्या सुधा स्कूल के लिए शीघ्र हस्तक्षेप	17
7	6 मई, 2014	चेन्नई, विजय ह्यूमन सर्विस के बी.एड.विशेष शिक्षा (एमआर) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	41
8	7 मई, 2014	केरल, वीकेएम मानसिक मंदन के विशेष विद्यालय के शिक्षकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	06
9	8 मई, 2014	चेन्नई, डॉ एमजीआर वाणी और श्रवण क्षति के बधिर विद्यालय बी .एडत्र विशेष शिक्षा (एचआई) के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	34
10	9 जून, 2014	चेन्नई, चेट्टिनाडु अस्पताल और अनुसंधान संस्थान के एमबीबीएस के अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	26
11	10 जून, 2014	चेन्नई, चेट्टिनाडु अस्पताल और अनुसंधान संस्थान के एमबीबीएस के अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28
12	16 जून, 2014	तिरूपति, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय के बी.एड. विशेष शिक्षा की छात्राओं के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	15
13	17 जून, 2014	चेन्नई, बिलरात कालेज आफ नर्सिंग की बी.एससी.नर्सिंग छात्राओं के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	50
14	4 जुलाई, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के मास्टर ऑफ सोशियल वर्क के दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	25
15	7 जुलाई, 2014	चेन्नई, आर्किटेक्चर छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	05
16	11 जुलाई, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के मास्टर ऑफ सोशियल वर्क के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	31
17	16 जुलाई, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के मास्टर ऑफ सोशियल वर्क के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	42
18	23 जुलाई, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के मास्टर ऑफ सोशियल वर्क के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	22
19	8 अगस्त, 2014	परीक्ष – 2012 की आरसीआई योजना पर पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	24
20	5 अगस्त, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस – समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28
21	12 अगस्त, 2014	चेन्नई, बानियन अकादमी ऑफ लीडरशीप इन मेन्टल हैल्थ, के एम.ए (मनोविज्ञान) के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	04
22	12 अगस्त, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस – समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	24
23	13 अगस्त, 2014	चेन्नई, सेन्ट जोसेफ कालेज के एमएसडब्ल्यू के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	22
24	14 अगस्त, 2014	चेन्नई, हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस के एम एसडब्ल्यू के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	14
25	20 अगस्त, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एम.ए.(विकास प्रबन्धन) के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	37
26	21 अगस्त, 2014	चेन्नई, तमिलनाडु स्त्री विकास के निगम के शिक्षकों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	29
27	22 अगस्त, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एसएस – समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	24
28	26 अगस्त, 2014	चेन्नई, बाल विहार स्टडी सेन्टर के बी.एड.विशेष शिक्षा के छात्रों के लिए बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28

29	1 सितंबर, 2014	केरल, एमआरटी संस्थान के डीआरटी छात्रों को दिग्विन्यास कार्यक्रम	09
30	8 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस – समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	36
31	8 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एम .ए. (एचआर और ओडी) – के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	40
32	9 सितंबर, 2014	चेन्नई, लयोला कालेज के एम.ए.सोशियल वर्क के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	20
33	11 सितंबर, 2014	चितम्बरम, अण्णमलै विश्वविद्यालय के एम.एस.सी (चिकित्सा मनोविज्ञान) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	13
34	11 सितंबर, 2014	चेन्नई, तमिलनाडु महिला विकास ग्रामीण निगम के एपीओओ को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	27
35	12 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास क्रिस्टियन कालेज के एमएसडब्ल्यू के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08
36	15 सितंबर, 2014	चेन्नई, तमिलनाडु खुला विश्वविद्यालय के एम.एससी. मनोविज्ञान के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	16
37	17 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	34
38	17 सितंबर, 2014	तिरूपति, एसपी महिला विश्वविद्यालय के बी.एड.(एचआई) की छात्राओं को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	16
39	29 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	37
40	30 सितंबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एम.फिल. छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	04
41	1 अक्टूबर, 2014	चेन्नई, केल्लमबाक्कम् के भुवन कृष्णा मेट्रिकुलेशन हायर सेकण्डरी स्कूल के एनएसएस छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	27
42	1 अक्टूबर, 2014	चेन्नई, तिरूवल्लिक्केणी, एनकेटी कॉलेज के बी.एड.छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	56
43	3 अक्टूबर, 2014	मानसिक स्वास्थ्य के मामलों पर बोध कार्यक्रम, चेन्नई,	80
44	13 अक्टूबर, 2014	तिरूवारूर, श्री दया न्यास के समुदाय विकास सुसाध्य कर्ताओं को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	52
45	13 अक्टूबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	20
46	27 अक्टूबर, 2014	चेन्नई, रामावरम, डॉ एमजीआर विशेष शिक्षा और अनुसंधान संस्थान के बी .एड. (एचआई) छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	24
47	29 अक्टूबर, 2014	तिरूवारूर, मनोलयम हेल्थ केयर ट्रस्ट के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	40
48	30 अक्टूबर, 2014	तिरूवारूर, नम्बिक्कै फाउन्डेशन के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	26
49	30 अक्टूबर, 2014	तिरूवण्णामलै, एसएक्सईडीएस, एनजीओ के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	29
50	31 अक्टूबर, 2014	मयिलाडुदुरै, पीस फाउन्डेशन के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	39
51	31 अक्टूबर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	30
52	31 अक्टूबर, 2014	तिरूवण्णामलै, पीसीटीसी के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	43
53	31 अक्टूबर, 2014	तिरूवण्णामलै, सिनम सोसाइटी के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	42
54	3 नवम्बर, 2014	तिरूमरूगल, आदिनंगुडी, सीडीएफ फाउन्डेशन सीड एनजीओ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	35
55	7 नवम्बर, 2014	चेट्टिनाडु अस्पताल और शोध संस्थान के एमबीबीएस के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	22
56	7 नवम्बर, 2014	ईरोड, समुदाय अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	49
57	7 नवम्बर, 2014	तिरूवण्णामलै, सिनम सोसाइटी के समुदाय अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	45

58	7 नवम्बर, 2014	नागपट्टिनम, आदिनंगुडी, सीडीएफ फाउन्डेशन सीड एनजीओ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	19
59	10 नवम्बर, 2014	तिरूच्चि, लीड और वाणी सोसाइटी, समुदाय अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	66
60	10 नवम्बर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18
61	12 नवम्बर, 2014	पुदुच्चेरी, पांडिच्चेरी बहुप्रयोजन सामाजिक सेवा संघ के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	36
62	12 नवम्बर, 2014	वेलूर, ग्रामीण विकास संगठन के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं और एसजीएफ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	49
63	13 नवम्बर, 2014	मडिलाडुदुरै, शांति फाउन्डेशन समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	19
64	14 नवम्बर, 2014	इरोड, टीएनएसआरएलएम के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	36
65	14 नवम्बर, 2014	दिण्डिगल, टीएनएसआरएलएम के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	33
66	14 नवम्बर, 2014	विल्लुपुरम, रिवार्ड सोसाइटी, समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	39
67	19 नवम्बर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28
68	19 नवम्बर, 2014	वेलूर टीएनएसआरएलएम के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	35
69	20 नवम्बर, 2014	तिरूवारूर, बीडीएमआरएफ समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	53
70	20 नवम्बर, 2014	लाइफ हेल्थ सेन्टर फार दी हैन्डीकैप्ड, डीईसीएसई (एमआर) और डीवीआर को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	12
71	20 नवम्बर, 2014	तिरूवण्णामलै, सिनम सोसाइटी के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	42
72	21 नवम्बर, 2014	चेन्नई, अन्नै वेलांकण्णी कालेज के एनएसएस समन्वयकों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	91
73	21 नवम्बर, 2014	विल्लुपुरम, रिवार्ड सोसाइटी, समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	65
74	24 नवम्बर, 2014	तिरूच्चि, लीड सोसाइटी, समुदाय अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	45
75	25 नवम्बर, 2014	वेलूर, सामाजिक कार्यकलाप के क्षेत्र में न्यास के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं और एसजीएफ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	60
76	26 नवम्बर, 2014	वेलूर टीएनएसआरएलएम के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं/एसजीएफ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	39
77	27 नवम्बर, 2014	तिरूविडैमरूदूर, कुडन्दै सेवा संघम के समुदाय विकास सुसाध्यकर्ताओं/एसजीएफ को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	40
78	28 नवम्बर, 2014	दिण्डिगल, टीएनएसआरएलएम के समुदाय अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	51
79	28 नवम्बर, 2014	नीलगिरी, टीएनएसआरएलएम समुदाय के अंगहीनों के सुसाध्यकर्ताओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	47
80	28 नवम्बर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18
81	1 दिसम्बर, 2014	चेन्नई, कोवल्लम्, बस ड्राइवरों और कण्डक्टरों के विकलांगों पर सुग्राह्यता कार्यक्रम	100
82	2 दिसम्बर, 2014	तंजाऊर, सीड ट्रस्ट के सीडीएफ कर्मचारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	50
83	4 दिसम्बर, 2014	सिकन्दराबाद, एओईजेएन आईएचएच के बी .एड/डी.एड के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	56
84	8 दिसम्बर, 2014	तंजाऊर, टीएनएसआरएलएम के सीडीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	50
85	9 दिसम्बर, 2014	अरक्कोणम्, टासा के सीडीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	40
86	11 दिसम्बर, 2014	शिलांग, पीआईबी के प्रेस अधिकारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	09

87	15 दिसम्बर, 2014	चेन्नई, रागा स्कूल आफ नर्सिंग की डीजीएनएम के प्रथम वर्ष की छात्राओं को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	10
88	15 दिसम्बर, 2014	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	26
89	15 दिसम्बर, 2014	कडलूर, टीएनएसआरएलएम के सीडीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	33
90	17 दिसम्बर, 2014	चेन्नई बहुविकलांग व्यक्तियों के लिए संगठन क्षमता विकास और आय उत्पादन माडल के कार्यान्वयन के लिए दिग्विन्यास कार्यक्रम	60
91	22 दिसम्बर, 2014	पोर्ट ब्लेयर पर मेडिकल, शिक्षा और श्रम तथा रोजगारी के पीडब्ल्यूडी, अभिभावकों पेशेवरों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	350
92	22 दिसम्बर, 2014	नाटपट्टिनम्, टीएनएसआरएलएम के सीडीएफ और एसजीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	41
93	29 दिसम्बर, 2014	मणिपुर, इम्फाल में बहुविकलांगों पर बोध कार्यक्रम	613
94	30 दिसम्बर, 2014	विष्णुपुर में बहुविकलांगों पर बोध कार्यक्रम	785
95	2 जनवरी, 2014	त्रिपुरा, उदयपुर में आंगनवाड़ी और आशाा कर्मचारियों को बहुविकलांगों पर बोध का दिग्विन्यास कार्यक्रम	110
96	21 जनवरी, 2014	तंजाऊर, टीएनएसआरएलएम के सीडीएफ और एसजीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	32
97	22–23 जनवरी, 2014	मयिलाडुदुरै के ध्यान देवों को सुग्राह्यता कार्यक्रम	18
98	23 जनवरी, 2014	अरियलूर, ओसै सामाजिक कार्य और उन्नति के संगठन के एसडी एफ/सीडीएफ के कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	28
99	23 जनवरी, 2014	वेलूर जिला, राणीपेट में सिबी कार्यक्रम के सीडीएफ कर्मचारियों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	10
100	27 जनवरी, 2014	जोधपुर, जयनारायणी व्यास विश्वविद्यालय, टीईपीएसई और एचईपीएसएन केन्द्र के बी.एड. विशेष शिक्षा (एमआर) के छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	30
101	28 जनवरी, 2014	चेन्नई, चेट्टिनाडु अस्पताल और शोध संस्थान के एमबीबीएस छात्रों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	21
102	30 जनवरी, 2014	चेन्नई, सेन्ट थामस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस के मनोविज्ञान के छात्रों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	60
103	30 जनवरी, 2014	चेन्नई, ईश्वर अभावपूर्ति और अंग विज्ञान संस्थान के सीपीओ पाठ्यक्रम के छात्रों को बहुविकलांगो पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	08
104	3 फरवरी, 2015	चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ सोशियल वर्क के एनएसएस समन्वयकों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	39
105	5 फरवरी, 2015	अपर्णम विशेष विद्यालय, विल्लुपुरम जिला के विशेष बच्चों को बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	05
106	6 फरवरी, 2015	टासा, अराकोनम के सीडीएफ कार्यकर्ताओं का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	55
107	6 फरवरी, 2015	दयानन्द सागर अकेडमी बैंगलोर के इंजिनीयरिंग छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	30
108	9 फरवरी, 2015	सिरटार रोहतक, हरियाणा के बी.एड. विशेष शिक्षा प्रशिक्षणार्थीयों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	18
109	10 फरवरी, 2015	एवाईजेएनआईएचएच, मुम्बई के आईएसएल प्रशिक्षणार्थीयों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	25
110	13 फरवरी, 2015	मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क, चेन्नई के एनएसएस समन्वयकों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	25
111	17 फरवरी, 2015	मद्रास यूनिवर्सिटी, चेन्नई के एम .फिल. विद्यार्थियों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	2
112	19 फरवरी, 2015	चेट्टिनाड अस्पताल तथा शोध संस्थान चेन्नई के एमबीबीएस छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	21
113	23 फरवरी, 2015	वालिनकन्नी हायर सेकेन्डरी स्कूल, पुदुचेरी के एनएसएस कार्यकर्ताओं का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	70
114	25 फरवरी, 2015	उमा ऐजुकेशनल एण्ड टैक्नीकल सोसाइटी काकिनाड़ा के डी. एड.विशेष शिक्षा विद्यार्थियों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	26
115	25 फरवरी, 2015	तमिलनाडु वालेन्टरी हैल्थ एसोसिएशन के एमएसडब्ल्यू छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	48
116	26 फरवरी, 2015	क्रिश्चियन मेडिकल कालेज वेल्लोर के डीपीओ तथा बीपीओ विद्यार्थियों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	07

117	26 फरवरी, 2015	पेट्रिशियन कालेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस, चेन्नई के एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	32
118	26 फरवरी, 2015	बालाविहार प्रशिक्षण स्कूल, चेन्नई के विशेष शिक्षा छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	43
119	2 मार्च, 2015	मद्रास स्कूल ऑफ सोशियल वर्क के एनएसएस समन्वयकों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	22
120	19–20 मार्च, 2015	वीओसी शैक्षिक सोसाइटी, तूतीकोरिन के देखभाल कार्यकर्ता कोर्स के छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	23
121	23 मार्च, 2015	संजय सैन्टर ऑफ स्पेशल ऐजुकेशन, गोआ के विशेष शिक्षा विद्यार्थियों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	31
122	23 मार्च, 2015	चेट्टिनाड अस्पताल तथा शोध संस्थान चेन्नई के एमबीबीएस छात्रों का बहुविकलांगों पर दिग्विन्यास कार्यक्रम	31
		कुल	5634

अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. स.	दिनांक	विषय	कुल
1	10 अप्रैल 2014	बहुविभागीय टीम के साथ अभिभावक मिलन	130
2	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
3	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
4	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
5	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
6	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
7	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
8	अप्रैल 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (ग्रिटिंग कार्ड बनाना) चौथा बैच	5
9	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
10	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
11	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
12	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
13	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
14	मई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (ग्रिटिंग कार्ड बनाना)	4
15	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
16	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
17	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
18	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
19	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
20	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (ग्रिटिंग कार्ड बनाना)	4
21	जून 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
22	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
23	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
24	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
25	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
26	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
27	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (ग्रिटिंग कार्ड बनाना)	10
28	जुलाई 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
29	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
30	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
31	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
32	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
33	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
34	अगस्त 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
35	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5

36	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
37	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
38	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
39	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
40	सितम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
41	29 सितम्बर 2014	व्यवहार प्रबन्धन तथा अभिभाविकीकरण के मुद्दों पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	100
42	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
43	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
44	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
45	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
46	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
47	अक्टूबर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
48	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
49	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
50	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
51	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
52	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
53	नवम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
54	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
55	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
56	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
57	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
58	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
59	दिसम्बर 14	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
60	दिसम्बर 14	स्क्रीन प्रिंटिंग	5
61	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
62	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
63	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
64	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
65	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
66	जनवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित का र्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई) चौथा बैच	21
67	जनवरी 15	स्क्रीन प्रिंटिंग	6
68	फरवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
69	फरवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
70	फरवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
71	फरवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
72	फरवरी 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (मोमबत्ती बनाना)	4
73	फरवरी 15	स्क्रीन प्रिंटिंग	6
74	8 फरवरी 2015	बहुविकलांग बच्चों का प्रबंधन, धेमाजी, जोयपुर, आसाम	106

75	19 फरवरी 2015	दृष्टबाधित बच्चों के लिए शीघ्र पहचान तकनीक, लिटिल फ्लावर स्कूल, चेन्नई	155
76	22 फरवरी 2015	पालन पोषण के लिए अभिभावक कौशल की आवश्यकता	280
77	27 फरवरी 2015	बहुविकलांग बच्चों की पहचान तथा प्रबन्धन	15
78	मार्च 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (सिलाई तथा कढ़ाई ईकाई)	5
79	मार्च 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (जूट प्रोडक्शन ईकाई)	5
80	मार्च 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (कैमिकल प्रोडक्शन ईकाई)	4
81	मार्च 15	एनआईईपीएमडी में अभिभावकों के लिए आय जनित कार्यक्रम (आभूषण बनाना)	4
82	मार्च 15	आईजीपी में पंजीकृत नये अभिभावक	4
83	मार्च 15	स्क्रीन प्रिंटिंग	6
84	5 मार्च 2015	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात व्यक्तियों के लिए प्रबंधन	30
85	23 मार्च 2015	बहुविकलांग बच्चों की पहचान तथा प्रबन्धन, गैंगटोक, सिक्किम	33
86	25 मार्च 2015	बहुविकलांगता पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आईज़वाल, मिज़ोरम	80
		कुल	1428

संलग्नक 2

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/समारोहों में प्रतिभाग करनेवाले फैकल्टी सदस्यों/अधिकारियों की सूची

क्रम स.	फैकल्टी का नाम	कार्यक्रम का नाम	आयोजक	स्थान
1.	श्री नचिकेता राउत	श्रवण तथा भाषा विकास	प्रतिक्षा अस्पताल, गुवाहाटी	गुवाहाटी
2.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	सोने पर कार्यशाला	नित्रा क्लीनिक	चेन्नई
3.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	ईईजी पर कार्यशाला	डा. मुरूगन न्यूरोलॉजिकल क्लीनिक	चेन्नई
4.	श्री पी. कामराज	''डिजिटल युग के आगे – सृजनातमक समाज के लिए नखाचार बनाना और रोजगारी की वृद्धि करना'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	तमिलनाडु टिचर ऐजुकेशन विश्वविद्यालय	चेन्नई
5.	श्री पी. कामराज, श्री एम. काथिरवन श्री डी. स्टालिन श्रीमती एस. सोफियावाणी श्रीमती सीता लक्ष्मी श्री के.के. धनवेन्दन	शिक्षा का अधिकार	एनआईवीएच, क्षेत्रीय केन्द्र	चेन्नई
6.	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन श्री नचिकेता राउत	आत्म–विमोह और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात पर परिसंवाद	अंगहीन बच्चों का पुनर्वास केन्द्र	चण्डीगढ़
7.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	एससी/एसटी और भिन्न व्यवहार के लिए पाठ्यक्रम के संशोधन का केन्द्र दल	एनसीईआरटी	नई दिल्ली
8.	श्री के.के. धनवेन्दन	बहुविकलांग और अन्तर्विभागीय अधिगम	एनआईईपीएमडी	चेन्नई
9.	श्री के.के. धनवेन्दन	पूर्वभाषीय क्षमता उत्तेजन और भाषा उत्तेजन	एनआईईपीएमडी	चेन्नई
10.	श्री राजेश रामचन्द्रन	परीक्षा की आरसीआई योजना	एनआईईपीएमडी और आरसीआई	चेन्नई
11.	श्री पी. कामराज	शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी
12.	श्री आई.जी. अनुसूया श्री स्टालिन अरूल रीगन श्री राजेश रामचन्द्रन श्री ए. अमरनाथ श्री बी.एस. सन्तोष कन्ना श्री एम. राजेश	सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियाँ : विकसित जीवन स्तर के लिए सम्मिलित तकनीकियाँ	एनआईईपीएमडी और सीआईआई	चेन्नई
13.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	अधिगम अक्षमता	सुशील हरि अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय	चेन्नई
14.	श्रीमती कला	टान–इशाकोन	टान इशा	एरकाडु, तमिलनाडु
15.	सुश्री पी. गायत्री	टान–इशाकोन	टान इशा	एरकाडु, तमिलनाडु
16.	श्री पी. कामराज	''पाठ्यक्रम विकास में हाल में हुई प्रवृत्तियाँ'' पर कार्यशाला	एनआईईपीएमडी	चेन्नई
17.	डा. जे. विजयलक्ष्मी डा. ए. अमरनाथ श्री राजेश रामचन्द्रन	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एनआईईपीएमडी	गोआ
18.	श्री एन. कदिरवन	पाठ्यक्रम समन्वयकों का मिलन	आरसीआई	नई दिल्ली
19.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	आत्मविमोह पर राष्ट्रीय कार्यशाला	विक्रम सिंहपुरी विश्वविद्यालय	

20.	डॉ. नीरदा चन्द्रमोहन श्री नचिकेता राउत श्री पी. कामराज डा. के बालबास्कर डा. राजेश रामचन्द्रन श्री एस. विजयराघवन श्री के.के. धनवेन्दन श्री एम. राजेश श्रीमती एंजलिन गोल्डा श्रीमती जे. कांचना	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	एनआईईपीएमडी	चेन्नई
21.	श्री पी. कामराज	मानव संसाधन विकास के लिए शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन	मदर टेरेसा विश्वविद्यालय	मदुरै
22.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	बधिरांध व्यक्तियों की शिक्षा	रोटरी क्लब, चेन्नई	लिटिल फ्लावर कान्वेंट, चेन्नई
23.	डा. बालभास्कर श्री राजेश रामचन्द्रन	बहुविकलांग व्यक्तियों और बूढ़ों को सहयोगशील उपकरण	विज्ञान और तकनीक विभाग तथा हेल्प एज इंडिया	नई दिल्ली
24.	श्री बी.एस. संतोष कन्ना	(सार्क स्तर का सम्मेलन) पुनर्वास में उत्तर अभ्यास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	मोबिलिटी इंडिया	बंगलूर
25.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	फेटल इमेजिंग और एमआरआई	डा. मुरूगन तन्त्रिकाचिकित्सक	चेन्नई
26.	श्री बी.एस. संतोष कन्ना श्री पी. कामराज श्रीमती आई.जी. अनुसूया श्री के.के. धनवेन्दन श्री राजेश रामचन्द्रन	विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मिलन के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कोयम्बटूर	एनआईईपीएमडी और रामकृष्ण मिशन विश्वविद्यालय	कोयम्बटूर
27.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	बालचिकित्या अभ्यास में सामान्य समस्याएँ	चेट्टिनाडु अस्पताल	चेन्नई
28.	डा. ए. अमरनाथ	डाउन सिन्ड्रोम पर राष्ट्रीय सम्मेलन	बालचिकित्सा का भारतीय संघ	बेबी मेमोरियल अस्पताल, कोझिकोडु
29.	श्रीमती आई.जी. अनुसूया श्री एम. कदिरवन श्री के.के. धनवेन्दन श्री स्टालिन अरूल रीगन श्री टी. सुन्दरेसन	बहुविकलांग बच्चों के लिए एएसी और संचार	एनआईईपीएमडी और विद्यासागर	चेन्नई

सम्मेलन / कार्यशाला में प्राध्यापकों का प्रपत्र प्रस्तुतिकरण

क्रम स.	फैकल्टी का नाम	कार्यक्रम का नाम	आयोजक	स्थान
1.	डा. नीरदा चन्द्रमोहन	लोक योजना से उपागम	विकलांग व्यक्तियों के लिए लोक योजनाओं पर अभिज्ञा बढ़ाना और उपागम बनाना	जर्मनी कोढ़ निवारण संग, चेन्नई
2.	श्री नचिकेता राउत	श्रवण और भाषा विकास पर सीएसई	वाणी और भाषा क्षति में हस्तक्षेप : कितनी जल्दी जल्दी हो?	गुवाहाटी, आसाम
3.	डा. जे. विजलक्ष्मी	विशेष माँगों के क्षेत्र में वर्तमान प्रवित्तियों आ ैर उत्तम अभ्यासों पर राष्ट्रीय कार्यशाला	वयस्क स्वतंत्र जीवन	पुदुच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी
4.	श्री पी. कामराज	वाड	अभिभावकों को विशेष शैक्षिक पक्ष	चेन्नई
5.	डा. विजय शंकर शर्मा	विशेष शिक्षा कार्यक्रम के शिक्षा शिक्षकों के लोक सेवाओं का उपागम और क्लाउड कम्प्यूटिंग	टीएनटीईयू अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन–मोनोग्राफी 2014 (आईएसबीएन–978–93–511–459–8)	चेन्नई
6.	श्री नचिकेता राउत	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात और आत्म विमोह पर परिचर्चा	एएसडी के लिए वाणी और संचार प्रशिक्षण	चंडीगढ़
7.	श्री पी. कामराज	कला, शिक्षा और संस्कृति पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	शिक्षण–अधिगम सामग्रियों का उपागम	विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश
8.	डा. के. बालभास्कर श्री डी. राजकुमार	–	बहुविकलांग वयस्कों के लिए स्वतंत्र जीवन क्षमता–अधिकारिता/अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका के लिए एक सम्मिलित प्रक्रिया	जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकत्ता
9.	श्री नचिकेता राउत	–	सीआरसी की धारणा	प्रधान सचिव, उड़ीसा सरकार
10.	डा. के. बालभास्कर	एएसडी और सीपीयुक्त मानसिक अंगहीन बच्चों की पहचान और मुख्य क्षेत्र में उत्तम अभ्यासों को बांट लेने पर कार्यशाला	सम्मिलित शिक्षा पर देश के विभिन्न भागों से सफल हस्तक्षेप	स्पार्स, लखनऊ
11.	श्री. पी. कामराज	शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अधिगम स्थिति में एएसडी के बच्चों की चयन पद्धति	पांडिचेरी
12.	डा. नीरदा चन्द्रमोहन	सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियाँ	सहयोगशील और पुनर्वास तकनीकियों पर विषय प्रवेश भाषण और ''सहयोगशील एर्गानामिक तकनीक'' पर अध्यक्षा बनना	चेन्नई
13.	डा. के. बालभास्कर	समुदाय स्तर पर बहुविकलांग व्यक्तियों की पहचान, हस्तक्षेप और अधिकारिता पर सीआरई	अधिकार आधारित समुदाय सम्मिलित उपागम और समर्थन	चेन्नई
14.	श्री पी. कामराज	शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अधिगम स्थिति में एएसडी के बच्चों में चयन शक्ति	केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी
15.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला	आत्मविमोह में सहसंबंधी स्थितियाँ	गोआ
16.	डा. ए. अमरनाथ	–वही–	बहुविकलांग व्यक्तियों के परिवारों की अधिकारिता	गोआ
17.	श्रीमती आई.जी. अनुसूया	एएसडी के बच्चों के हस्तक्षेप में संज्ञानात्मक और सामाजिक अधिगमों पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एएसडी के बच्चों को वैयक्तिक प्रकार का शिक्षण विकसित करना	नेल्लूर, आंध्र प्रदेश
18.	श्री एम. कदिरवर	–वही–	एएसडी के बच्चों के परिवारों पर प्रभाव	नेल्लूर, आंध्र प्रदेश

19.	श्री पी. रघुराम	एनआईईपीएमडी द्वारा आयोजित बहुविकलांग व्यक्तियों की अधिकारिता अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के बच्चों के लिए ऊपरी अंग समन्वय गति और दक्षता	नई दिल्ली
20.	श्री नचिकेता राउत	–वही–	अंग्रेजी हिज्जे और कामकाजी याद के साथ प्रत्ययात्मक अंग्रेजी	नई दिल्ली
21.	श्री नचिकेता राउत	–वही–	अन्तर्विभागीय अभिगम : वाणी भाषा रोगविज्ञानी की दृष्टि में (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
22.	श्री नचिकेता राउत और सुश्री पी. गायत्री	–वही–	हिन्दी और अंग्रेज़ी में एसएलडी के बच्चों और भिन्न रूप से विकसित बच्चों में उच्चारण क्षमता पर प्रतिकूली भाषा वैज्ञानिक अध्ययन (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
23.	श्री नचिकेता राउत और श्री आर. श्रीधर	–वही–	विकलांग बच्चों में सचार विकास के लिए साफ्टवेयर (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
24.	श्री नचिकेता राउत और श्रीमती एस. कला	–वही–	एएसडी के बच्चों में चुनौतीपूर्ण व्यवहार : अभिभावकों का प्रतिवेदन (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
25.	श्री नचिकेता राउत और श्री गुणशेखरन	–वही–	खिलाने की कठिनाइयों में प्रदत्त स्थितियों की समस्याओं का प्रबन्धन (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
26.	श्री नचिकेता राउत और सुश्री पी. गायत्री	–वही–	वाणी चिकित्सक सम्मिलन, एसएलडी और डीएसएम–5 (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
27.	श्री नचिकेता राउत	–वही–	भारतीय भाषा में पढ़ना और हिज्जे तथा अंग्रेज़ी में पढ़ना और हिज्जे (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
28.	श्रीमती एस.कला और सुश्री बी. पवित्रा	–वही–	बहुविकलांग बच्चों में एएसीः अभिभावकों की दृष्टि में (पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
29.	श्री राजेश रामचन्द्रन	–वही–	मेकोट्रानिक उपकरणों द्वारा क्षमता प्रशिक्षण बनावट में बहुविकलांग व्यक्तियों की बहुसंवेदिक क्षति के लिए तकनीकी अनुकूलन पोस्टर प्रस्तुति)	नई दिल्ली
30.	डा. नीरदा चन्द्रमोहन और श्री राजेश रामचन्द्रन	–वही–	आत्मविमोह वर्णक्रम अव्यवस्था और मानसिक मंदन के प्राथमिक छात्रों में अधिगम सीख क्षमता में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय वाद्ययन्त्र संगीत के प्रभाव पर अध्ययन	नई दिल्ली
31.	श्री पी. रघुराम और डा. नीरदा चन्द्रमोहन	–वही–	प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के विकलांग बच्चों में ऊपरी अंग समन्वयन, गति और कौशल पर हाथ कंधे का द्विचालन गहन चिकित्सा (आदत) का प्रभाव	नई दिल्ली
32.	श्री पी. कामराज	–वही–	बहुविकलांग बच्चों के लिए पाठ्यक्रम विकास पर सहायक पद्धति का प्रभाव	नई दिल्ली
33.	श्री के.के. धनवेन्दन	–वही–	एमडी के सहायक सेवा पद्धति के प्रभाव पर एक अध्ययन	नई दिल्ली
34.	श्री पी. कामराज	सीपी बच्चों का प्रशिक्षण और प्रबन्धन और प्रबन्धन	विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास क्षेत्र में मानव संसाधन विकास	चेन्नई

35.	श्री सी.के. धनपांडियन	दृष्टि रोटरी क्लब द्वारा आयोजित विशेष शिक्षकों को सहयोग	मार्गदर्शन परामर्श	चेन्नई
36	डा. के बालभास्कर और श्री राजेश रामचन्द्रन	बहुविकलांग व्यक्तियों और वयस्कों के लिए सहायक उपकरण	मकोट्रानिक उपकरण द्वारा बहुविकलांग व्यक्तियों में क्षमता प्रशिक्षण पद्धति के लिए तकनीकी अनुकूलन	नई दिल्ली
37.	श्री बी.एस. संतोष कन्ना	पुनर्वास में उत्तम अभ्यासों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सार्क स्तर सम्मेलन)	संस्तभी चतुर्चलन प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात के प्रतिभोगियों के लिए फुप्फुसीय पुनर्वास	बंगलूरू
38.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	चेन्नई में दृष्टि क्षति की लड़कियों के लिए व्यक्तित्व विकास और क्षमता वृद्धि पर कार्यशाला	लिंग द्वारा फैले रोग, मेनार्क, रजोनिवृत्ति और रजोविषक स्वास्थ्य	चेन्नई
39.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	एम.जी. विश्वविद्यालय, कोट्टयम	बहुविकलांगों का परिचय और बहुविकलांग व्यक्तियों की रोजगारी	कोट्टयम
40.	डा. के बालभास्कर	उत्तर पूर्वी प्रान्तों में जीवन भर में बहुविकलांग व्यक्तियों की सेवाएँ	–	नई दिल्ली
41.	श्री पी. कामराज और श्री राजेश रामचन्द्रन	विकलांग व्यक्तियों के पूर्ण सम्मिलन के लिए शिक्षा और खेलकूद में सहयोगशील तकनीक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	माध्यमिक स्तर के मानसिक मंदन और आत्मविमोह के बच्चों में सीएआई और फिलिप चार्ट द्वारा भावनाओं के अधिगम क्षमता	रामकृष्ण मिशन विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर
42.	डा. के बालभास्कर	बुद्धिमता विकास के विकलांगों की आर्थिक अधिकारिता पर परामर्शशील कार्यशाला	बुद्धिमता के विकलांग व्यक्तियों के लिए रोजगारी मौके बताने में सरकार की भूमिका	चेन्नई
43.	श्री डी. स्टालिन अरूल रीगन	विशेष माँगों के बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की विकासशील क्षमताएँ और शक्तियाँ	बहुविकलांगों और बधिरांधता के बच्चों की मांगों को सक्षम विशेष शिक्षकों को समझने का पूर्ण अधिगम	चेन्नई
44.	डा. जे. विजयलक्ष्मी	विशेष माँगों के बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की विकासशील क्षमताएँ और शक्तियाँ	बधिरांधों और वीआई तथा एमडी के व्यक्तियों के अभिभावकों के लिए आवश्यक क्षमताएँ	चेन्नई
45.	श्रीमती आई.जी. अनुसूया	सम्मिलित प्रकार के व्यक्तियों के लिए अधिगम कौशल	सीआरई ''सम्मिलित सफलता पर अधिगम कौशल''	एनआरटी कालेज, चेन्नई
46.	डा. के बालभास्कर और श्री एम. हरिनाथ	डीएसटीसीआरएस	बहुविकलांग व्यज्ञक व्यक्तियों में स्व समर्थन क्षमताएँ विकसित करना	नई दिल्ली